

RNI No. GUJHIN/2010/35230

महानगर मेट्रो

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

महानगर मेट्रो
राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें
सरबजीत माकन
+91-9638877700
mahanagarmetro7@gmail.com

वर्ष :16 । अंक: 83 । पेज:12। mahanagarmetro7@gmail.com || अहमदाबाद, 22 नवम्बर 2026 (रविवार) || सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/

कौशल ही बनाएगा विकसित भारत की नींव, हुनरमंद व्यक्ति का रोजगार नहीं छीन सकता एआई : मोदी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को लखनऊ में आयोजित 5वें राष्ट्रीय कौशल दीक्षांत समारोह में देशभर से आए 52 राष्ट्रीय स्तर के श्रेष्ठ प्रतिभागियों को सम्मानित किया। इस दौरान उन्होंने युवाओं को कौशल विकास का महत्व समझाते हुए कहा कि औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में सीखा गया हुनर ही विकसित भारत की नींव बनेगा। उन्होंने कहा कि जिसके पास वास्तविक कौशल है, उसका रोजगार कृत्रिम बुद्धिमत्ता नहीं छीन सकती। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि अब केवल शैक्षणिक प्रमाणपत्र हासिल करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि युवाओं को ऐसा हुनर सीखना होगा जिसकी बाजार और उद्योगों में मांग हो। उन्होंने दादा धर्माधिकारी की एक पुस्तक का प्रसंग सुनाते हुए बताया कि एक बार नौकरी मांगने पहुंचे एक स्नातकोत्तर व्यक्ति से पूछा गया कि उसे क्या काम आता है। जब उसने गाड़ी चलाने और खाना बनाने जैसे सामान्य कौशल भी नहीं आने की बात कही तो उससे पूछा गया कि आखिर वह जानता क्या है। प्रधानमंत्री ने इस प्रसंग के माध्यम से व्यावहारिक कौशल की आवश्यकता पर जोर दिया। मोदी ने कहा कि सऊदी अरब और दुबई जैसे देशों में भारतीय कारीगरों के हुनर की मांग है। वहां के लोग भारतीय कारीगरों के योगदान की सराहना करते हैं।



रेलवे के खाली डिब्बे में महिला से दुष्कर्म के बाद हत्या, 6 घंटे में आरोपी गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

कन्याकुमारी। तमिलनाडु के कन्याकुमारी जिले के नागरकोइल रेलवे यार्ड में 54 वर्षीय महिला के साथ दुष्कर्म के बाद हत्या का सनसनीखेज मामला सामने आया है। महिला का शव 13 नवंबर की आधी रात एक खाली रेलवे डिब्बे में मिला था। पुलिस ने मामले की जांच शुरू करने के महज 6 घंटे के भीतर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। महिला की पहचान उसकी सांप के आकार वाली सोने की अंगूठी पर दर्ज हॉलमार्क के आधार पर की गई। रेलवे पुलिस अधीक्षक आदर्श पचेरा के अनुसार, खाली डिब्बे की सफाई के दौरान महिला का शव मिला था। इस डिब्बे का इस्तेमाल दूसरी रेलगाड़ी में किया जाना था। महिला की पहचान के लिए पुलिस ने उसकी अंगूठी पर दर्ज हॉलमार्क की जांच की। इसके बाद गुजरात के विक्रेता तक पहुंच बनाई गई। विक्रेता ने बताया कि अंगूठी छत्तीसगढ़ के रायपुर स्थित एक आभूषण विक्रेता को भेजी गई थी। जांच के दौरान पुलिस को महिला के पहचान संबंधी दस्तावेज और मध्य प्रदेश का पता भी मिला। इसी आधार पर उसके परिवार का पता लगाया गया। महिला पिछले 3 महीने से अपने कस्बे से लापता थी। उसके पति और बच्चे कन्याकुमारी के लिए रवाना हो गए हैं। महिला की पहचान के साथ ही पुलिस ने हत्या और दुष्कर्म के मामले की जांच तेज कर दी। शुरुआत में 3 संदिग्धों पर ध्यान केंद्रित किया गया। रेलवे स्टेशन के सीसीटीवी कैमरों की जांच में सफेद कपड़े पहने एक व्यक्ति खाली डिब्बे से बाहर निकलता दिखाई दिया।

दिलजीत दोसांझ के अहमदाबाद कार्यक्रम से पहले 4 गानों पर विवाद, प्रोफेसर ने दी कानूनी कार्रवाई की चेतावनी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। नरेंद्र मोदी स्टेडियम में पंजाबी गायक दिलजीत दोसांझ के प्रस्तावित कार्यक्रम से पहले 4 गानों को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। चंडीगढ़ के प्रोफेसर डॉ. पंडित राव धरन्नेवर ने दिलजीत से कार्यक्रम में 'पटियाला पेग', 'पंज तारा', 'जे बिच्छो फीम लब्बियां' और 'जट्ट उड्डे फायर करदा' गाने प्रस्तुत नहीं करने की मांग की है। उनका आरोप है कि इन गानों के बोल शराब, नशीले पदार्थों और हथियारों की संस्कृति को बढ़ावा देते हैं, जिसका बच्चों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। धरन्नेवर ने चेतावनी दी है कि यदि कार्यक्रम में ये गाने प्रस्तुत किए गए तो वह गुजरात उच्च न्यायालय में अदालत की अवमानना का मामला दायर करेंगे। उनका कहना है कि पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय ने वर्ष 2019 में उनके मामले में शराब और नशे को बढ़ावा देने वाले गानों को मंच पर प्रस्तुत नहीं करने के निर्देश दिए थे। उनके मुताबिक, इसके बावजूद दिलजीत ने इंदौर और दिल्ली के कार्यक्रमों में ये गाने गाए थे। धरन्नेवर ने नशामुक्त भारत अभियान का उल्लेख करते हुए कहा कि एक ओर सरकार और समाज नशे के खिलाफ जागरूकता फैला रहे हैं, वहीं दूसरी ओर ऐसे गीत बच्चों पर गलत प्रभाव डाल सकते हैं। अहमदाबाद पुलिस ने कार्यक्रम को लेकर सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए हैं। पुलिस आयुक्त अनुपम सिंह गेहलोत के अनुसार, स्टेडियम में करीब 85,000 दर्शकों के पहुंचने की संभावना है, जबकि निजी सुरक्षा कर्मियों और सहयोगी कर्मचारियों सहित कुल संख्या 90,000 से अधिक हो सकती है। सुरक्षा व्यवस्था में 2,000 पुलिसकर्मियों के साथ राज्य आरक्षित पुलिस की 3 कंपनियां तैनात रहेंगी। बम निरोधक एवं जांच दल, त्वरित कार्रवाई दल, अपराध शाखा और विशेष अभियान दल भी सुरक्षा की जिम्मेदारी संभालेंगे। प्रवेश द्वारों पर धातु जांच उपकरण लगाए गए हैं और करीब 600 सीसीटीवी कैमरों से निगरानी की जाएगी।

मुंबई के उद्यान में युवक और उसकी महिला मित्र पर हमला, 8 नाबालिगों के खिलाफ मामला दर्ज

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। कुर्ला में फीनिक्स मॉल के पास स्थित नगर निगम के एक उद्यान में युवक और उसकी महिला मित्र के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। दोनों उद्यान में तस्वीरें खींच रहे थे, तभी 8 नाबालिग लड़कों ने कथित तौर पर उन पर हमला कर दिया। घटना का वीडियो स्थानीय लोगों ने बना लिया, जो अब सामाजिक माध्यमों पर प्रसारित हो रहा है। शिकायतकर्ता के अनुसार, वह अपनी महिला मित्र से मिलने घाटकोपर गया था। दोनों उद्यान में तस्वीरें खींच रहे थे, तभी वहां मौजूद लड़कों का एक समूह उसकी मित्र को बार-बार परेशान करने लगा। विरोध करने पर आरोपियों ने दोनों के साथ गाली-गलौज और बहस शुरू कर दी। इसके बाद युवक पर हमला कर दिया गया। आरोप है कि लड़कों ने युवक को लात-घूंसों से पीटा और डंडों से भी हमला किया। इसी दौरान एक आरोपी ने स्टील की बोतल से उसके सिर पर वार कर दिया। मारपीट में युवक और उसकी महिला मित्र दोनों घायल हो गए। इसके बाद उन्हें उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया। मुंबई पुलिस ने लड़की की शिकायत के आधार पर घाटकोपर थाने में 8 नाबालिगों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 189(2), 189(4), 118(1), 352 और 351(2) के तहत मामला दर्ज किया है।

करजण में अवैध खनन का बड़ा आरोप: सभी रेत खदानों की अनुमति रद्द, फिर भी नर्मदा नदी में धड़ल्ले से हो रही रेत चोरी!

'बापजी' नाम से चलने वाले वाहनों और कथित मासिक वसूली के खेल पर उठे सवाल

भाजपा विधायक अक्षय पटेल का नाम भी चर्चाओं में; खनन विभाग और प्रशासन की चुप्पी पर सवाल

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

वडोदरा/करजण। वडोदरा जिले के करजण क्षेत्र में नर्मदा नदी के तट पर कथित अवैध रेत खनन का मामला गंभीर सवाल खड़े कर रहा है। आरोप है कि सरकार की ओर से रेत और मिट्टी खनन की सभी वैध खदानों की अनुमति रद्द किए जाने के बावजूद क्षेत्र में बड़े पैमाने पर अवैध उत्खनन और परिवहन जारी है। इस पूरे मामले में कथित खनन गिरोह, 'बापजी' नाम से चलने वाले वाहनों और स्थानीय राजनीतिक संरक्षण को लेकर चर्चाएं तेज हैं। करजण के भाजपा विधायक अक्षय पटेल का नाम भी इन आरोपों और चर्चाओं में जोड़ा जा रहा है। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि होना और संबंधित पक्षों का जवाब सामने आना जरूरी है।

प्रतिबंधित मशीनों से खनन और रेत की कथित चोरी

स्थानीय सूत्रों के हवाले से आरोप लगाया जा रहा है कि नर्मदा नदी के तट पर रात के अंधेरे के साथ-साथ दिन में भी बड़ी मशीनों और बजरों के माध्यम से रेत निकाली जा रही है। आरोप है कि इस काम में ऐसे उपकरणों का इस्तेमाल हो रहा है, जिनसे खनन की अनुमति नहीं है। इससे नदी के प्राकृतिक स्वरूप और पर्यावरण को नुकसान पहुंचने की आशंका भी जताई जा रही है। रेत परिवहन में भी बड़े पैमाने पर नियमों के उल्लंघन के आरोप हैं। बताया जा रहा है कि 23 टन रेत की अनुमति वाले एक रॉयल्टी पास के आधार पर करीब 54 टन तक रेत ले जाई जा रही है। इतना ही नहीं, एक ही पास के आधार पर 3 से अधिक वाहनों में रेत भरकर परिवहन किए जाने की भी शिकायतें सामने आई हैं। यदि ये आरोप सही हैं तो इससे सरकारी राजस्व को नुकसान पहुंचने के साथ-साथ नियमों की खुलेआम अनदेखी भी हो रही है।

'बापजी' नाम से वाहनों के संचालन और मासिक वसूली का आरोप

स्थानीय सूत्रों के अनुसार, घुघो भरवाड़ और गोकुल भरवाड़ के नाम कथित खनन गिरोह से जोड़कर देखे जा रहे हैं। यह भी आरोप लगाया जा रहा है कि 'बापजी' नाम लिखे वाहनों के माध्यम से रेत का कारोबार संचालित होता है। चर्चा है कि दूसरे कारोबारियों को अपने वाहनों पर 'बापजी' लिखवाकर रेत परिवहन करने के लिए कथित तौर पर हर महीने 60,000 रुपये देने पड़ते हैं। आरोप है कि राशि देने वाले वाहनों को पुलिस और प्रशासन की कार्रवाई से बचाया जाता है।



विधायक अक्षय पटेल

हालांकि, इस कथित वसूली और संरक्षण के दावों की जांच के बाद ही वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

खनन विभाग और प्रशासन की भूमिका पर सवाल

इतने गंभीर आरोपों के बावजूद स्थानीय प्रशासन, पुलिस और खनिज विभाग की कार्रवाई को लेकर सवाल उठ रहे हैं। गांधीनगर की उड़नदस्ता टीम और खनिज विभाग के आयुक्त धवल पटेल के स्तर पर अब तक क्या कार्रवाई हुई, इसे लेकर भी जवाब मांगा जा रहा है। सवाल यह है कि यदि क्षेत्र में बड़े पैमाने पर अवैध खनन हो रहा है तो संबंधित अधिकारियों को इसकी जानकारी क्यों नहीं मिली और

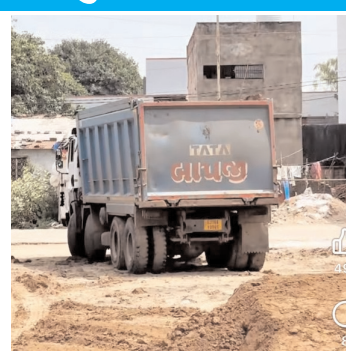


घुघो भरवाड़

अब तक प्रभावी कार्रवाई क्यों नहीं की गई? मामले में जिलाधिकारी, उपखंड अधिकारी, पुलिस और भूविज्ञान विभाग की जिम्मेदारी भी जांच के दायरे में आनी चाहिए। साथ ही यह भी स्पष्ट होना चाहिए कि कथित अवैध खनन के पीछे किसी प्रभावशाली व्यक्ति या राजनीतिक दबाव की भूमिका है या नहीं।

निष्पक्ष जांच और कड़ी कार्रवाई की मांग

इस पूरे प्रकरण ने राजनीतिक हलकों में भी सवाल खड़े कर दिए हैं। प्रदेश भाजपा नेतृत्व और अध्यक्ष जगदीश पंचाल से भी यह सवाल उठ रहा है कि यदि किसी जनप्रतिनिधि या प्रभावशाली व्यक्ति की



भूमिका जांच में सामने आती है तो क्या उसके खिलाफ कार्रवाई होगी? फिलहाल विधायक अक्षय पटेल सहित जिन लोगों के नाम आरोपों में लिए जा रहे हैं, उनकी भूमिका जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकती है। नर्मदा नदी के प्राकृतिक संसाधनों और सरकारी राजस्व की सुरक्षा के लिए पूरे मामले की निष्पक्ष जांच आवश्यक है। प्रशासन को खनन स्थलों का निरीक्षण कर अवैध उत्खनन, रॉयल्टी पास के कथित दुरुपयोग, वाहनों के संचालन और मासिक वसूली के आरोपों की पड़ताल करनी चाहिए। अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या संबंधित विभाग इन आरोपों की गंभीरता से जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करेंगे या नर्मदा के तट पर कथित अवैध खनन का खेल इसी तरह जारी रहेगा?

नीट-यूजी 2026 पेपर लीक मामला: सभी 14 आरोपियों के खिलाफ आरोप तय, 25 नवंबर से रोजाना सुनवाई

एनटीए के 3 विषय विशेषज्ञ भी आरोपियों में शामिल, अदालत ने साजिश, धोखाधड़ी और भ्रष्टाचार सहित कई आरोपों को माना प्रथम दृष्टया पर्याप्त

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। नीट-यूजी 2026 प्रश्नपत्र लीक मामले में दिल्ली की त्वरित सुनवाई अदालत ने शनिवार को सभी 14 आरोपियों के खिलाफ औपचारिक रूप से आरोप तय कर दिए। आरोपियों में राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) से जुड़े 3 विषय विशेषज्ञ भी शामिल हैं। सभी आरोपियों को राउज एवेन्यू अदालत में विशेष न्यायाधीश अजय गुप्ता के सामने पेश किया गया। उन्होंने स्वयं को निर्दोष बताते हुए मुकदमे का सामना करने की बात कही। अदालत ने आरोपियों के खिलाफ आपराधिक साजिश, धोखाधड़ी, आपराधिक विश्वासघात और भ्रष्टाचार सहित कई आरोप तय किए हैं। मामले की रोजाना सुनवाई 25 नवंबर से शुरू होगी। नीट-यूजी 2026 की परीक्षा 3 मई को आयोजित हुई थी, जिसमें करीब 22 लाख अभ्यर्थियों ने हिस्सा लिया था। प्रश्नपत्र लीक



होने के आरोप सामने आने के बाद एनटीए ने 12 मई को परीक्षा रद्द कर दी थी। इसके बाद 21 जून को दोबारा परीक्षा आयोजित की गई। दिल्ली की अदालत ने 18 नवंबर को 206 पन्नों के आदेश में सभी 14 आरोपियों के खिलाफ आरोप तय करने का निर्देश दिया था। अदालत का कहना था कि प्रथम दृष्टया आरोपियों के विरुद्ध आपराधिक साजिश, धोखाधड़ी, आपराधिक विश्वासघात और भ्रष्टाचार सहित विभिन्न अपराधों के पर्याप्त साक्ष्य मौजूद हैं। अदालत के अनुसार, आरोपियों ने एनटीए की गोपनीय परीक्षा सामग्री अवैध तरीके से हासिल की, उसे एक-दूसरे तक पहुंचाया और उसका इस्तेमाल किया। न्यायालय ने इस पूरी गतिविधि को एक संगठित साजिश का हिस्सा माना है। मामले में एनटीए से जुड़े 3 विषय विशेषज्ञ मनीषा गुरुनाथ मंधारे, पीवी कुलकर्णी और मनीषा संजय हवालदार भी आरोपी हैं। अदालत के मुताबिक, तीनों एनटीए के लिए काम कर रहे थे, इसलिए उन्हें लोक सेवक की श्रेणी में माना गया है। आरोप है कि उन्होंने अन्य आरोपियों के साथ मिलकर परीक्षा के गोपनीय प्रश्न अवैध तरीके से हासिल किए। मंधारे जीव विज्ञान, पीवी कुलकर्णी रसायन विज्ञान और हवालदार भौतिक विज्ञान की विशेषज्ञ थीं। अदालत ने कहा कि इन तीनों पर परीक्षा सामग्री की गोपनीयता बनाए रखने की जिम्मेदारी थी। अब 25 नवंबर से शुरू होने वाली रोजाना सुनवाई में अभियोजन पक्ष आरोपों से जुड़े साक्ष्य पेश करेगा और मामले की आगे की कानूनी प्रक्रिया तय होगी।

मेटा कार्यालयों के बाहर प्रदर्शन और तोड़फोड़, मुंबई में यूथ कांग्रेस के 4 नेताओं पर मामला दर्ज

हैदराबाद में 21 प्रदर्शनकारी हिरासत में लिए गए, विपक्षी नेताओं के सामाजिक माध्यम खातों पर रोक हटाने की मांग को लेकर हुआ था विरोध

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। विपक्षी नेताओं के सामाजिक माध्यम खातों को बंद किए जाने के विरोध में हैदराबाद, मुंबई और गुरुग्राम स्थित मेटा कार्यालयों के बाहर प्रदर्शन और तोड़फोड़ के मामले में कार्रवाई शुरू हो गई है। मुंबई पुलिस ने शनिवार को भारतीय युवा कांग्रेस के 4 नेताओं के खिलाफ मामला दर्ज किया। इनमें जीना सबरीन, राष्ट्रीय सचिव पवन मजेठिया, निखिल रुपारेल और जाफर शामिल हैं। इसके अलावा 15 से 20 अज्ञात महिलाओं को भी आरोपी बनाया गया है। पुलिस के अनुसार, 20 नवंबर को मुंबई के बीकेसी स्थित वर्ल्ड वन भवन में 20 से 25 लोग जुटे थे। प्रदर्शन के दौरान एक महिला ने भवन के शीशे पर 'आरएसएस का बेटा मेटा' लिख दिया, जिससे शीशे को नुकसान पहुंचा। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता और महाराष्ट्र के संबंधित कानूनों के तहत मामला दर्ज किया है। हैदराबाद में प्रदर्शनकारी मेटा कार्यालय के अंदर घुस गए और तोड़फोड़ की। पुलिस ने 20 से 21 कार्यकर्ताओं को हिरासत में लेकर करीब 3 घंटे बाद छोड़ दिया। गुरुग्राम में प्रदर्शनकारियों ने कार्यालय के मुख्य द्वार पर ताला लगा दिया। युवा कांग्रेस का आरोप है कि 19 नवंबर को उसके राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब और राष्ट्रीय प्रभारी मनीष शर्मा के इंस्टाग्राम खाते बंद किए गए थे। संगठन का दावा है कि प्रदर्शन के 15 मिनट बाद दोनों खाते बहाल हो गए। संगठन ने मेटा को 7 दिन का समय देते हुए अन्य खातों से प्रतिबंध हटाने और सरकार के आदेश पर बंद किए गए खातों का विवरण सार्वजनिक करने की मांग की है।

वडताल के स्वामियों पर 1.24 करोड़ रुपये की ठगी का आरोप, सेवानिवृत्त अधिकारी ने खोली आपबीती

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वडताल। गुजरात में धर्म और आस्था के नाम पर कथित आर्थिक धोखाधड़ी का एक मामला सामने आया है। वडताल स्वामीनारायण मंदिर से जुड़े कुछ स्वामियों और उनके सहयोगियों पर 1.24 करोड़ रुपये की ठगी करने का आरोप लगा है। इस मामले में कथित रूप से पीड़ित एक सेवानिवृत्त सरकारी अधिकारी ने वीडियो जारी कर अपनी आपबीती बताई है। उनका दावा है कि उन्होंने स्वयं किसान के घर जाकर 1.24 करोड़ रुपये दिए थे, लेकिन रकम देने के बाद उन्हें न तो अपेक्षित लाभ मिला और न ही न्याय। अधिकारी ने पुलिस की कार्रवाई पर भी सवाल



उठाते हुए आरोप लगाया है कि इतनी बड़ी रकम से जुड़े मामले में केवल सामान्य धाराओं के तहत शिकायत दर्ज की गई है। सेवानिवृत्त अधिकारी के अनुसार, वडताल के कुछ स्वामियों और उनसे जुड़े लोगों ने विश्वास में लेकर उनसे बड़ी रकम हासिल की। उन्होंने वीडियो में कहा कि वह स्वयं किसान के घर पहुंचे थे और अपने हाथों से 1.24 करोड़ रुपये दिए थे। उनका आरोप है कि जीवनभर की कमाई लगाने के बावजूद बाद में उन्हें परेशानियों का सामना करना पड़ा। अधिकारी ने इसे अपने साथ हुई बड़ी आर्थिक धोखाधड़ी बताया है। इस मामले में पुलिस की भूमिका को लेकर भी उन्होंने गंभीर सवाल उठाए हैं। उनका आरोप है कि करोड़ों रुपये की कथित धोखाधड़ी के बावजूद पुलिस ने गंभीर धाराओं में मामला दर्ज करने के बजाय हल्की धाराएं लगाईं। अधिकारी का कहना है कि पुलिस ने उन्हें संतुष्ट करने के लिए सामान्य धाराओं में शिकायत दर्ज की, जबकि उनके अनुसार मामले में शामिल वास्तविक लोगों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई है। हालांकि, पुलिस की कार्रवाई और लगाए गए आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि उपलब्ध नहीं है। आरोप है कि साधु-संतों के नाम और लोगों की धार्मिक आस्था का भरोसा हासिल कर कुछ व्यक्ति आर्थिक लाभ उठाते हैं। हालांकि, इस मामले में जिन स्वामियों और अन्य लोगों पर आरोप लगाए गए हैं, उनकी भूमिका जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी। केवल आरोपों के आधार पर किसी को दोषी नहीं माना जा सकता। अब इस मामले में कुछ अहम सवाल उठ रहे हैं। क्या 1.24 करोड़ रुपये के कथित लेन-देन की निष्पक्ष जांच होगी? क्या पुलिस यह स्पष्ट करेगी कि शिकायत में कौन-कौन सी धाराएं लगाई गई हैं और उनका आधार क्या है?

गुजरात में नशे के कारोबार पर पुलिस की कार्रवाई: गोता की आवासीय बस्ती के फ्लैट से 474 ग्राम गांजा बरामद

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। शहर में मादक पदार्थों की अवैध बिक्री के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत सोलाहाईकोर्ट पुलिस ने गोता क्षेत्र की वसंतनगर टाउनशिप में छापा मारकर गांजे के कथित कारोबार का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने वीर सावरकर हाइट्स-01 के फ्लैट नंबर एफ/801 से 474 ग्राम 100 मिलीग्राम गांजा और एक इलेक्ट्रॉनिक वजन कांटा बरामद किया है। इस मामले में रवि चंदुभाई मकवाणा (36) को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने कुल 24,205 रुपये का सामान जब्त किया है। शहर में मादक पदार्थों की तस्करी और बिक्री पर रोक लगाने के लिए पुलिस अधिकारियों की ओर से विशेष निगरानी और कार्रवाई के निर्देश दिए गए थे। इसी के तहत सोलाहाईकोर्ट थाने के निरीक्षक के.एन. भुकण के मार्गदर्शन में उपनिरीक्षक एस.जे. देसाई और पुलिस दल क्षेत्र में गश्त कर रहे थे। इसी दौरान पुलिसकर्मी राजेशभाई अरशीभाई को सूचना मिली कि गोता स्थित वसंतनगर टाउनशिप के वीर सावरकर हाइट्स-01 के फ्लैट नंबर एफ/801 में अवैध रूप से गांजे का कारोबार किया जा रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस दल ने तत्काल फ्लैट पर छापा मारा और तलाशी ली। इस दौरान वहां से रवि चंदुभाई मकवाणा को पकड़ा गया। पुलिस ने फ्लैट से 474 ग्राम 100 मिलीग्राम गांजा बरामद किया, जिसकी कीमत 23,705 रुपये बताई गई है। इसके अलावा 500 रुपये का एक वजन कांटा भी जब्त किया गया। इस तरह कुल जब्त सामान की कीमत 24,205 रुपये आंकी गई है। पुलिस अब आरोपी से पूछताछ कर रही है कि वह गांजा कहां से लाता था और किन लोगों को बेचने के लिए इसकी आपूर्ति करता था। इस कारोबार से जुड़े अन्य लोगों और संभावित खरीदारों के बारे में भी जानकारी जुटाई जा रही है। सोलाहाईकोर्ट पुलिस थाने में आरोपी के खिलाफ अपराध क्रमांक 11191045260707/2026 के तहत स्वापक औषधि एवं मनःप्रभावी पदार्थ अधिनियम की धारा 8(सी) और 20(बी)(2-ए) के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया है।

वासणा के मंदिर में चोरी, 40 हजार रुपये नकद और सोने के आभूषण ले उड़े चोर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। शहर के वासणा क्षेत्र स्थित सोराई नगर सोसायटी में चोरों ने एक मंदिर को निशाना बनाकर नकदी और सोने के आभूषणों की चोरी कर ली। मंदिर से करीब 40 हजार रुपये नकद और भगवान के शृंगार के सोने के आभूषण गायब होने की जानकारी सामने आई है। चोरी के बाद आरोपियों ने मंदिर के बाहर खड़ी एक ईको गाड़ी के शीशे भी तोड़ दिए और वाहन को नुकसान पहुंचाया। एक ही घटना में मंदिर में चोरी और वाहन में तोड़फोड़ से स्थानीय निवासियों तथा श्रद्धालुओं में नाराजगी है। जानकारी के अनुसार, अज्ञात चोरों ने रात के समय सोराई नगर सोसायटी स्थित मंदिर में प्रवेश किया। इसके बाद उन्होंने मंदिर के गर्भगृह और दानपेटी को निशाना बनाया। वहां रखी करीब 40 हजार रुपये की नकदी और भगवान के शृंगार में इस्तेमाल होने वाले सोने के आभूषण लेकर फरार हो गए। सुबह घटना की जानकारी मिलने पर स्थानीय लोगों और श्रद्धालुओं में आक्रोश फैल गया। मंदिर में चोरी करने के बाद आरोपियों ने बाहर सड़क किनारे खड़ी एक ईको गाड़ी को भी निशाना बनाया। उन्होंने किसी भारी वस्तु से वाहन के शीशे तोड़ दिए, जिससे गाड़ी को काफी नुकसान पहुंचा। मंदिर में चोरी और वाहन में तोड़फोड़ की इस घटना के बाद आसपास के क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी चिंता जताई जा रही है। घटना की सूचना मिलने पर स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस आसपास के घरों तथा प्रतिष्ठानों में लगे निगरानी कैमरों की तस्वीरें खंगाल रही है। साथ ही, आरोपियों तक पहुंचने के लिए अन्य साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि चोरी और तोड़फोड़ की वारदात को कितने लोगों ने अंजाम दिया और आरोपी किस रास्ते से आए तथा फरार हुए। इस घटना के बाद क्षेत्रवासियों ने रात के समय पुलिस गश्त बढ़ाने और मंदिरों सहित सार्वजनिक स्थानों की सुरक्षा मजबूत करने की मांग की है। अब देखना होगा कि पुलिस आरोपियों की पहचान कर उन्हें कब तक गिरफ्तार कर पाती है।

माणावदर विधायक अरविंद लाडाणी के कथित वायरल बातचीत प्रकरण पर गरमाई राजनीति, आम आदमी पार्टी ने बोला हमला

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जूनागढ़। माणावदर के विधायक अरविंद लाडाणी और एक पाटीदार युवक के बीच कथित बातचीत का ध्वनि संदेश प्रसारित होने के बाद सौराष्ट्र की राजनीति में हलचल मच गई है। इस मामले को लेकर आम आदमी पार्टी के एक नेता ने विधायक पर तीखे हमले किए हैं और आम जनता के साथ उनके व्यवहार पर सवाल उठाए हैं। वहीं दूसरी ओर विधायक के समर्थकों और भारतीय जनता पार्टी के स्थानीय नेताओं ने इन आरोपों को खारिज करते हुए पूरे मामले को राजनीतिक षड्यंत्र करार दिया है। आम आदमी पार्टी के नेता ने सामाजिक माध्यमों और समाचार माध्यमों के सामने बयान जारी कर विधायक अरविंद लाडाणी को निशाने पर लिया। आप नेता का आरोप है कि एक निर्वाचित जनप्रतिनिधि द्वारा अपने ही निर्वाचन क्षेत्र के पाटीदार युवक के साथ अभद्र भाषा और गाली-गलौज का इस्तेमाल करना निंदनीय है। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधि का दायित्व जनता की समस्याएं सुनना और उनका समाधान करना है, लेकिन कथित बातचीत में जिस तरह के व्यवहार का आरोप लगाया जा रहा है, उससे कई सवाल खड़े होते हैं। आप नेता ने दावा किया कि पाटीदार समाज और क्षेत्र के लोग इस तरह के व्यवहार को स्वीकार नहीं करेंगे। उन्होंने विधायक से सार्वजनिक रूप से माफी मांगने की मांग भी की। जानकारी के अनुसार, किसी स्थानीय समस्या या मांग को लेकर विधायक अरविंद लाडाणी और एक युवक के बीच फोन पर बातचीत हुई थी। बताया जा रहा है कि इसी बातचीत का ध्वनि संदेश सामाजिक माध्यमों पर प्रसारित होने के बाद विवाद बढ़ गया। मामला सामने आने के बाद स्थानीय स्तर पर राजनीतिक चर्चाएं तेज हो गईं। विपक्षी दलों के नेताओं ने भी इस मुद्दे को लेकर सत्तारूढ़ पक्ष की कार्यशैली पर सवाल उठाए हैं। दूसरी ओर, विधायक अरविंद लाडाणी के समर्थकों और भाजपा के स्थानीय नेताओं ने आम आदमी पार्टी के आरोपों को निराधार बताते हुए इसे राजनीतिक दिखावा करार दिया है।

गुजरात की राजनीति में जातिगत प्रतिनिधित्व पर बहस तेज, पबुभा माणेक के बयान पर वरुण पटेल का जवाब

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। गुजरात की राजनीति में मुख्यमंत्री पद को लेकर जातिगत प्रतिनिधित्व का मुद्दा एक बार फिर चर्चा में आ गया है। वरिष्ठ नेता पबुभा माणेक ने बयान दिया कि गुजरात का मुख्यमंत्री कोली समाज से होना चाहिए। उनके इस बयान के बाद राजनीतिक हलकों में बहस शुरू हो गई। इस पर भारतीय जनता पार्टी के नेता वरुण पटेल ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री सहित किसी भी पद के लिए व्यक्ति की जाति नहीं, बल्कि उसकी योग्यता, कार्यक्षमता और जनता के लिए काम करने की लगन महत्वपूर्ण होनी चाहिए। पबुभा माणेक ने अपने बयान में कोली समाज को मुख्यमंत्री पद पर प्रतिनिधित्व देने की बात कही। उनका तर्क था कि राज्य में कोली समाज की बड़ी आबादी और प्रभाव को देखते हुए इस समाज से मुख्यमंत्री होना चाहिए। बयान सामने आने के बाद राजनीतिक गलियारों में इस मुद्दे पर चर्चा तेज हो गई। जातिगत प्रतिनिधित्व को लेकर अलग-अलग राजनीतिक विचार सामने आने लगे। पबुभा माणेक के बयान पर वरुण पटेल ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी और गुजरात की राजनीति जातिवाद या संकीर्ण सोच के आधार पर नहीं चलती। उनके अनुसार, भाजपा 'सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास' के सिद्धांत पर काम करती है। उन्होंने कहा कि किसी भी पद पर व्यक्ति की नियुक्ति या चयन का आधार उसकी जाति नहीं, बल्कि उसकी कार्यक्षमता, देश के प्रति निष्ठा और जनता के लिए काम करने की प्रतिबद्धता होनी चाहिए। वरुण पटेल ने यह भी कहा कि जाति आधारित ऐसे बयान समाज में गलत संदेश दे सकते हैं और नेतृत्व की योग्यता को लेकर अनावश्यक सवाल खड़े कर सकते हैं। उनके इस बयान के बाद राजनीतिक हलकों में दोनों नेताओं की टिप्पणियों को लेकर चर्चा और तेज हो गई है।

राजकोट में एक ही दिन में दो हत्याओं से मचा हड़कंप, पान के गल्ले पर मामूली विवाद में युवक की बेरहमी से हत्या

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजकोट। सौराष्ट्र के प्रमुख शहर राजकोट में एक ही दिन में हत्या की दो घटनाएं सामने आने से पूरे शहर में सनसनी फैल गई है। मामूली विवादों में जानलेवा हमलों और हत्या जैसी वारदातों ने शहर की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। विशेष रूप से पान के गल्ले पर हुई मामूली कहासुनी के बाद एक युवक की हत्या किए जाने की घटना ने लोगों को झकझोर दिया है। लगातार हुई दो हत्याओं के बाद पुलिस महकमे में भी हलचल मच गई है। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों सहित विभिन्न टीमों ने घटनास्थलों पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, शहर के एक क्षेत्र में स्थित पान के गल्ले पर किसी मामूली बात को लेकर कुछ लोगों के बीच कहासुनी शुरू हुई थी। शुरुआत में सामान्य दिखाई देने वाला विवाद देखते ही देखते हिंसक हो गया। आरोप है कि गुस्साए हमलावरों ने युवक पर धारदार हथियारों से जानलेवा हमला कर दिया। हमले में युवक गंभीर रूप से घायल होकर लहूलुहान हो गया। उसे तत्काल उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। युवक की मौत की खबर फैलते ही अस्पताल में परिजनों और परिचितों की भीड़ जमा हो गई। परिवार में शोक का माहौल छा गया। पान के गल्ले पर हुई हत्या की घटना के बीच ही शहर में एक अन्य हत्या का मामला सामने आ गया।



सूरत में चाकू की नोक पर लूटपाट करने वाले गिरोह का पर्दाफाश, कई आरोपी गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सूरत। हीरों के शहर सूरत में अलग-अलग इलाकों में चाकू की नोक पर लूटपाट करने वाले गिरोह के खिलाफ पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह गिरोह सुनसान रास्तों और शहर के विभिन्न क्षेत्रों में अकेले आने-जाने वाले राहगीरों तथा वाहन चालकों को निशाना बनाता था। आरोप है कि बदमाश धारदार हथियार दिखाकर लोगों को जान से मारने की धमकी देते और उनसे नकदी, दूरभाष तथा कीमती आभूषण लूटकर फरार हो जाते थे। पुलिस की इस कार्रवाई से शहर में हुई लूट की कई घटनाओं की जांच को आगे बढ़ाने में मदद मिलने की उम्मीद है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, पिछले कुछ समय से सूरत के अलग-अलग थाना क्षेत्रों में रात के समय और सुनसान रास्तों पर चाकू की नोक पर लूटपाट की शिकायतें सामने आ रही थीं। आरोपियों का तरीका यह था कि वे पहले शहर के विभिन्न इलाकों में घूमकर मौका तलाशते थे। इसके बाद अकेले जा रहे नागरिकों को रोककर उन पर धारदार चाकू तान देते और जान से मारने की धमकी देकर उनके पास मौजूद कीमती सामान छीन लेते थे।

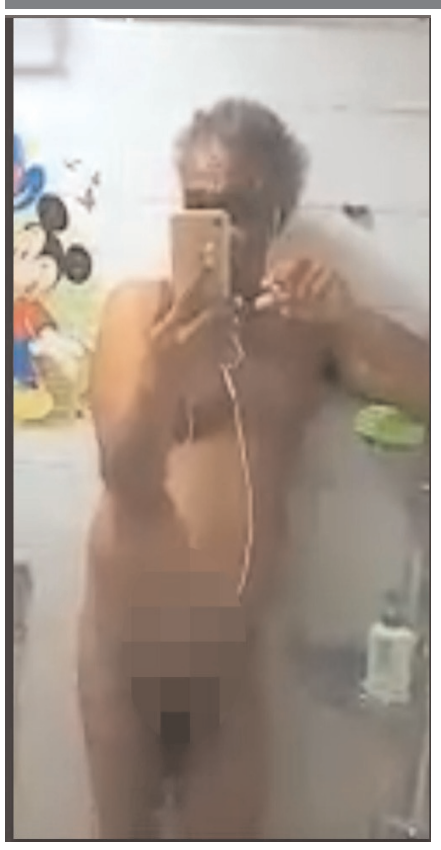


पाखंड का पर्दाफाश: साधु वेश की आड़ में मर्यादाओं का चीरहरण या करोड़ों का महाघोटाला? जैन समाज में ज्वालामुखी जैसा उबाल!

वायरल ऑडियो, डिजिटल सबूत और दान के करोड़ों रुपयों की बंदरबांट के गंभीर आरोपों ने हिला दी धर्म की बुनियाद

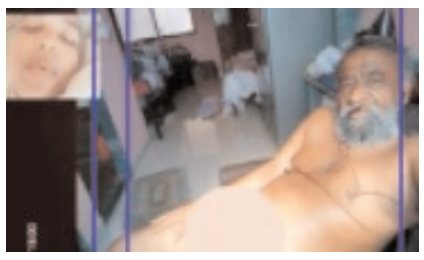
शोषण और अनैतिक कृत्यों की चर्चाओं से भड़का श्रावक वर्ग- 'अगर रत्ती भर भी शर्म बची है, तो तुरंत त्यागें साधु वेश!

उपाश्रयों, संघों और ट्रस्टियों की संदिग्ध चुप्पी पर उठे खौफनाक सवालः क्या चंदे के समीकरणों के आगे गिरवी रख दी गई है धर्म की गरिमा?



महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन





मंदसौर/पालिताना/अहमदाबाद। अहिंसा, अपरिग्रह, त्याग और कठोर आत्मसंयम जैन धर्म के वे शाश्वत और बुनियादी स्तंभ हैं, जिन पर सदियों से पूरी जैन साधु परंपरा की पवित्र नींव टिकी रही है। जिस भगवा या श्वेत वेश को समाज ईश्वर का प्रतिरूप मानकर श्रद्धा, समर्पण और अटूट विश्वास के साथ नमन करता है, आज उसी पवित्र वेश की आड़ में खड़े हुए भयावह और शर्मनाक सवालों ने गुजरात से लेकर देश-विदेश में बसे संपूर्ण जैन समाज की जड़ों को हिलाकर रख दिया है। सागरचंद्रसागर से जुड़ा यह प्रकरण अब केवल किसी एक व्यक्ति विशेष के आचरण का विवाद नहीं रह गया है, बल्कि यह उस संपूर्ण संत परंपरा, उसकी विश्वसनीयता और उन धार्मिक संस्थाओं की कार्यप्रणाली पर एक सीधा और घातक प्रहार है, जिनके कंधों पर धर्म और समाज की मर्यादाओं को सुरक्षित रखने की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है।

वायरल सामग्री और सनसनीखेज खुलासेः डिजिटल युग का सबसे काला सच?

सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफॉर्म्स पर जंगल की आग की तरह फैल रहे ऑडियो क्लिप्स और डिजिटल दस्तावेजों ने इस पूरे प्रकरण में जो रोंगटे खड़े कर देने वाले खुलासे किए हैं, उन्होंने हर उस इंसान को सकते में डाल दिया है जो जैन धर्म और उसकी महान संस्कृति से जुड़ा है। इन वायरल सामग्रियों में सागरचंद्रसागर से जुड़ी जो कथित बातचीत, शोषण के संकेत और अनैतिक साक्ष्य सामने आ रहे हैं, वे बेहद आपत्तिजनक, अकल्पनीय और धार्मिक गरिमा को तार-तार करने वाले हैं।

हालाँकि, पत्रकारिता के सिद्धांतों के अनुरूप यह समझना आवश्यक है कि कोई भी डिजिटल सामग्री बिना फॉरेंसिक जांच के अंतिम सत्य नहीं हो सकती। लेकिन आज पूरा समाज एक ही सवाल पूछ रहा है कि– यदि ये सामग्रियां झूठी और साजिश का हिस्सा हैं, तो इन्हें फैलाने वालों के खिलाफ अब तक कानूनी और दंडात्मक कार्रवाई क्यों नहीं की गई? और यदि इनमें एक प्रतिशत भी सच्चाई है, तो इस स्तर के नैतिक पतन और न जाने कितनी महिलाओं के शोषण की चर्चाओं के बाद भी आरोपी अब तक खुलेआम कैसे घूम रहा है?

दान के करोड़ों रुपयों का महाघोटालाः आस्था की कमाई पर किसकी बुरी नजर?

यह मामला केवल चारित्रिक पतन तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके पीछे करोड़ों रुपये के आर्थिक घोटाले की भी गंभीर बू आ रही है। जैन समाज के श्रद्धालुओं द्वारा धर्म, जीवदया और मानव सेवा के नाम पर दिए गए दान के करोड़ों रुपयों के दुरुपयोग के आरोपों ने आग में घी डालने का काम किया है। समाज के जागरूक वर्ग का सीधा आरोप है कि धर्म के नाम पर इकट्ठा किए गए धन का इस्तेमाल अनैतिक कार्यों और निजी ऐशो-आराम के लिए किया जा रहा है।

महानगर मेट्रो की सीधी हुंकारः अब लीपापोती नहीं, आर-पार की लड़ाई का वक्त!

'महानगर मेट्रो' स्पष्ट रूप से मानता है कि हजारों निष्कलंक संतों की तपस्या पर चंद भ्रष्ट चेहरों के कारण कलंक नहीं लगना चाहिए। आज भी हजारों साधु-साध्वी और आचार्य पूरी निष्ठा, कठोर तपस्या और कठिन नियमों का पालन करते हुए समाज को सही दिशा दिखा रहे हैं, लेकिन साधु वेश धारण किए कुछ कथित पाखंडी लोगों की करतूतों से पूरी संत परंपरा कटघरे में खड़ी हो रही है। क्या केवल साधु वेश धारण कर लेने से कोई व्यक्ति देश के कानून, नैतिकता और समाज के प्रति अपनी जवाबदेही से ऊपर हो जाता है? जैन समाज आज इसी सवाल का जवाब चाहता है। धर्म की रक्षा किसी व्यक्ति के पद, प्रभाव या प्रतिष्ठा से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है। महानगर मेट्रो का स्पष्ट मानना है कि इस गंभीर मामले में अब किसी भी तरह की लीपापोती, पर्देदारी या मामले को रफा-दफा करने की कोशिश बर्दाश्त नहीं की जानी चाहिए। समाज को खोखले आश्वासनों के बजाय वायरल ध्वनि रिकॉर्डिंग और अन्य डिजिटल साक्ष्यों की स्वतंत्र एवं निष्पक्ष तकनीकी जांच कराकर उसकी रिपोर्ट सार्वजनिक करने की जरूरत है।

जनता के बीच यह आक्रोश फूट पड़ा है कि यदि सागरचंद्रसागर में थोड़ी भी शर्म और नैतिकता बची है, तो उन्हें तत्काल प्रभाव से साधु वेश त्याग देना चाहिए, क्योंकि एक व्यक्ति के कुकृत्यों के चलते आज पूरा गौरवशाली जैन समुदाय दुनिया के सामने शर्मसार हो रहा है।

उपाश्रयों, संघों और ट्रस्टियों की आपराधिक चुप्पीः किसके दबाव में साधी गई है जुबान?

इस पूरे घटनाक्रम का सबसे खतरनाक और शर्मनाक पहलू धार्मिक संस्थाओं, उपाश्रयों के प्रबंधकों और ट्रस्टियों का संदिग्ध मौन है। जब चारों तरफ आक्रोश की आग फैल चुकी है और समाज का हर वर्ग गुस्से में उबल रहा है, तब तथाकथित जिम्मेदार पदाधिकारी भूमिगत क्यों हैं?

अमरेली के जीरा गांव में विकास निधि को लेकर विवाद, सरपंच पर चुनावी भेदभाव के गंभीर आरोप

महानगर मेट्रो ब्यूरो



अमरेली। गुजरात सरकार की ओर से गांवों के सर्वांगीण विकास के लिए करोड़ों रुपये का अनुदान दिए जाने के दावे किए जाते हैं, लेकिन जमीनी हकीकत कई सवाल खड़े कर रही है। अमरेली जिले के जीरा गांव में ग्राम पंचायत की कार्यप्रणाली और विकास कार्यों को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। ग्रामीणों ने पंचायत पर विकास के नाम पर लापरवाही बरतने और सरकारी अनुदान का सही उपयोग नहीं करने के गंभीर आरोप लगाए हैं। इतना ही नहीं, सरपंच पर चुनाव में मिले मतों के आधार पर गांव में विकास कार्य कराने और भेदभाव करने का भी आरोप लगाया गया है। गांव के स्थानीय निवासियों और जागरूक नागरिकों का आरोप है कि लंबे समय से गांव में बुनियादी सुविधाओं की स्थिति खराब बनी हुई है। स्वच्छ पेयजल, गंदगी से मुक्त नाली व्यवस्था और पक्की सड़कों जैसी आवश्यक सुविधाओं के लिए ग्रामीणों को परेशान होना पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि सरकारी अभिलेखों में विकास के लिए अनुदान आवंटित होने की जानकारी दी जाती है, लेकिन धरातल पर उसका अपेक्षित असर दिखाई नहीं देता। उनका आरोप है कि अनुदान की बड़ी राशि का उपयोग विकास कार्यों में नहीं हुआ है। ऐसे में ग्रामीणों ने सवाल उठाया है कि विकास के लिए आवंटित लाखों रुपये आखिर कहां खर्च किए गए?

जामनगर में राजकोट रेंज पुलिस की बड़ी कार्रवाई, बिना बिल के पान-मसाला और सिगरेट का जखीरा पकड़ा; चार लोग गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जामनगर। राजकोट रेंज के पुलिस महानिरीक्षक निरलिप्त राय के मार्गदर्शन में रेंज पुलिस की टीम ने अवैध गतिविधियों और कर चोरी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने जामनगर शहर के व्यस्त जॉली बंगला क्षेत्र में अचानक छापा मारकर बिना बिल के रखे गए संदिग्ध पान-मसाला, तंबाकू और सिगरेट का बड़ा जखीरा पकड़ा है। इस कार्रवाई के दौरान पुलिस ने चार लोगों को हिरासत में लिया और कुल 15,41,400 रुपये का सामान जब्त किया। राजकोट रेंज पुलिस की टीम को सूचना मिली थी कि जामनगर के जॉली बंगला क्षेत्र में बिना किसी वैध बिल और दस्तावेज के तंबाकू से बने पदार्थों तथा सिगरेट का बड़े पैमाने पर भंडारण किया जा रहा है। यहां से इन वस्तुओं की अवैध रूप से बिक्री भी की जा रही थी। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने योजनाबद्ध तरीके से मौके पर पहुंचकर छापा मारा। तलाशी के दौरान पुलिस को बड़ी मात्रा में संदिग्ध पान-मसाला, तंबाकू और विभिन्न कंपनियों की सिगरेट के डिब्बे मिले। पुलिस ने मौके पर मौजूद लोगों से सामान की खरीद-बिक्री के बिल और अन्य आवश्यक दस्तावेज मांगे, लेकिन वे कोई संतोषजनक जवाब या प्रमाण प्रस्तुत नहीं कर सके। दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए जाने पर पुलिस ने मौके से चार लोगों को पकड़ लिया। कार्रवाई के दौरान कुल 15,41,400 रुपये मूल्य का संदिग्ध पान-मसाला, तंबाकू और सिगरेट का सामान जब्त किया गया। इतनी बड़ी मात्रा में बिना बिल का सामान मिलने के बाद कर चोरी और नकली उत्पादों की बिक्री की आशंका को लेकर भी जांच की जा रही है। राजकोट रेंज पुलिस की टीम ने पकड़े गए चारों लोगों और जब्त किए गए सामान को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए जामनगर के सिटी ए डिवीजन पुलिस थाने को सौंप दिया है। जब्त किया गया माल नकली है या केवल बिना बिल के रखा गया था।

गुजरात में कैंसर उपचार के क्षेत्र में बड़ी पहल, अब सरकारी संस्थान में शुरू होगी प्रोटॉन किरण चिकित्सा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। खानपान की वस्तुओं में मिलावट, बढ़ता प्रदूषण और बदलती जीवनशैली के कारण देशभर में कैंसर के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। गुजरात भी इससे अछूता नहीं है। वर्ष 2025 की रिपोर्ट के अनुसार, देश में प्रतिवर्ष लगभग 15.70 लाख नए कैंसर रोगी सामने आ रहे हैं। इस हिसाब से प्रतिदिन करीब 4,301 लोग इस बीमारी की चपेट में आ रहे हैं। गुजरात में भी हर साल लगभग 79 हजार नए मामले सामने आते हैं, यानी प्रतिदिन औसतन 217 लोग कैंसर से पीड़ित हो रहे हैं। इन चिंताजनक आंकड़ों के बीच गुजरात के स्वास्थ्य क्षेत्र से राहत भरी खबर सामने आई है। अब राज्य की पहली और देश की दूसरी सरकारी संस्था में कैंसर के उपचार के लिए अत्याधुनिक प्रोटॉन किरण चिकित्सा शुरू होने जा रही है। इसे कैंसर उपचार की दिशा में महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है। कैंसर के मरीजों के लिए बीमारी के साथ-साथ उसका उपचार भी कई बार बेहद कष्टदायक साबित होता है। विशेष रूप से पारंपरिक विकिरण चिकित्सा के दौरान कैंसर की गांठ पर किरणें डालने से आसपास के स्वस्थ अंगों और कोशिकाओं को भी नुकसान पहुंच सकता है। इसके कारण मरीजों को लंबे समय तक शारीरिक परेशानियों का सामना करना पड़ता है। प्रोटॉन किरण चिकित्सा में इस समस्या को काफी हद तक कम किया जा सकता है। इस पद्धति में कैंसर की गांठ को सटीक निशाना बनाकर उपचार किया जाता है, जिससे आसपास के स्वस्थ अंगों को कम से कम नुकसान पहुंचता है। चिकित्सा विशेषज्ञों के अनुसार, प्रोटॉन किरण चिकित्सा विकिरण द्वारा कैंसर उपचार की सबसे आधुनिक तकनीकों में से एक है। सामान्य विकिरण चिकित्सा में उपयोग होने वाली एक्स-रे किरणें शरीर के भीतर से गुजरते हुए रास्ते में आने वाली स्वस्थ कोशिकाओं को भी प्रभावित कर सकती हैं। इसके विपरीत प्रोटॉन किरणें शरीर के भीतर एक निश्चित गहराई तक पहुंचकर अपनी अधिकतम ऊर्जा कैंसर की गांठ पर छोड़ती हैं। इसके बाद उनका प्रभाव काफी कम हो जाता है। इससे गांठ के आसपास और पीछे स्थित स्वस्थ अंगों को सुरक्षित रखने में मदद मिलती है तथा उपचार के दुष्प्रभाव कम हो सकते हैं। यह उपचार पद्धति विशेष रूप से छोटे बच्चों और मस्तिष्क की गांठ से पीड़ित मरीजों के लिए उपयोगी साबित हो सकती है। बच्चों के शरीर के अंग विकास की अवस्था में होते हैं। ऐसे में पारंपरिक विकिरण चिकित्सा के कारण उनके शारीरिक और मानसिक विकास पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका रहती है। इसके अलावा मस्तिष्क, मेरुदंड, आंखों और हृदय के आसपास मौजूद कैंसर की गांठों का उपचार भी बेहद संवेदनशील होता है। प्रोटॉन किरण चिकित्सा में आसपास के नाजुक अंगों को अपेक्षाकृत अधिक सुरक्षित रखने की सुविधा मिलती है। इससे जटिल मामलों में उपचार के बेहतर अवसर उपलब्ध हो सकेंगे। अब तक प्रोटॉन किरण चिकित्सा जैसी महंगी और अत्याधुनिक सुविधा देश के चुनिंदा निजी अस्पतालों तक सीमित रही है। इसका खर्च लाखों रुपये होने के कारण गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों के लिए यह उपचार कराना मुश्किल रहा है। गुजरात की सरकारी संस्था में यह सुविधा शुरू होने से जरूरतमंद मरीजों को भी आधुनिक उपचार उपलब्ध कराने का रास्ता खुलेगा।

साणंद के हीरापुर गांव में मादक पदार्थ विरोधी शाखा की बड़ी कार्रवाई, 3.15 लाख रुपये का एमडी मादक पदार्थ जब्त

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। गुजरात में युवाओं को नशे की गिरफ्त में धकेल रहे मादक पदार्थों के अवैध कारोबार के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई लगातार जारी है। इसी कड़ी में अहमदाबाद जिले के साणंद क्षेत्र के हीरापुर गांव में अहमदाबाद ग्रामीण पुलिस की स्थानीय अपराध शाखा और मादक पदार्थ विरोधी शाखा ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने छापा मारकर 105.247 ग्राम प्रतिबंधित एमडी मादक पदार्थ जब्त किया है, जिसकी अनुमानित कीमत 3 लाख 15 हजार रुपये बताई गई है। इस मामले में भिखाभाई उर्फ भावेश बावलिया को गिरफ्तार किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, अहमदाबाद ग्रामीण पुलिस की मादक पदार्थ विरोधी शाखा को सूचना मिली थी कि साणंद तालुका के हीरापुर गांव के आसपास एक व्यक्ति प्रतिबंधित एमडी मादक पदार्थ बिक्री के लिए लेकर घूम रहा है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस दल ने योजनाबद्ध तरीके से जाल बिछाया और बताए गए स्थान पर अचानक छापा मारा। तलाशी के दौरान पुलिस को संदिग्ध अवस्था में रखा 105.247 ग्राम प्रतिबंधित एमडी मादक पदार्थ मिला। पुलिस ने पूरे जखीरे को जब्त कर लिया। इसकी बाजार कीमत लगभग 3 लाख 15 हजार रुपये आंकी गई है।

अहमदाबाद में सवारी बनकर यात्रियों को लूटने वाले शातिर गिरोह का पर्दाफाश, तीन लुटेरे गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। महानगर अहमदाबाद में यात्रियों को निशाना बनाकर लूटपाट करने वाले एक शातिर गिरोह का पुलिस ने पर्दाफाश किया है। शहर के अलग-अलग क्षेत्रों में सवारी गाड़ी में पहले से यात्री बनकर बैठने और बाद में अकेले यात्रियों को अपने जाल में फंसाकर लूटने वाले गिरोह के तीन सदस्यों को अपराध शाखा क्षेत्र-1 की टीम ने गिरफ्तार किया है। पुलिस की इस कार्रवाई से यात्रियों को निशाना बनाने वाले लुटेरों में हड़कंप मच गया है। पुलिस के अनुसार, गिरोह के सदस्य शहर के भीड़भाड़ वाले चौराहों, बस अड्डों और रेलवे स्टेशन के आसपास सवारी गाड़ी लेकर घूमते थे। गिरोह के दो से तीन सदस्य पहले ही सवारी बनकर गाड़ी में बैठ जाते थे। इसके बाद जब कोई अकेला यात्री गाड़ी में बैठता तो उसे अपने बीच में बैठा लेते थे। रास्ते में ये लोग कभी गाड़ी खराब होने का बहाना बनाते तो कभी थूकने या धक्का-मुक्की करने के बहाने यात्री का ध्यान भटकाते थे। इसी दौरान गिरोह के सदस्य यात्री की जेब से नकदी, मोबाइल फोन या उसके सामान के थैले से कीमती वस्तुएं चुरा लेते थे। यात्री को घटना का पता चलने से पहले ही उसे रास्ते में उतारकर आरोपी फरार हो जाते थे। शहर में इस तरह की लूट और चोरी की घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए पुलिस उपायुक्त क्षेत्र-1 डॉ. हर्षद पटेल ने आरोपियों को शीघ्र पकड़ने के निर्देश दिए थे। इसके बाद अपराध शाखा क्षेत्र-1 की टीम ने तकनीकी निगरानी, निगरानी कैमरों के दृश्य और मुखबिरों के माध्यम से जांच तेज की। लगातार निगरानी और पुख्ता सूचना के आधार पर पुलिस ने जाल बिछाकर गिरोह के तीन सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपियों द्वारा शहर में इसी तरीके से कई यात्रियों को निशाना बनाने की जानकारी सामने आई है। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों से लूटे गए सामान और वारदात में इस्तेमाल की गई सवारी गाड़ी बरामद करने की कार्रवाई शुरू की है। हालांकि, गिरोह का एक अन्य सदस्य अभी पुलिस की गिरफ्त से बाहर है। गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ कर यह पता लगाया जा रहा है कि उन्होंने अब तक अहमदाबाद के किन-किन क्षेत्रों में कितनी वारदातों को अंजाम दिया है। पुलिस को उम्मीद है कि पूछताछ में गिरोह की अन्य गतिविधियों और सहयोगियों के बारे में भी जानकारी मिल सकेगी।



सूरत में जमे हुए मिष्ठान और नकली आइसक्रीम की बिक्री पर विधायक कुमार कानाणी ने उठाए सवाल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सूरत। शहर में खाद्य पदार्थों में मिलावट और ग्राहकों के स्वास्थ्य से जुड़े मामलों को लेकर अब राजनीतिक स्तर पर भी सवाल उठने लगे हैं। सूरत के भाजपा विधायक कुमार कानाणी ने बाजार में आइसक्रीम के नाम पर बेचे जा रहे जमे हुए मिष्ठान को लेकर प्रशासन और खाद्य सुरक्षा विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने पाम तेल और वनस्पति वसा से तैयार होने वाले इन उत्पादों की बिक्री तथा इनके उत्पादन की अनुमति पर आपत्ति जताते हुए संबंधित विभाग से जवाब मांगा है। विधायक ने सवाल उठाया कि जब जमे हुए मिष्ठान को वास्तविक आइसक्रीम नहीं माना जाता, तो फिर इसके उत्पादन और खुले बाजार में बिक्री की अनुमति क्यों दी जा रही है? उनका कहना है कि ग्राहक दुकानों से आइसक्रीम समझकर उत्पाद खरीदते हैं, जबकि उसके डिब्बे पर छोटे अक्षरों में 'जमे हुए मिष्ठान' लिखा होता है। ऐसे में आम ग्राहक के लिए दोनों के बीच अंतर समझना मुश्किल हो जाता है। कुमार कानाणी ने अपनी प्रस्तुति में आरोप लगाया कि बड़ी-बड़ी कंपनियां आकर्षक विज्ञापनों के माध्यम से ग्राहकों को भ्रमित करती हैं। दूध की मलाई से तैयार आइसक्रीम और वनस्पति वसा से बने जमे हुए मिष्ठान का रूप एक जैसा होने के कारण ग्राहक आसानी से इनके अंतर को नहीं पहचान पाते। उन्होंने विशेष रूप से बच्चों के स्वास्थ्य को लेकर चिंता जताई और कहा कि इस मामले में संबंधित विभागों को गंभीरता से कार्रवाई करनी चाहिए।

कैंसर की 137 जीवनरक्षक दवाओं के दाम में 70 प्रतिशत तक कमी का दावा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से जूझ रहे मरीजों और उनके परिवारों के लिए राहत भरी खबर सामने आई है। केंद्र सरकार और राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण की ओर से कैंसर के उपचार में उपयोग होने वाली लगभग 137 महत्वपूर्ण दवाओं के दाम घटाने का फैसला लिया गया है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, इन दवाओं की कीमतों में 70 प्रतिशत तक की कमी हो सकती है। इस कदम से महंगे उपचार का खर्च उठाने के लिए संघर्ष कर रहे सामान्य और मध्यमवर्गीय परिवारों को बड़ी आर्थिक राहत मिलने की उम्मीद है। कैंसर का उपचार लंबे समय तक चलने के कारण मरीजों और उनके परिजनों पर भारी आर्थिक बोझ पड़ता है। विशेष रूप से कीमोथेरेपी, प्रतिरक्षा चिकित्सा और अन्य आधुनिक उपचारों में इस्तेमाल होने वाली दवाओं की कीमतें कई परिवारों के लिए बड़ी चुनौती बनी रहती हैं। महंगी दवाओं के कारण कुछ मरीजों को उपचार जारी रखने में भी परेशानी का सामना करना पड़ता है। ऐसे में दवाओं की कीमतों पर नियंत्रण का यह कदम महत्वपूर्ण माना जा रहा है। बताया गया है कि सरकार के नए निर्णय के तहत कैंसर के उपचार में उपयोग होने वाली लगभग 137 दवाओं और औषधीय संयोजनों पर मूल्य सीमा लागू की गई है। इनके दामों में 50 से 70 प्रतिशत तक कमी होने की जानकारी दी गई है। इससे पहले अधिक कीमत पर मिलने वाली कई दवाएं अब नियंत्रित दरों पर उपलब्ध हो सकेंगी।

अहमदाबाद खरीदारी महोत्सव में छोटे व्यापारियों को भी मिले भागीदारी का अवसर...

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। शहर में आयोजित होने वाले अहमदाबाद खरीदारी महोत्सव को लेकर छोटे और मध्यम व्यापारियों ने अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने की मांग उठाई है। व्यापारी महासंगठन ने मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल को पत्र भेजकर आग्रह किया है कि इस आयोजन में बड़े माल और नामी कंपनियों के साथ छोटे दुकानदारों, ठेला-गुमटी संचालकों तथा स्थानीय व्यापारियों को भी समान अवसर दिया जाए। संगठन ने चेतावनी दी है कि यदि छोटे व्यापारियों को उचित स्थान और भागीदारी नहीं मिली तो आने वाले दिनों में आंदोलन किया जाएगा। व्यापारी महासंगठन का कहना है कि शहर में बड़े स्तर पर होने वाले ऐसे आयोजनों से व्यापार को बढ़ावा देने का प्रयास सराहनीय है, लेकिन इसका लाभ केवल बड़े माल, बहुराष्ट्रीय कंपनियों और बड़े व्यापारिक समूहों तक सीमित नहीं रहना चाहिए। छोटी किराना दुकानों से लेकर कपड़े, जूते-चप्पल और हस्तशिल्प का कारोबार करने वाले दुकानदार भी दिन-रात मेहनत कर अपने परिवार का भरण-पोषण करते हैं।

अहमदाबाद की 'यूनाइटेड-18' कपड़ा कंपनी में 5.31 करोड़ रुपये की कथित हेराफेरी का मामला

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। शहर के तैयार कपड़ों के कारोबार से जुड़ी 'यूनाइटेड-18' कंपनी में करोड़ों रुपये की कथित वित्तीय अनियमितता का मामला सामने आया है। कंपनी के संचालक विशाल रसीकभाई शाह ने अपने साझेदार सागर राकेशभाई शाह और उनके चाचा जितेशकुमार कनैयालाल शाह के खिलाफ अहमदाबाद अपराध शाखा में शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत में कुल 5,31,43,724 रुपये की राशि का कथित गबन और विश्वासघात करने का आरोप लगाया गया है। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 316(2), 316(5) और 54 के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शिकायत के अनुसार, वर्ष 2017 में विशाल शाह और सागर शाह ने 50-50 प्रतिशत की बराबर साझेदारी में 'यूनाइटेड-18' कपड़ा कंपनी की शुरुआत की थी। धीरे-धीरे कारोबार का विस्तार हुआ और देशभर में कंपनी की लगभग 250 फ्रेंचाइजी संचालित होने लगीं। आरोप है कि कंपनी के बैंक खातों के संचालन में सागर शाह की महत्वपूर्ण भूमिका थी। खातों से होने वाले ऑनलाइन लेनदेन के लिए पंजीकृत मोबाइल नंबर उन्हीं का था और धन हस्तांतरण के लिए आवश्यक एक बार उपयोग होने वाला गुप्त संकेत भी उनके पास पहुंचता था। मामले में एक अक्टूबर 2024 को कंपनी के चांदखेड़ा स्थित गोदाम में आग लगने की घटना भी महत्वपूर्ण कड़ी बताई गई है। इस आग से हुए नुकसान के मुआवजे के रूप में राष्ट्रीय बीमा कंपनी की ओर से 3,82,01,846 रुपये का बीमा भुगतान स्वीकृत किया गया था।



अहमदाबाद हवाई अड्डे पर वाहन सेवा के नाम पर बड़ा फर्जीवाड़ा, दूसरे चालक की तस्वीर लगाकर दौड़ाई जा रही थीं टैक्सियां

महानगर मेट्रो ब्यूरो



अहमदाबाद। शहर के हवाई अड्डा क्षेत्र में ऑनलाइन टैक्सी सेवा के नाम पर चल रहे एक बड़े फर्जीवाड़े का खुलासा हुआ है। एक टैक्सी चालक की जानकारी और सहमति के बिना उसकी तस्वीर का इस्तेमाल कर दूसरे व्यक्ति के नाम से विभिन्न वाहन सेवा कंपनियों में फर्जी पहचान बनाई गई और उसके माध्यम से यात्रियों को लाने-ले जाने का काम किया जा रहा था। हवाई अड्डा क्षेत्र के सतर्क टैक्सी चालकों ने इस गड़बड़ी का पता लगाकर संबंधित व्यक्ति को पकड़ लिया। इसके बाद मामला पुलिस तक पहुंचा। अहमदाबाद साइबर अपराध शाखा ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मिली जानकारी के अनुसार, मेमनगर क्षेत्र में रहने वाले 49 वर्षीय रंजीतसिंह दंताणी विभिन्न ऑनलाइन टैक्सी सेवा कंपनियों से जुड़कर वाहन चलाते हैं और इसी से अपने परिवार का पालन-पोषण करते हैं। हाल ही में वे अहमदाबाद हवाई अड्डे पर मौजूद थे। इसी दौरान उनके साथी चालकों ने उन्हें बताया कि हवाई अड्डा चौराहे के पास इरशाद नामक व्यक्ति के दूरभाष में उनकी तस्वीर का इस्तेमाल कर 'दीपक' नाम से एक फर्जी टैक्सी पहचान चलाई जा रही है। इस फर्जी पहचान में वाहन संख्या और वाहन चलाने के अनुज्ञापत्र की संख्या भी दर्ज होने की जानकारी सामने आई। अपनी तस्वीर और पहचान का इस तरह दुरुपयोग होने की जानकारी मिलते ही रंजीतसिंह तुरंत हवाई अड्डा चौराहे पर पहुंचे। वहां उन्होंने इरशाद को रोककर उसके दूरभाष में चल रही फर्जी पहचान के बारे में पूछताछ की। चालकों के सवालों और दबाव के सामने इरशाद ने बताया कि जिस दूरभाष और पहचान का इस्तेमाल किया जा रहा था, वह उसके मालिक मनोज चतुर्वेदी उर्फ 'अंकुश बॉडीगार्ड' का है। इरशाद ने यह भी बताया कि वह इसी दूरभाष और फर्जी पहचान के माध्यम से टैक्सी की यात्राएं प्राप्त करता था।

अहमदाबाद में महंगाई के खिलाफ आम आदमी पार्टी का प्रदर्शन, जिलाधिकारी कार्यालय में सौंपा ज्ञापन

महानगर मेट्रो ब्यूरो



अहमदाबाद। देश और प्रदेश में बढ़ती महंगाई के मुद्दे पर अहमदाबाद में राजनीतिक सरगर्मी देखने को मिली। आम आदमी पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने महंगाई के विरोध में प्रदर्शन किया और बाद में जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचकर ज्ञापन सौंपा। प्रदर्शन के दौरान पार्टी नेताओं ने आरोप लगाया कि आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में लगातार हो रही बढ़ोतरी से आम और मध्यमवर्गीय परिवारों का घरेलू बजट बिगड़ गया है। लोगों को आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। प्रदर्शन में शामिल पार्टी के स्थानीय नेताओं और कार्यकर्ताओं ने कहा कि सब्जियों, अनाज, खाद्य तेल, रसोई गैस, बिजली और शिक्षा जैसी बुनियादी जरूरतों पर होने वाला खर्च लगातार बढ़ रहा है। पार्टी के पदाधिकारियों के अनुसार, आम नागरिकों की आय में कोई उल्लेखनीय वृद्धि नहीं हुई है, जबकि महंगाई लगातार बढ़ने से परिवारों के लिए घर चलाना मुश्किल हो गया है। जिलाधिकारी को सौंपे गए ज्ञापन में पार्टी ने सरकार से मांग की कि आवश्यक वस्तुओं की कीमतों पर तत्काल नियंत्रण किया जाए, करों की दरों में कमी लाई जाए और आम नागरिकों को आर्थिक राहत देने के लिए ठोस कदम उठाए जाएं। जिलाधिकारी कार्यालय में हुए प्रदर्शन के दौरान बड़ी संख्या में आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ता तख्तियां और बैनर लेकर पहुंचे। उन्होंने महंगाई के विरोध में नारेबाजी की। किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए पुलिस ने कार्यालय परिसर में सुरक्षा के कड़े प्रबंध किए थे। पार्टी के प्रतिनिधिमंडल ने अधिकारियों से मुलाकात कर अपनी मांगें रखीं और ज्ञापन राज्य सरकार तक पहुंचाने का आग्रह किया। दूसरी ओर, सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी के नेताओं और समर्थकों ने विपक्ष के इस प्रदर्शन को राजनीतिक कार्यक्रम बताया। उनका कहना है कि वैश्विक परिस्थितियों के प्रभाव के बावजूद भारत और गुजरात में महंगाई की दर कई अन्य देशों की तुलना में नियंत्रण में है।

रानी तालाब के विकास कार्यों में भारी लापरवाही उजागर, अधिकारी और मुख्य ठेकेदार निर्माण स्थल से गायब

महानगर मेट्रो ब्यूरो



अहमदाबाद। शहर की सुंदरता बढ़ाने और नागरिकों को घूमने-फिरने के लिए आकर्षक स्थान उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शुरू की गई रानी तालाब विकास परियोजना में गंभीर लापरवाही के आरोप सामने आए हैं। करोड़ों रुपये की लागत से चल रही इस महत्वाकांक्षी परियोजना के निर्माण स्थल पर नगर पालिका के जिम्मेदार अभियंताओं और अधिकारियों की मौजूदगी नहीं होने की बात सामने आई है। इतना ही नहीं, काम की जिम्मेदारी संभालने वाला मुख्य ठेकेदार भी स्थल से नदारद बताया जा रहा है। ऐसे में पूरी परियोजना की निर्माण गतिविधियां स्थानीय मजदूरों के भरोसे चलती दिखाई दे रही हैं। नियमों के अनुसार, किसी भी सरकारी अथवा नगर पालिका के निर्माण कार्य के दौरान स्थल पर तकनीकी अधिकारियों और ठेकेदार के जिम्मेदार प्रतिनिधियों की निगरानी आवश्यक होती है। इसके बावजूद रानी तालाब पर चल रहे निर्माण कार्य में इन व्यवस्थाओं की अनदेखी किए जाने के आरोप हैं। मौके पर केवल कुछ मजदूर अपनी मर्जी से काम करते दिखाई दे रहे हैं। जब निर्माण स्थल पर निगरानी करने वाला कोई जिम्मेदार अधिकारी मौजूद नहीं है, तो निर्माण में इस्तेमाल होने वाली सामग्री की गुणवत्ता और तकनीकी मानकों के पालन को लेकर सवाल उठना स्वाभाविक है। स्थानीय नागरिकों ने आशंका जताई है कि निगरानी के अभाव में निर्माण कार्य की गुणवत्ता प्रभावित हो सकती है। जागरूक नागरिकों और स्थानीय निवासियों के बीच चर्चा है कि मुख्य ठेकेदार ने काम उपठेकेदारों अथवा केवल मजदूरों के भरोसे छोड़ दिया है। निर्माण स्थल पर सुरक्षा के आवश्यक साधनों की कमी होने की बात भी सामने आई है, जिससे दुर्घटना की आशंका बनी हुई है।

जामनगर में नकली देसी घी बनाने की फैक्टरी का पर्दाफाश, लाखों रुपये का संदिग्ध माल जब्त

महानगर मेट्रो ब्यूरो



जामनगर। बाजार में शुद्ध देसी घी के नाम पर बिकने वाली खाद्य सामग्री की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। जामनगर में एक खेत के भीतर मशीनें लगाकर बड़े पैमाने पर नकली और मिलावटी घी बनाने की फैक्टरी का खुलासा हुआ है। सूचना के आधार पर पुलिस और खाद्य विभाग की संयुक्त टीम ने अचानक छापा मारकर लाखों रुपये का संदिग्ध घी, उसे बनाने में इस्तेमाल होने वाली सामग्री और मशीनें जब्त की हैं। इस कार्रवाई के बाद मिलावटखोरी के इस कारोबार से जुड़े लोगों में हड़कंप मच गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, पुलिस और स्थानीय प्रशासन को सूचना मिली थी कि जामनगर शहर अथवा आसपास के ग्रामीण क्षेत्र में स्थित एक खेत या फार्महाउस के भीतर अवैध रूप से नकली घी तैयार किया जा रहा है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने संबंधित अधिकारियों के साथ मिलकर वहां अचानक छापा मारा। मौके पर बड़े पैमाने पर मशीनें लगाकर घी तैयार करने का काम होता मिला। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, वहां वनस्पति घी, रासायनिक पदार्थ, सुगंध और अन्य सामग्रियों को मिलाकर असली देसी घी जैसा दिखने और महकने वाला नकली घी बनाया जा रहा था। निर्माण स्थल पर अस्वच्छ परिस्थितियां भी सामने आने की बात कही गई है। पुलिस और खाद्य एवं औषधि विभाग की संयुक्त जांच के दौरान मौके से बड़ी मात्रा में तैयार नकली घी, अलग-अलग नामों के खाली और भरे हुए डिब्बे, पैकिंग सामग्री, रासायनिक पदार्थ तथा घी बनाने में इस्तेमाल होने वाली मशीनें बरामद की गईं। जब्त किए गए सामान की कुल कीमत लाखों रुपये बताई जा रही है। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, इस घी को बाजार में असली देसी घी बताकर कम कीमत या असली घी के भाव पर बेचने की आशंका है। इस तरह के मिलावटी खाद्य पदार्थों का सेवन स्वास्थ्य के लिए गंभीर नुकसानदायक हो सकता है। इससे यकृत, गुर्दे और पाचन तंत्र पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका रहती है। मामले में कथित रूप से शामिल मुख्य संचालक और अन्य जिम्मेदार लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ किए जाने की जानकारी सामने आई है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि तैयार नकली घी किन-किन स्थानों पर भेजा जाता था और इस कारोबार में अन्य कौन-कौन लोग शामिल हैं। साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि नकली घी किन दुकानों या व्यापारियों के माध्यम से बाजार तक पहुंचाया जा रहा था। पुलिस और खाद्य विभाग की इस कार्रवाई से मिलावटखोरी के खिलाफ जांच तेज होने की उम्मीद है। हालांकि, जब्त घी की वास्तविक गुणवत्ता और उसमें मिलाए गए पदार्थों की पुष्टि प्रयोगशाला जांच के बाद ही हो सकेगी।

अडताला गांव में पानी की समस्या को लेकर मारपीट, उपसरपंच सहित पांच के खिलाफ मामला दर्ज

महानगर मेट्रो ब्यूरो



अमरेली। जिले के लाठी तहसील के अडताला गांव में पानी जैसी मूलभूत सुविधा की समस्या को लेकर ग्रामीणों और उपसरपंच के बीच हुआ विवाद अब पुलिस कार्रवाई तक पहुंच गया है। ग्रामीणों की शिकायत के बाद हुई कहासुनी और मारपीट का एक वीडियो सामाजिक माध्यमों पर प्रसारित होने से क्षेत्र में चर्चा तेज हो गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए लाठी पुलिस ने उपसरपंच जीतू वाला सहित पांच लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने अब तक तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, अडताला गांव के कुछ ग्रामीण पानी की समस्या को लेकर उपसरपंच के पास अपनी बात रखने पहुंचे थे। इसी दौरान दोनों पक्षों के बीच तीखी कहासुनी हो गई और देखते ही देखते विवाद मारपीट में बदल गया। घटना का वीडियो सामाजिक माध्यमों पर प्रसारित होने के बाद गांव में आक्रोश का माहौल बन गया। ग्रामीणों की ओर से मूलभूत सुविधा की मांग करने पर हुए इस विवाद को लेकर स्थानीय स्तर पर भी चर्चा शुरू हो गई। तीन आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने जांच के तहत घटनास्थल पर घटनाक्रम का पुनर्निर्माण कराया। अमरेली अपराध शाखा और विशेष अभियान दल सहित पुलिस के बड़े दल की कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच गिरफ्तार तीन आरोपियों में से दो को अडताला गांव ले जाया गया। वहां पुलिस ने मौके पर यह समझने का प्रयास किया कि घटना किस तरह हुई और इसमें किसकी क्या भूमिका रही। इस दौरान गांव में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात रहा। लाठी पुलिस मामले की विस्तृत जांच कर रही है। प्रकरण में शामिल अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की अलग-अलग टीमें संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही हैं। पुलिस का कहना है कि फरार आरोपियों को जल्द पकड़ने के प्रयास किए जा रहे हैं।

नडियाद सिविल अस्पताल में कर्मचारियों के शोषण का आरोप, एजेंसी के खिलाफ आक्रोश

महानगर मेट्रो ब्यूरो



नडियाद। जहां मरीजों की जान बचाने की जिम्मेदारी है, उसी नडियाद सिविल अस्पताल में कर्मचारियों के शोषण का गंभीर मामला सामने आया है। अस्पताल के अग्निशमन और ऑक्सीजन विभाग में दिन-रात जोखिम के बीच काम करने वाले कर्मचारियों ने साइनाथ कृपा एस.वी. सहायता समूह नामक एजेंसी पर कई गंभीर आरोप लगाए हैं। कर्मचारियों का कहना है कि एजेंसी लंबे समय से उनके साथ अन्याय कर रही है और उनके अधिकारों की अनदेखी की जा रही है। अस्पताल में कार्यरत कर्मचारियों के अनुसार, उनके वेतन से हर महीने भविष्य निधि के नाम पर राशि काटी जाती है, लेकिन पिछले पांच से सात वर्षों से यह रकम उनके खातों में जमा नहीं कराई गई है। कर्मचारियों ने सवाल उठाया है कि उनके वेतन से काटी गई राशि आखिर कहां गई? उनका आरोप है कि भविष्य की आर्थिक सुरक्षा के लिए जमा होने वाली इस रकम से उन्हें वंचित रखा जा रहा है। कर्मचारियों का कहना है कि एजेंसी की ओर से उन्हें केवल आर्थिक रूप से ही नहीं, बल्कि आवश्यक दस्तावेजों और सुविधाओं से भी वंचित रखा जा रहा है। महीनेभर काम करने के बाद उन्हें वेतन की पर्ची तक नहीं दी जाती। इसके अलावा नियमानुसार मिलने वाले बोनस से भी वंचित रखने का आरोप है। कर्मचारियों को पहचान पत्र और नौकरी पर नियुक्त किए जाने का आधिकारिक पत्र भी उपलब्ध नहीं कराया गया है। इस मामले को लेकर कर्मचारियों में भारी नाराजगी है। उनका सवाल है कि अस्पताल परिसर में लंबे समय से काम कर रहे कर्मचारियों के साथ कथित तौर पर इस तरह का व्यवहार होता रहा, फिर भी जिम्मेदार अधिकारियों ने अब तक ध्यान क्यों नहीं दिया? कर्मचारियों ने मांग की है कि एजेंसी के कामकाज की निष्पक्ष जांच कराई जाए और भविष्य निधि की बकाया राशि सहित उनके सभी वैधानिक अधिकार दिलाए जाएं। कर्मचारियों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो आने वाले दिनों में आंदोलन किया जा सकता है। अब देखना होगा कि अस्पताल प्रशासन और संबंधित विभाग इस मामले में क्या कदम उठाते हैं।

पुलिसकर्मी बनकर बुजुर्गों से ठगी, जेल से छूटते ही फिर अपराध में लिप्त हुआ आरोपी गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। शहर में पुलिसकर्मी बनकर बुजुर्गों को डराने और उनसे रुपये ऐंठने का मामला सामने आया है। अहमदाबाद अपराध शाखा ने इस मामले में मोहम्मद शाहरुख अंसारी नामक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि उसने अपने साथी के साथ मिलकर सरसपुर क्षेत्र में दो बुजुर्गों को पुलिस की झूठी पहचान देकर उनसे 9 हजार रुपये वसूल लिए थे। हैरानी की बात यह है कि आरोपी 21 अक्टूबर को ही जेल से छूटकर बाहर आया था और कुछ ही दिनों बाद फिर से अपराध में शामिल हो गया। जानकारी के अनुसार, सरसपुर क्षेत्र में रात के समय दो व्यक्ति एक रिक्शा में पहुंचे। उन्होंने वहां मौजूद 60 वर्षीय मनीषकुमार जानी और उनके एक मित्र को अपनी पहचान पुलिसकर्मी के रूप में दी। अचानक पुलिस का नाम सुनकर दोनों बुजुर्ग घबरा गए। आरोप है कि इसका फायदा उठाकर दोनों ने उन्हें डराया-धमकाया और कुल 9 हजार रुपये नकद ले लिए। इसके बाद दोनों मौके से फरार हो गए। पीड़ितों की शिकायत मिलने के बाद अहमदाबाद अपराध शाखा ने जांच शुरू की।

गुजरात की राजनीति में नए समीकरणों की चर्चा तेज, आनंदीबेन पटेल और शंकर चौधरी की जोड़ी को लेकर अटकलें

संगठन और सत्ता में संभावित बदलावों के संकेतों को लेकर गांधीनगर में हलचल; समर्थकों और विरोधियों के अलग-अलग तर्कों के बीच भाजपा की अंदरूनी राजनीति पर टिकी निगाहें

महानगर मेट्रो ब्यूरो





गांधीनगर। गुजरात की राजनीति में इन दिनों एक नई चर्चा ने जोर पकड़ लिया है। गांधीनगर के सत्ता गलियारों में इस बात को लेकर अटकलें तेज हो गई हैं कि क्या राज्य की पूर्व मुख्यमंत्री और वर्तमान राज्यपाल आनंदीबेन पटेल तथा गुजरात विधानसभा के अध्यक्ष शंकर चौधरी की जोड़ी एक बार फिर प्रदेश की राजनीति के केंद्र में आने वाली है? हाल के दिनों में दोनों नेताओं की कुछ राजनीतिक मुलाकातों, सार्वजनिक कार्यक्रमों में उपस्थिति और संगठन से जुड़ी गतिविधियों को देखते हुए कई तरह के सवाल उठने लगे हैं। राजनीतिक हलकों में चर्चा है कि क्या गांधीनगर से शुरू हुई यह हलचल प्रदेश के सत्ता समीकरणों में किसी नए बदलाव का संकेत है? राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, आनंदीबेन पटेल और शंकर चौधरी दोनों ही गुजरात की राजनीति के अनुभवी और प्रभावशाली चेहरे माने जाते हैं। आनंदीबेन पटेल के पास दशकों का प्रशासनिक अनुभव है और संगठन पर उनकी मजबूत पकड़ रही है। वहीं, शंकर चौधरी का उत्तर गुजरात के सहकारी क्षेत्र और राजनीति में प्रभावशाली स्थान है। ऐसे में दोनों नेताओं की बढ़ती सक्रियता और उनके समर्थकों के उत्साह को लेकर राजनीतिक गलियारों में तरह-तरह के कयास लगाए जा रहे हैं। इन चर्चाओं के चलते गांधीनगर से लेकर जिला स्तर तक के नेताओं के बीच भी हलचल देखी जा रही है। राजनीतिक हलकों और सामाजिक माध्यमों पर चल रही चर्चाओं में दोनों नेताओं की सक्रियता को प्रदेश की आगामी राजनीतिक रणनीति से जोड़कर देखा जा रहा है। कुछ राजनीतिक जानकारों का मानना है कि संगठन को मजबूत बनाने और आगामी चुनावों की तैयारी के लिए अनुभवी नेताओं के मार्गदर्शन तथा सहकारी क्षेत्र के प्रभावशाली नेतृत्व का समन्वय किया जा सकता है। हालांकि, विरोधी गुट और आलोचक इस घटनाक्रम को प्रदेश की राजनीति में सत्ता का नया केंद्र खड़ा करने की कोशिश के रूप में देख रहे हैं। इसी कारण राजनीतिक वातावरण में हलचल बढ़ गई है। दूसरी ओर, भारतीय जनता पार्टी के अंदरूनी हलकों और दोनों नेताओं के समर्थकों ने इन चर्चाओं को महज राजनीतिक अफवाह और मीडिया की उपज बताया है। उनका कहना है कि भाजपा एक अनुशासित दल है, जहां महत्वपूर्ण फैसले केंद्रीय नेतृत्व और संसदीय बोर्ड द्वारा लिए जाते हैं। समर्थकों के अनुसार, आनंदीबेन पटेल संवैधानिक पद पर रहते हुए अपनी जिम्मेदारियां निभा रही हैं, जबकि शंकर चौधरी विधानसभा अध्यक्ष के रूप में अपनी भूमिका निभाने के साथ सहकारी क्षेत्र के विकास के लिए भी कार्यरत हैं। उनका मानना है कि नेताओं की सामाजिक और सार्वजनिक मुलाकातों को गुटबाजी या सत्ता हासिल करने की रणनीति से जोड़ना उचित नहीं है। फिलहाल यह पूरा मामला राजनीतिक चर्चाओं और अटकलों तक ही सीमित है। हालांकि, गांधीनगर से उठी इस चर्चा ने गुजरात की राजनीति में नई उत्सुकता जरूर पैदा कर दी है। अब आने वाला समय ही बताएगा कि यह राजनीतिक हलचल किसी नए समीकरण को जन्म देती है या फिर महज अटकल बनकर रह जाती है।

जोधपुर में सूने मकान से 30 लाख के गहने और नकदी चोरी, बाइक सवार दो बदमाशों ने दिया वारदात को अंजाम



महानगर मेट्रो ब्यूरो

जोधपुर। शहर के चौपासनी रोड इलाके में बाइक सवार दो बदमाशों ने एक सूने मकान को निशाना बनाकर करीब 30 लाख रुपये के सोने-चांदी के आभूषण और नकदी चोरी कर ली। परिवार इलाज के सिलसिले में अहमदाबाद गया हुआ था। बदमाश मकान का ताला तोड़कर अंदर घुसे और कीमती सामान लेकर फरार हो गए। मामले में प्रतापनगर सदर थाना पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।रिपोर्ट के अनुसार, चोर घर से करीब 6 तोला वजन के दो सोने के कंगन, 5.5 तोला की चार सोने की चूड़ियां, 3 तोला के चार जोड़ी सोने के कान के आभूषण, 5 तोला की 6 से 8 अंगूठियां, 4.5 तोला की दो सोने की चेन, ढाई तोला का मंगलसूत्र, तुलसी की बड़ी कंठी और दो सोने की नथ ले गए। इसके अलावा करीब 14 से 16 जोड़ी चांदी की पायल, लगभग 2 किलो का भारी छल्ला, चांदी का बड़ा चाकू, 4 से 6 गिलास, पूजा का सामान, करीब 3 किलो चांदी के सिक्के, 15 पुराने कलदार सिक्के, 5 से 6 महंगी हाथ घड़ियां और कीमती सामान से भरा हरे रंग का बैग भी चोरी कर लिया। चोर एक लाख रुपये नकद भी ले गए। चोरी हुए सोने की कीमत करीब 25 से 28 लाख और चांदी की कीमत लगभग साढ़े 7 लाख रुपये बताई गई है।घटना 19 नवंबर की सुबह करीब 4:48 से 5:14 बजे के बीच की है। पीड़ित ओमप्रकाश जाजू (65) ने पुलिस को रिपोर्ट दी है। उन्होंने बताया कि उनके मकान से पांच-छह गलियां दूर महेश हॉस्टल के पीछे स्थित न्यू खिलजी ज्वैलर्स में भी इसी समय के आसपास चोरी का प्रयास हुआ। वहां मकान के ताले तोड़कर पिछले दरवाजे से दुकान में घुसने की कोशिश की गई। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के आधार पर इन दोनों वारदातों में एक ही बदमाशों के शामिल होने की आशंका जताई गई है।पड़ोस में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज में दो संदिग्ध युवक बाइक से आते दिखाई दे रहे हैं। दोनों ने मकान के बाहर बाइक खड़ी की और मुख्य द्वार का कुंदा तोड़कर सुबह करीब 4:50 बजे अंदर प्रवेश किया। वारदात के बाद दोनों सुबह 5:14 बजे बाइक से फरार हो गए।पीड़ित ओमप्रकाश जाजू अपने छोटे बेटे के इलाज के लिए 12 अक्टूबर को परिवार सहित अहमदाबाद गए हुए थे। 19 नवंबर की सुबह करीब 8 बजे पड़ोसी इंद्रमोहन ने फोन कर मुख्य द्वार का कुंदा टूटा होने और दरवाजे खुले होने की सूचना दी। इसके बाद परिवार सुबह करीब 11 बजे टैक्सी से अहमदाबाद से जोधपुर के लिए रवाना हुआ और शाम 7:15 बजे पहुंचा। मौके पर पुलिस टीम और रिश्तेदार पहले से मौजूद थे। पुलिस ने वीडियोग्राफी करवाकर घटनास्थल का निरीक्षण किया। फिलहाल पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर दोनों संदिग्धों की तलाश कर रही है।

आबूरोड के बंजारा फली में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर, 22 ग्रामीणों का किया परीक्षण



महानगर मेट्रो ब्यूरो

आबूरोड। तहसील के बंजारा फली गांव में शनिवार को निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित किया गया। इसमें 22 ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श दिया गया।शिविर का आयोजन एम्स जोधपुर और जनजातीय क्षेत्रीय विकास विभाग के अधीन दानवाव में संचालित जनजातीय स्वास्थ्य एवं अनुसंधान केंद्र (एसटीएचआर) के दूरचिकित्सा केंद्र की टीम ने किया। शिविर में रक्तचाप, मधुमेह, हृदय रोग, सांस संबंधी बीमारियों, त्वचा रोग, स्त्री रोग, बाल रोग तथा कमर और घुटनों के दर्द की जांच की गई। डॉ. विजय मीणा ने ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण किया। शिविर का संचालन एम्स जोधपुर के प्रमुख अन्वेषक डॉ. कुलदीप सिंह के निर्देशन में हुआ। इसमें फार्माकोलॉजी विभाग के अतिरिक्त प्रोफेसर डॉ. प्रदीप द्विवेदी और परियोजना समन्वयक डॉ. राखी द्विवेदी का मार्गदर्शन भी रहा। चिकित्सकीय दल ने ग्रामीणों को मौसमी बीमारियों से बचाव, आयरन युक्त भोजन, स्वच्छता और नियमित दांत साफ करने के महत्व की जानकारी दी। गंभीर मरीजों को विशेषज्ञ चिकित्सकों से दूरचिकित्सा के माध्यम से परामर्श और उपचार के लिए एसटीएचआर केंद्र भेजा गया। शिविर में एसटीएचआर टीम के श्रीमल राजू, सूरज, ओमप्रकाश, गमाराम और सहायिका कमला देवी सहित कार्यकर्ता अनीता और अन्य कर्मचारियों ने सहयोग किया।

100 विद्यार्थियों ने किया उदयपुर और नाथद्वारा का शैक्षणिक भ्रमण, सज्जनगढ़ अभयारण्य और विश्वास स्वरूपम देखा



महानगर मेट्रो ब्यूरो

जावाल। पीएम श्री गतिविधि के तहत ग्रीन स्कूल कार्यक्रम में पीएम श्री महात्मा गांधी राजकीय अंग्रेजी माध्यम विद्यालय, जावाल के 100 विद्यार्थियों ने उदयपुर और नाथद्वारा का एक दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण किया। इसमें कक्षा 6 से 12 तक के विद्यार्थियों ने भाग लिया।प्रधानाचार्य अनुपमा राठौड़ के निर्देशन में आयोजित इस भ्रमण की जिम्मेदारी योगेंद्र पाल सिंह ने संभाली, जबकि कुलदीप ने यात्रा और भ्रमण की व्यवस्थाएं देखीं। भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने उदयपुर स्थित सज्जनगढ़ जैविक उद्यान में विभिन्न वन्यजीव प्रजातियों, उनके रहन-सहन और जैव विविधता संरक्षण के बारे में जानकारी प्राप्त की। इसके बाद फतहसागर झील पहुंचकर जल पारिस्थितिकी तंत्र और झीलों के संरक्षण के महत्व को समझा। अलख महादेव क्षेत्र में विद्यार्थियों ने विभिन्न वनस्पतियों का अध्ययन किया।भ्रमण के अंतिम चरण में विद्यार्थी नाथद्वारा पहुंचे। यहां उन्होंने विश्व की सबसे ऊंची शिव प्रतिमा 'विश्वास स्वरूपम' के दर्शन किए। शाम को आयोजित प्रकाश एवं ध्वनि कार्यक्रम भी देखा।इस शैक्षणिक भ्रमण में विद्यालय स्टाफ के महिपाल सिंह देवड़ा, चंचल, मीनाक्षी, महिपाल और मिलन ने विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। इस यात्रा के माध्यम से विद्यार्थियों को प्रकृति, पर्यावरण संरक्षण, जैव विविधता और सांस्कृतिक विरासत को करीब से जानने का अवसर मिला।

राजस्थान में चुनावी नतीजों के बाद सियासी घमासान चरम पर

कांग्रेस ने जीत को बताया 'जल, जंगल और जमीन' के रक्षकों का जनादेश, भाजपा पर साधा तीखा निशाना

अरावली के संरक्षण और स्थानीय अधिकारों के मुद्दे ने बदली प्रदेश की सियासी हवा; कांग्रेस खेमे में जश्न का माहौल, भाजपा बोली- हार-जीत लोकतंत्र का हिस्सा, समीक्षा करेंगे

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जयपुर। राजस्थान के हालिया चुनावी परिणामों के सामने आते ही प्रदेश की राजनीति में जबरदस्त उबाल आ गया है। नतीजों के बाद सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच जुबानी जंग और तेज हो गई है। कांग्रेस पार्टी और उसके समर्थकों ने इन परिणामों को अपनी ऐतिहासिक और निर्णायक जीत करार देते हुए इसे सीधे तौर पर प्राकृतिक संसाधनों, पर्यावरण और स्थानीय नागरिकों के मौलिक अधिकारों की रक्षा से जोड़ा है। कांग्रेस खेमे की ओर से जारी आक्रामक बयानों में दावा किया गया है कि राजस्थान की जागरूक जनता ने 'जल, जंगल और जमीन' के संवेदनशील मुद्दे पर अपना स्पष्ट और दो-टूक फैसला सुनाया है। पार्टी का कहना है कि मतदाताओं ने अरावली पर्वतमाला के अस्तित्व पर बुरी नजर रखने वालों को करारा जवाब देते हुए इसके संरक्षण के पक्ष में एकतरफा मतदान किया है।

अरावली और प्राकृतिक संसाधनों की लूट के खिलाफ जनता का आक्रोश: कांग्रेस का दावा

चुनावी नतीजों से उत्साहित कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं और जमीनी कार्यकर्ताओं का मानना है कि यह जनादेश उन नीतियों और लोगों के खिलाफ जनता के गहरे आक्रोश का परिणाम है, जिन पर लंबे समय से अरावली की पहाड़ियों और स्थानीय प्राकृतिक संसाधनों के अनियंत्रित दोहन के आरोप लगते रहे हैं। परिणाम आने के बाद से ही कांग्रेस कार्यकर्ताओं और समर्थकों के बीच यह नारा प्रमुखता से गूंज रहा है कि 'जल, जंगल और जमीन के असली मालिकों ने संसाधनों के लुटेरों को खदेड़ दिया है।' कांग्रेस नेताओं का दावा है कि इन चुनावों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों से सूपड़ा साफ हो गया है। जनता ने सत्ताधारी दल की नीतियों को सिरे से नकारते हुए हर तरफ कांग्रेस की विचारधारा और जनहितैषी नीतियों पर अपनी मुहर लगाई है।

चुनावी मैदान में निर्णायक साबित हुए खनन और पर्यावरण के मुद्दे

राजनीतिक विश्लेषकों और जानकारों के अनुसार, इस बार के चुनाव में अरावली क्षेत्र में अवैध खनन, पर्यावरणीय असंतुलन और स्थानीय समुदायों के विस्थापन से जुड़े मुद्दे बेहद अहम और निर्णायक साबित हुए। कांग्रेस ने अपने पूरे चुनाव अभियान के दौरान इन मुद्दों को बेहद आक्रामक तरीके से जनता के बीच उठाया था। पार्टी ने लगातार यह आरोप लगाया कि सरकार की नीतियां पर्यावरण और स्थानीय निवासियों के हितों के विपरीत हैं और केवल कुछ चुनिंदा लोगों को लाभ पहुंचाने के लिए प्राकृतिक धरोहरों को दांव पर लगाया जा रहा है। नतीजों के बाद कांग्रेस खेमे का कहना है कि ग्रामीण और आदिवासी अंचलों से लेकर शहरी क्षेत्रों तक मतदाताओं ने इस मुद्दे की गंभीरता को समझा और भाजपा को बड़ा झटका देते हुए कांग्रेस की मजबूत वापसी सुनिश्चित की।

भाजपा का पलटवार: आरोपों को बताया निराधार, कहा- विकास ही हमारी प्राथमिकता

दूसरी ओर, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कांग्रेस के इन तमाम दावों और आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए इसे केवल राजनीतिक बयानबाजी बताया है। भाजपा के प्रदेश स्तरीय नेताओं का कहना है कि उनकी पार्टी हमेशा से पर्यावरण संरक्षण, अरावली की सुरक्षा और प्रदेश के संतुलित व समावेशी विकास के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध रही है। भाजपा खेमे का तर्क है कि चुनावी हार-जीत लोकतांत्रिक प्रक्रिया का एक स्वाभाविक हिस्सा है और पार्टी एक जिम्मेदार राजनीतिक दल के रूप में इन परिणामों की गहन समीक्षा करेगी। भाजपा नेताओं ने कांग्रेस पर पलटवार करते हुए कहा कि विपक्ष केवल भावनात्मक नारे गढ़कर और भ्रम फैलाकर जनता को गुमराह करने का प्रयास कर रहा है, जबकि जमीन पर वास्तविक विकास कार्य और बुनियादी ढांचे का निर्माण भाजपा सरकार के कार्यकाल में ही हुआ है।

आगामी सियासी समीकरणों पर दिखेगा सीधा असर

बहरहाल, इन चुनावी नतीजों ने राजस्थान की राजनीति में एक नई बहस को जन्म दे दिया है। एक तरफ जहां कांग्रेस इस जीत को आगामी बड़े चुनावों का सेमीफाइनल मानकर पूरे प्रदेश में अपने संगठन को और अधिक आक्रामक बनाने की तैयारी में जुट गई है, वहीं दूसरी तरफ भाजपा अपने गढ़ों में हुए नुकसान की भरपाई करने और नई रणनीति बनाने के लिए मंथन कर रही है। आने वाले दिनों में 'जल, जंगल और जमीन' का यह मुद्दा प्रदेश की विधानसभा से लेकर सड़क तक सियासी तापमान को और अधिक बढ़ाने वाला साबित होगा।

माउंट आबू में पर्यटकों को जूट के थैले बांटकर शुरू की गई अनूठी पहल

प्लास्टिक मुक्त पर्यटन को बढ़ावा देने के साथ यात्रा को बनाया जाएगा आसान, थैलों में मिलेंगे पर्यटन स्थल के नक्शे और वाहन खड़ा करने की जानकारी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

माउंट आबू। राजस्थान और गुजरात के प्रमुख पर्यटन स्थलों में शामिल माउंट आबू में पर्यावरण संरक्षण और पर्यटकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए एक सराहनीय पहल शुरू की गई है। माउंट आबू होटल संघ की ओर से यहां आने वाले पर्यटकों को प्लास्टिक के थैलों के स्थान पर जूट से बने थैले वितरित किए जा रहे हैं। इस पहल का उद्देश्य प्लास्टिक के उपयोग को कम करने के साथ पर्यटकों की यात्रा को अधिक सुविधाजनक बनाना है। त्योहारी दिनों में माउंट आबू में पर्यटकों की संख्या बढ़ने के कारण कई बार उन्हें रास्तों और वाहन खड़ा करने के स्थानों की



जानकारी जुटाने में परेशानी होती है। इसे ध्यान में रखते हुए वितरित किए जा रहे विशेष थैलों में पर्यटन विभाग की ओर से उपलब्ध कराए गए पर्यटन स्थलों के नक्शे और वाहन खड़ा करने से संबंधित आवश्यक दिशा-निर्देश भी रखे जा रहे हैं। इससे पर्यटकों को घूमने के दौरान जरूरी जानकारी आसानी से मिल सकेगी। पर्यावरण संरक्षण के साथ सुविधा पर जोर होटल संघ की इस पहल के पीछे दो प्रमुख उद्देश्य हैं। पहला, प्लास्टिक की थैलियों के स्थान पर पर्यावरण के अनुकूल जूट के थैलों का उपयोग बढ़ाना और दूसरा, पर्यटकों को माउंट आबू में आवागमन तथा पर्यटन स्थलों तक पहुंचने में सहायता देना। विशेष रूप से भीड़भाड़ के दिनों में नक्शे और वाहन खड़ा करने की जानकारी पर्यटकों के लिए उपयोगी साबित हो सकती है। प्रशासन और होटल व्यवसायियों के संयुक्त प्रयास इस पहल से यह भी स्पष्ट होता है कि प्रशासन, पर्यटन विभाग और निजी क्षेत्र के बीच सहयोग से पर्यटन स्थलों पर बेहतर व्यवस्थाएं विकसित की जा सकती हैं। माउंट आबू होटल संघ के सचिव देवांग अग्रवाल ने बताया कि यह पहल केवल शुरुआत है। पर्यावरण के अनुकूल विकल्पों को अपनाने और पर्यटकों की सुविधाओं में सुधार करने के माध्यम से स्वच्छ, व्यवस्थित और स्वागतयोग्य माउंट आबू बनाने का प्रयास किया जा रहा है। आने वाले समय में भी इस तरह की सहयोगात्मक योजनाओं के माध्यम से पर्यटन क्षेत्र को मजबूत किया जाएगा। होटल संघ की इस पहल का पर्यटकों की ओर से स्वागत किया जा रहा है। पर्यावरण संरक्षण और बेहतर पर्यटन सुविधाओं के इस प्रयास से माउंट आबू को स्वच्छ और व्यवस्थित पर्यटन स्थल बनाने में मदद मिलने की उम्मीद है।

जयपुर में 22 गोदाम से बी-2 बाईपास तक चलेगा बुलडोजर, 325 अवैध निर्माणों पर होगी कार्रवाई

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जयपुर। शहर में यातायात जाम से राहत दिलाने के लिए 22 गोदाम से बी-2 बाईपास तक सड़क निर्माण की राह में आ रहे अतिक्रमणों को हटाने की तैयारी शुरू हो गई है। जयपुर विकास प्राधिकरण (जेडीए) रेलवे लाइन के समानांतर प्रस्तावित 7.5 किलोमीटर लंबी सड़क को अतिक्रमण मुक्त कराने की कार्रवाई में जुट गया है। इस मार्ग पर करीब 325 निर्माण चिह्नित किए जाने का अनुमान है। इनमें निजी निर्माणों के साथ रेलवे की जमीन पर सड़क सीमा में आ रहे अतिक्रमण भी शामिल हैं। उच्च न्यायालय के आदेश के बाद जेडीए की टीमों ने सड़क का सीमांकन शुरू कर दिया है। सीमांकन के दौरान सड़क की निर्धारित सीमा में आने वाले





निर्माणों को चिह्नित किया जा रहा है। यह प्रक्रिया पूरी होने के बाद संबंधित लोगों को नोटिस जारी किए जाएंगे। निर्धारित कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद अतिक्रमण हटाने के लिए बुलडोजर चलाया जाएगा। इस पूरी कार्रवाई के लिए जेडीए ने जोन उपायुक्त-4 के नेतृत्व में 24 अधिकारियों की चार टीमें गठित की हैं। पहले चरण में 80 फीट चौड़े हिस्से का सीमांकन शुरू किया गया है। वहीं, अतिक्रमण हटाने के लिए आवश्यक मशीनरी और संसाधन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जेडीए ने 1.90 करोड़ रुपये का निविदा जारी किया है। इसके माध्यम से ध्वस्तीकरण की कार्रवाई के लिए जरूरी मशीनरी उपलब्ध कराई जाएगी। इस सड़क से अतिक्रमण हटाने का मामला उच्च न्यायालय में विचाराधीन है। न्यायालय ने 19 अगस्त को सड़क सीमा से अतिक्रमण हटाने का आदेश दिया था। साथ ही जेडीए को 25 नवंबर तक कार्रवाई की रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए थे। ऐसे में प्राधिकरण के सामने निर्धारित समय सीमा में निर्माणों की पहचान करने और आगे की कार्रवाई पूरी करने की चुनौती है। 22 गोदाम से बी-2 बाईपास तक रेलवे लाइन के समानांतर सड़क विकसित होने से शहर के कई प्रमुख इलाकों के बीच आवागमन आसान होगा। इससे 22 गोदाम, महेश नगर, गोपालपुरा और बी-2 बाईपास की ओर आने-जाने वाले वाहन चालकों को सीधा वैकल्पिक मार्ग मिल सकेगा। जेडीए अधिकारियों के मुताबिक, इस सड़क का लाभ प्रतिदिन करीब 2 लाख वाहनों को मिलने की संभावना है। नई सड़क बनने से टोंक रोड, गोपालपुरा बाईपास और आसपास के प्रमुख मार्गों पर यातायात का दबाव कम करने में मदद मिलेगी। फिलहाल पूरी योजना की सफलता अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई पर निर्भर है, क्योंकि 7.5 किलोमीटर लंबे इस मार्ग को विकसित करने के लिए सबसे पहले सड़क सीमा में आ रहे निर्माणों को हटाना जरूरी है।

बेटी की पसंद से सगाई करने पर परिवार का सामाजिक बहिष्कार, पानी भरने पर भी लगाई रोक

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पाली। बेटी की सगाई अपनी पसंद से करवाने पर माता-पिता और उनके चार बच्चों को समाज से बहिष्कृत करने का मामला सामने आया है। आरोप है कि ससुराल पक्ष और समाज के पंचों ने पंचायत बुलाकर महिला के सोने-चांदी के आभूषण छीन लिए। उसके कमरे की बिजली काट दी गई और गांव में पानी भरने पर भी रोक लगा दी गई। पीड़िता के अनुसार, 13 नवंबर को पंचायत में फैसला सुनाते हुए उसे और उसके बच्चों को समाज से बाहर कर दिया गया। साथ ही 2,500 रुपए का जुर्माना भी वसूला गया। आरोप है कि पंचों ने



चेतावनी दी कि उनकी बात नहीं मानने पर 1 लाख रुपए देने होंगे। मामले में पीड़िता ने 19 नवंबर को न्यायालय के माध्यम से सास-ससुर, जेठ-जेठानी और पंचों सहित 9 लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करवाई है।मामला गुड़ा एंदला थाना क्षेत्र के एक गांव का है। थाना प्रभारी दशरथ सिंह ने बताया कि न्यायालय के जरिए मामला दर्ज हुआ है। पुलिस जांच कर रही है। जांच पूरी होने के बाद ही आरोपों की सच्चाई सामने आएगी।पीड़िता ने प्राथमिकी में बताया कि उसकी शादी करीब 17 साल पहले हुई थी। उसके चार बच्चे हैं, जिनमें दो लड़के और दो लड़कियां हैं। उसका पति रोजगार के सिलसिले में दूसरे राज्य में रहता है। हाल ही में उसने और उसके पति ने अपनी मर्जी से बड़ी बेटी की सगाई तय की थी। आरोप है कि इस फैसले से नाराज होकर सास, जेठ और जेठानी ने उसे प्रताड़ित करना शुरू कर दिया।महिला का आरोप है कि ससुराल पक्ष के लोगों ने उसे घर से निकालने की धमकी दी और उसके कमरे का बिजली कनेक्शन भी काट दिया।पीड़िता के अनुसार, करीब एक सप्ताह पहले 13 नवंबर को समाज के कुछ पंचों को एकत्र कर पंचायत बुलाई गई। पंचायत में उसे और उसके बच्चों को समाज से बहिष्कृत करने का फैसला सुनाया गया। महिला ने आरोप लगाया कि पंचायत के दौरान उसे डराया-धमकाया गया और उसकी सास ने उसके सोने-चांदी के आभूषण छीन लिए। सास ने कथित तौर पर कहा कि जब तक वह बेटी की सगाई नहीं तोड़ेगी, तब तक उसे समाज से बाहर रखा जाएगा। पीड़िता का यह भी आरोप है कि पंचों ने गांव के किसी भी घर से पानी भरने, लोगों से बातचीत करने और घरों में आने-जाने पर रोक लगा दी। इसके अलावा उससे 2,500 रुपए भी वसूल किए गए।

जालोर में ट्रेलर में घुसी निजी बस, चालक केबिन में फंसा; 4 घायल, दो की हालत गंभीर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जालोर। शहर में थर्ड फेंस के पास शनिवार सुबह करीब 9:30 बजे निजी बस और ट्रेलर के बीच टक्कर हो गई। हादसे में बस का अगला हिस्सा और चालक केबिन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। चालक केबिन में फंस गया, जिसे मौके पर मौजूद लोगों ने रस्सियों की मदद से बाहर निकाला। हादसे में बस में सवार 3 से 4 लोग घायल हो गए। घायलों को राजकीय अस्पताल के आघात केंद्र ले जाया गया, जहां उपचार के बाद उन्हें छुट्टी दे दी गई। जानकारी के अनुसार, निजी बस में सवार लोग भीनमाल से भाद्राजून में आयोजित मोमेरा कार्यक्रम में शामिल होकर वापस लौट रहे थे। इसी दौरान थर्ड फेंस के पास रोडवेज बस को आगे निकालने की कोशिश में निजी बस आगे चल रहे ट्रेलर से पीछे से टकरा गई। टक्कर इतनी तेज थी कि बस का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और चालक केबिन के शीशे भी टूट गए। हादसे के बाद चालक केबिन में फंस गया। मौके पर मौजूद लोगों ने रस्सियों की मदद से उसे बाहर निकाला। बस में सवार यात्रियों को भी चोटें आईं। मूल समाचार के शीर्षक में चार घायलों में दो की हालत गंभीर बताई गई है, जबकि विवरण में उपचार के बाद घायलों को छुट्टी देने की बात कही गई है। दोनों जानकारियों में अंतर है।

आबूरोड में चार दिवसीय डिजाइन एवं नवाचार सम्मेलन शुरू, देशभर के डिजाइनर और इंजीनियर ले रहे हिस्सा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

आबूरोड। ब्रह्माकुमारी संस्थान के मनमोहिनीवन परिसर में चार दिवसीय द्वितीय डिजाइन एवं नवाचार सम्मेलन शुरू हुआ। इसका आयोजन संस्थान के डिजाइन एवं नवाचार प्रभाग की ओर से किया जा रहा है। सम्मेलन में देशभर से डिजाइनर और अभियंता भाग ले रहे हैं। सम्मेलन में 'अपने भाग्य का निर्माण स्वयं करें' विषय पर टाइटन कंपनी की मुख्य डिजाइन अधिकारी एवं कार्यकारी उपाध्यक्ष रेवती कांत ने विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि डिजाइन और आध्यात्मिकता को एक मंच पर लाने से लोगों के सोचने, समझने और जीवन को देखने के नजरिए में बदलाव आ सकता है। कांत ने कहा कि आमतौर पर डिजाइन को उत्पादों, प्रणालियों या व्यापार प्रारूपों तक सीमित माना जाता है, जबकि यह रोजमर्रा के जीवन का अभिन्न हिस्सा है। हर व्यक्ति, चाहे वह पेशे से डिजाइनर हो या नहीं, प्रतिदिन कुछ न कुछ रचता और आकार देता है। उन्होंने कहा कि लोग अपने विचारों को आकार देते हैं, विकल्प चुनते हैं, फैसले लेते हैं और दूसरों के साथ अपने व्यवहार एवं रिश्तों को गढ़ते हैं। इसलिए हर व्यक्ति में अपने जीवन को दिशा देने और अपना भाग्य बनाने की क्षमता होती है। उन्होंने नवाचार में उद्देश्य की भूमिका को भी महत्वपूर्ण बताया। संस्थान के महासचिव राजयोगी बीके करुणा भाई ने कहा कि स्वयं को बदलने के लिए एकाग्रता, अच्छे विचार और अच्छी संस्कृति जरूरी हैं। ब्रह्माकुमारी संस्थान लोगों को ये गुण अपनाने के लिए प्रेरित कर रहा है। उन्होंने कहा कि अच्छे विचारों के साथ अच्छे संस्कार भी आवश्यक हैं। नई दिल्ली की देसमेनिया डिजाइन प्राइवेट लिमिटेड के संस्थापक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी अनुज प्रसाद ने कहा कि डिजाइन दुनिया को बदलने का एक माध्यम है।

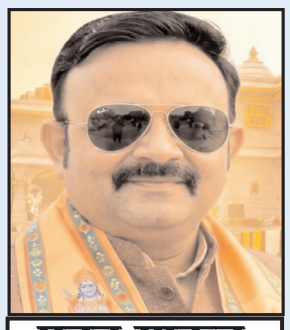


सम्पादकीय

आइसक्रीम और जमे हुए मिष्ठान का अंतरः उपभोक्ता जागरूकता से ही रुकेगी बाजार की मनमानी

गुजरात में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता और उनमें मिलावट का मुद्दा समय-समय पर चर्चा में आता रहा है। अब आइसक्रीम और जमे हुए मिष्ठान के बीच अंतर को लेकर राज्य के स्वास्थ्य मंत्री प्रफुल पानसेरिया के बयान ने एक नई बहस छेड़ दी है। सवाल केवल दो उत्पादों के नाम और उनकी बनावट का नहीं, बल्कि उपभोक्ताओं के अधिकार, खाद्य सुरक्षा और सरकारी व्यवस्था की जवाबदेही का भी है। आखिर बाजार में बिकने वाले उत्पादों की सही जानकारी ग्राहकों तक पहुंचाने की जिम्मेदारी किसकी है और नियमों का उल्लंघन होने पर कार्रवाई क्यों नहीं दिखाई देती? आइसक्रीम और जमे हुए मिष्ठान के बीच अंतर समझना हर उपभोक्ता के लिए जरूरी है। सामान्य तौर पर दूध की मलाई और दुग्ध वसा से तैयार होने वाली आइसक्रीम तथा वनस्पति तेल और वनस्पति वसा से बनने वाले जमे हुए मिष्ठान अलग-अलग उत्पाद हैं। दोनों का स्वाद और रूप काफी हद तक एक जैसा हो सकता है, लेकिन उनकी सामग्री अलग होती है। ऐसे में यदि कोई ग्राहक जमे हुए मिष्ठान को असली आइसक्रीम समझकर खरीदता है, तो यह उसके साथ अनुचित व्यवहार है। उत्पाद की सही पहचान और उसकी सामग्री की स्पष्ट जानकारी देना निर्माता तथा विक्रेता की जिम्मेदारी होनी चाहिए। यहां सबसे बड़ा सवाल उपभोक्ता की जागरूकता का है। बहुत से लोग पैकेट पर लिखी जानकारी पढ़े बिना केवल नाम, विज्ञापन और आकर्षक पैकिंग देखकर सामान खरीद लेते हैं। कंपनियों और विक्रेताओं को भी यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उत्पाद की पहचान ग्राहकों से छिपी न रहे। केवल छोटे अक्षरों में जानकारी लिख देना पर्याप्त नहीं माना जा सकता। उपभोक्ता को आसानी से समझ में आना चाहिए कि वह वास्तव में क्या खरीद रहा है। स्वास्थ्य मंत्री के बयान के बाद लोगों की अपेक्षाएं बढ़ी हैं, लेकिन जनता यह भी जानना चाहती है कि इस दिशा में ठोस कार्रवाई कब होगी। यदि बाजार में नियमों का उल्लंघन हो रहा है या किसी उत्पाद को गलत पहचान के साथ बेचा जा रहा है, तो खाद्य सुरक्षा विभाग को नियमित जांच और प्रभावी कार्रवाई करनी चाहिए। केवल छोटे दुकानदारों पर कार्रवाई करके जिम्मेदारी पूरी नहीं हो सकती। उत्पादन करने वाली कंपनियों, वितरण व्यवस्था और बिक्री केंद्रों तक निगरानी पहुंचनी चाहिए। दूसरी ओर, उत्पादकों और व्यापारियों का यह तर्क भी ध्यान देने योग्य है कि पैकेट पर उत्पाद की श्रेणी लिखी होती है। लेकिन यह तर्क तभी उचित है, जब जानकारी स्पष्ट, प्रमुख और ग्राहकों के लिए आसानी से पढ़ने योग्य हो। उपभोक्ता को भ्रमित करने वाली प्रचार सामग्री या बिक्री के तरीके पर भी रोक लगनी चाहिए। सरकार और प्रशासन के सामने अब असली परीक्षा है। क्या यह मुद्दा कुछ दिनों की बयानबाजी तक सीमित रहेगा या खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता और उपभोक्ताओं के अधिकारों की रक्षा के लिए स्थायी व्यवस्था बनेगी? जनता को केवल आश्वासन नहीं, बल्कि नियमित जांच, पारदर्शिता और नियम तोड़ने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई चाहिए। आखिर खाद्य पदार्थों के मामले में लापरवाही केवल व्यापार का विषय नहीं, बल्कि लोगों के विश्वास और स्वास्थ्य से जुड़ा प्रश्न है। अंततः इस पूरे विवाद का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि बाजार में बिकने वाले प्रत्येक खाद्य पदार्थ के बारे में उपभोक्ता को सही और पूरी जानकारी मिलनी चाहिए। आइसक्रीम हो या जमे हुए मिष्ठान, किसी भी उत्पाद की पहचान छिपाकर या भ्रम पैदा करके बिक्री करना उपभोक्ता के अधिकारों के विरुद्ध है। सरकार और खाद्य सुरक्षा विभाग को यह सुनिश्चित करना होगा कि कंपनियां निर्धारित नियमों का पालन करें और पैकेट पर उत्पाद की सामग्री तथा उसकी श्रेणी स्पष्ट रूप से लिखें। साथ ही दुकानों, बड़े व्यापारिक प्रतिष्ठानों और उत्पादन केंद्रों पर नियमित जांच होनी चाहिए।

यदि कोई कंपनी या विक्रेता जानबूझकर ग्राहकों को गुमराह करता पाया जाता है, तो उसके विरुद्ध ऐसी कार्रवाई होनी चाहिए जो दूसरों के लिए भी चेतावनी बने। दूसरी ओर, उपभोक्ताओं को भी खरीदारी करते समय केवल विज्ञापन और आकर्षक पैकिंग पर भरोसा करने के बजाय उत्पाद के नाम, सामग्री और अन्य विवरण पढ़ने की आदत डालनी होगी। स्वास्थ्य मंत्री प्रफुल पानसेरिया ने इस मुद्दे को उठाकर एक महत्वपूर्ण बहस को जन्म दिया है, लेकिन अब इस बहस को परिणाम तक पहुंचाना प्रशासन की जिम्मेदारी है। जनता यह नहीं चाहती कि कुछ दिनों तक बयान दिए जाएं, समाचारों में चर्चा हो और फिर मामला ठंडे बस्ते में चला जाए। जरूरत ऐसी व्यवस्था की है, जिसमें खाद्य सुरक्षा के नियम केवल कागजों तक सीमित न रहें, बल्कि उनका पालन बाजार में भी दिखाई दे। क्योंकि मुनाफे से ऊपर उपभोक्ता का विश्वास और स्वास्थ्य होना चाहिए। यही किसी भी जिम्मेदार सरकार और स्वस्थ समाज की असली पहचान है। क्या सरकार इस मामले में केवल बयान जारी करेगी या बाजार में बिकने वाले ऐसे उत्पादों की सच्चाई सामने लाने के लिए ठोस कदम भी उठाएगी? क्या खाद्य सुरक्षा विभाग की जिम्मेदारी केवल जांच और चेतावनी तक सीमित रहेगी या ग्राहकों को गुमराह करने वाली कंपनियों और विक्रेताओं पर वास्तव में कठोर कार्रवाई होगी?



पवन माकन
ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो

रिश्तों का जोड़ और बंधनों का घटावः स्त्री-पुरुष के सहजीवन का आईना

प्रेम स्वतंत्रता का एहसास है तो विवाह सामाजिक व्यवस्था; आखिर क्यों शादी के बाद बदलने लगती है रिश्तों की मिठास? स्त्री-पुरुष की मनःस्थिति, अपेक्षाओं और दांपत्य जीवन की अनसुलझी पहेलियों पर विशेष आलेख

मानव जीवन में स्त्री-पुरुष के संबंध जितने भावनात्मक हैं, उतने ही जटिल भी हैं। प्रेम, अपनापन, विश्वास और समर्पण से रिश्ते बनते हैं, जबकि सामाजिक रीति-रिवाज, परंपराएं और जिम्मेदारियां कई बार उन्हीं रिश्तों को बंधन का रूप दे देती हैं। प्रेम एक मानसिक और भावनात्मक अवस्था है, जबकि विवाह एक सामाजिक संस्था। इन दोनों के बीच का अंतर समझना आज के बदलते समाज की बड़ी आवश्यकता है। रिश्ता वह है जिसे इंसान अपनी इच्छा, समझ और भावनाओं से निभाता है, जबकि बंधन वह है जिसे कई बार सामाजिक अपेक्षाओं के कारण स्वीकार करना पड़ता है।

प्रेम का तालाब विवाह के बाद क्यों बदलने लगता है?

प्रेम संबंधों में आकर्षण, समर्पण और एक-दूसरे के साथ समय बिताने की उत्सुकता होती है। प्रेमी-प्रेमिका एक-दूसरे की छोटी-छोटी बातों को भी महत्व देते हैं। साथ रहने के सपने देखते हैं और जीवनभर एक-दूसरे का साथ निभाने के वादे करते हैं। लेकिन यही प्रेम जब विवाह के बंधन में बदलता है, तो कई बार परिस्थितियां बदलने लगती हैं। समर्पण की जगह अधिकार जताने की भावना और निकटता की जगह जिम्मेदारियों का दबाव आने लगता है।

जो दो लोग कभी एक-दूसरे के बिना अधूरे महसूस करते थे, वे विवाह के कुछ समय बाद एक-दूसरे से शिकायतें करने लगते हैं। आखिर ऐसा क्यों होता है? क्या लगातार साथ रहने से आकर्षण कम हो जाता है या फिर विवाह के बाद दोनों एक-दूसरे को समझने के बजाय अपनी-अपनी अपेक्षाओं के अनुसार ढालने की कोशिश करने लगते हैं? प्रेम के दिनों में जो बातें प्यारी लगती थीं, वही वैवाहिक जीवन में खटकने क्यों लगती हैं? दरअसल, प्रेम में व्यक्ति अपने साथी को स्वीकार करता है, लेकिन विवाह के बाद कई बार उसे बदलने की कोशिश शुरू हो जाती है। यहीं से रिश्तों में तनाव के बीज पड़ते हैं।



विवाह संस्था और सामाजिक परंपराओं का दबाव

दो लोगों के साथ रहने के लिए केवल विवाह का बंधन ही पर्याप्त नहीं होता, बल्कि आपसी समझ, सहजता और विश्वास भी जरूरी हैं। समाज ने परिवार, संतान के पालन-पोषण और सामाजिक व्यवस्था को बनाए रखने के लिए विवाह संस्था को महत्वपूर्ण स्थान दिया है। इसके साथ ही जाति, परंपरा, रीति-रिवाज और सामाजिक प्रतिष्ठा जैसी धारणाएं भी विवाह से जुड़ती चली गईं। कई बार विवाह दो व्यक्तियों की व्यक्तिगत पसंद से अधिक परिवार और समाज की अपेक्षाओं का विषय बन जाता है। विशेष रूप से जाति और सामाजिक वर्ग के दायरे में विवाह करने का दबाव आज भी अनेक स्थानों पर दिखाई देता है। ऐसे में यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि विवाह का उद्देश्य दो लोगों को जीवनभर का साथी बनाना है या उन्हें सामाजिक नियमों के दायरे में बांधकर रखना? हालांकि विवाह संस्था का एक महत्वपूर्ण पक्ष परिवार का निर्माण, बच्चों का पालन-पोषण और जीवन की जिम्मेदारियों को साझा करना भी है। इसलिए विवाह को केवल बंधन मानना उचित नहीं होगा। समस्या विवाह में नहीं, बल्कि उसमें स्वतंत्रता, समानता और आपसी सम्मान की कमी में है।

स्त्री और पुरुष की मनःस्थिति तथा अपेक्षाएं

स्त्री-पुरुष के संबंधों को समझने के लिए उनकी मानसिक बनावट और जीवन के अनुभवों को समझना जरूरी है। व्यक्ति के बचपन का पारिवारिक वातावरण उसके भविष्य के संबंधों को प्रभावित कर सकता है। एक लड़की अपने पिता के व्यवहार, स्नेह और व्यक्तित्व से जीवन में पुरुष के प्रति एक धारणा बना सकती है। आगे चलकर वह अपने जीवनसाथी में कुछ ऐसे ही गुणों की अपेक्षा कर सकती है। इसी प्रकार लड़के के जीवन में मां का स्नेह और व्यवहार उसके मन में स्त्री के प्रति एक विशेष छवि बना सकता है, जिसे वह भविष्य में अपने जीवनसाथी में तलाश सकता है। हालांकि हर स्त्री और पुरुष का अनुभव एक जैसा नहीं होता। किसी व्यक्ति की पसंद और अपेक्षाएं केवल माता-पिता की छवि से तय नहीं होतीं, बल्कि उसका स्वभाव, शिक्षा, परिवेश और जीवन के अनुभव भी इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। फिर भी यह समझना जरूरी है कि पति-पत्नी एक-दूसरे से कई ऐसी अपेक्षाएं रखते हैं, जिन्हें वे स्वयं भी स्पष्ट रूप से व्यक्त नहीं कर पाते। जब ये अपेक्षाएं पूरी नहीं होतीं, तो निराशा और असंतोष जन्म लेने लगता है।

देखने का नजरिया अलग, अपेक्षाएं भी अलग

स्त्री और पुरुष के बीच कई बार अंतर उनकी सोच और चीजों को देखने के नजरिये में दिखाई देता है। सामान्य सामाजिक धारणा के अनुसार पुरुष अक्सर किसी समस्या का सीधा समाधान तलाशने की कोशिश करता है, जबकि स्त्री कई बार उसी विषय से जुड़ी भावनाओं और परिस्थितियों पर अधिक ध्यान देती है। यह कोई सार्वभौमिक नियम नहीं, लेकिन दांपत्य जीवन में ऐसे अंतर कई बार गलतफहमियों का कारण बन जाते हैं। सौंदर्य, पहनावा और साज-सज्जा भी रिश्तों में आकर्षण का हिस्सा होते हैं। स्त्री चाहती है कि उसका जीवनसाथी उसके रूप, सजावट और प्रयासों की सराहना करे। वहीं पुरुष भी अपनी पसंद और अपेक्षाओं के अनुसार साथी को देखना चाहता है। लेकिन जब पसंद को अधिकार और अपेक्षा को दबाव बना दिया जाता है, तो रिश्ते की सहजता समाप्त होने लगती है। कई दंपतियों के बीच छोटी-छोटी बातों पर रूठना, मनाना और नाराज होना सामान्य है। कभी यही नोकझोंक रिश्ते में मिठास घोल देती है, लेकिन जब हर दिन एक-दूसरे की कमियां गिनाने और बदलने की कोशिश में बीतने लगे, तो यही बातें तनाव का कारण बन जाती हैं।

सहजीवन की असली कुंजी है समझ और स्वतंत्रता

विवाह को सफल बनाने के लिए यह जरूरी नहीं कि पति-पत्नी हर विषय पर एक जैसी सोच रखें। जरूरी यह है कि दोनों एक-दूसरे की सोच, पसंद, स्वतंत्रता और व्यक्तित्व का सम्मान करें। प्रेम का अर्थ किसी पर अधिकार जमाना नहीं, बल्कि उसे अपनी पहचान के साथ स्वीकार करना है। जीवनसाथी को बदलने की लगातार कोशिश करने के बजाय उसकी भावनाओं को समझना और अपनी अपेक्षाओं को स्पष्ट रूप से साझा करना अधिक महत्वपूर्ण है।

आखिरकार रिश्तों का गणित बहुत कठिन नहीं है। इसमें विश्वास और सम्मान का जोड़ होना चाहिए, जबकि अहंकार, संदेह और अनावश्यक अपेक्षाओं का घटाव। जो दंपती इस साधारण से सिद्धांत को अपने जीवन में उतार लेते हैं, उनके लिए विवाह बोझ नहीं, बल्कि जीवन की सबसे सुंदर साझेदारी बन सकता है। प्रेम तभी लंबे समय तक जीवित रहता है, जब उसमें अपनापन हो, लेकिन घुटन न हो; जिम्मेदारी हो, लेकिन स्वतंत्रता भी बनी रहे। यही सुखी सहजीवन का वास्तविक आधार है।

देश का विकास, रोजगार और जनकल्याणः केवल अपीलों से नहीं, ठोस नीतियों से बदलेगी तस्वीर

निजी उद्योगपतियों की सामाजिक जिम्मेदारी कितनी? सरकारी विभागों में ठेका और निश्चित वेतन की व्यवस्था के बीच आम नागरिक के हितों की रक्षा कौन करेगा?

गुजरात की लोकबोली में एक कहावत प्रचलित है- 'समझाने वाला स्वयं अमल न करे तो उसकी सीख का क्या अर्थ?' यह कहावत आज देश की आर्थिक और प्रशासनिक व्यवस्था पर भी सटीक बैठती दिखाई देती है। जब देश का नेतृत्व निजी उद्योगपतियों और बड़े व्यावसायिक घरानों से कर्मचारियों का वेतन बढ़ाने, रोजगार के नए अवसर पैदा करने और सामाजिक जिम्मेदारी निभाने की अपील करता है, तो स्वाभाविक रूप से कई सवाल खड़े होते हैं। क्या केवल अपील और अनुरोध से करोड़ों लोगों की आर्थिक परेशानियां दूर हो सकती हैं? क्या महंगाई, बेरोजगारी और आर्थिक असमानता से जूझ रहे लोगों को राहत देने के लिए सरकार को अधिक प्रभावी नीतियां और कठोर कानूनी व्यवस्था लागू नहीं करनी चाहिए?

निजी उद्योग देश की अर्थव्यवस्था और विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उद्योगों से उत्पादन बढ़ता है, रोजगार मिलता है और सरकारी राजस्व में भी योगदान होता है। लेकिन दूसरी ओर यह भी सच है कि आर्थिक विकास का लाभ समाज के हर वर्ग तक समान रूप से नहीं पहुंच पाता। एक तरफ बड़े उद्योगों को भूमि, करों में छूट, ऋण और अन्य सुविधाएं मिलती हैं, वहीं दूसरी तरफ अनेक कर्मचारी कम वेतन, असुरक्षित नौकरी और महंगाई के दबाव में जीवन गुजारने को मजबूर हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि जब उद्योगों को आगे बढ़ाने के लिए सरकार विभिन्न सुविधाएं देती है, तो क्या उनके लिए कर्मचारियों के हितों की रक्षा करना भी अनिवार्य नहीं होना चाहिए? केवल नैतिक अपील पर्याप्त नहीं है। इसके लिए श्रम कानूनों का प्रभावी पालन, नियमित निरीक्षण और नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध दंडात्मक कार्रवाई जरूरी है।

पहले सरकारी व्यवस्था में सुधार क्यों नहीं?

निजी क्षेत्र को कर्मचारियों के हित में काम करने की सलाह देने से पहले सरकार को अपनी व्यवस्था की ओर भी देखना होगा। केंद्र और राज्य सरकारों से लेकर नगर निगमों, नगरपालिकाओं तथा विभिन्न सरकारी और अर्धसरकारी संस्थाओं तक ठेका प्रथा, निश्चित वेतन, अस्थायी नियुक्ति और बाहरी एजेंसियों के माध्यम से कर्मचारियों की भर्ती का चलन बढ़ा है।

अनेक युवा वर्षों तक एक ही पद पर काम करते रहते हैं, लेकिन उन्हें स्थायी नौकरी, पर्याप्त वेतन और सेवा संबंधी सुरक्षा नहीं मिल पाती। जो कर्मचारी वर्षों से सरकारी व्यवस्था का हिस्सा बनकर अपनी सेवाएं दे रहे हैं, उनके भविष्य की जिम्मेदारी कौन उठाएगा? समान काम करने वाले कर्मचारियों के बीच वेतन और सुविधाओं का इतना अंतर क्यों होना चाहिए? सरकारी विभागों में स्थायी पद खाली रहने और अस्थायी कर्मचारियों से काम चलाने की प्रवृत्ति पर भी गंभीरता से विचार करने की आवश्यकता है। देश की सुरक्षा से जुड़ी अग्निवीर योजना को लेकर भी युवाओं के भविष्य, सेवा की अवधि और आगे रोजगार की संभावनाओं पर लगातार बहस होती रही है। राष्ट्रीय सुरक्षा और युवाओं के रोजगार जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर नीतियां बनाते समय उनके दीर्घकालीन प्रभावों को ध्यान में रखना आवश्यक है।

निजीकरण की दौड़ और आम आदमी पर बढ़ता बोझ

देश में सरकारी और अर्धसरकारी संस्थाओं के निजीकरण को लेकर भी गंभीर सवाल उठते रहे हैं। निजी क्षेत्र की भागीदारी से कई क्षेत्रों में कार्यक्षमता और सेवाओं में सुधार संभव है, लेकिन जब सार्वजनिक सेवाएं पूरी तरह बाजार की शर्तों पर निर्भर होने लगती हैं, तो आम नागरिक की पहुंच प्रभावित हो सकती है। बढ़ती जनसंख्या के अनुपात में सरकारी संस्थाओं, अस्पतालों, विद्यालयों और रोजगार के अवसरों का विस्तार होना चाहिए।

लेकिन यदि सार्वजनिक व्यवस्था कमजोर होती जाएगी, तो इसका सबसे अधिक असर आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों पर पड़ेगा। शिक्षा और स्वास्थ्य ऐसी मूलभूत आवश्यकताएं हैं, जिन्हें केवल व्यापार और मुनाफे के नजरिये से नहीं देखा जा सकता। अच्छी शिक्षा और बेहतर उपचार हर नागरिक की पहुंच में होना चाहिए। आर्थिक स्थिति, जाति, धर्म, लिंग या सामाजिक पृष्ठभूमि के आधार पर किसी को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं से वंचित नहीं रहना चाहिए। इसके लिए सरकारी संस्थाओं को मजबूत बनाने, निजी संस्थानों की फीस और कार्यप्रणाली पर प्रभावी नियंत्रण रखने तथा जरूरतमंदों को सुविधाएं उपलब्ध कराने की आवश्यकता है। शिक्षा के क्षेत्र में सरकारी भागीदारी और समान अवसरों को प्राथमिकता देना समय की मांग है।

लोककल्याण के लिए नीतियों में जवाबदेही जरूरी

देश का वास्तविक विकास केवल बड़े उद्योगों, ऊंची इमारतों और आर्थिक आंकड़ों से नहीं मापा जा सकता। विकास का असली अर्थ तब पूरा होगा, जब आम नागरिक को सम्मानजनक रोजगार, उचित वेतन, सस्ती शिक्षा, बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं और सुरक्षित भविष्य मिल सके। सरकार की जिम्मेदारी केवल उद्योगों को प्रोत्साहन देना नहीं, बल्कि श्रमिकों, किसानों, युवाओं और मध्यमवर्ग के हितों की रक्षा करना भी है। यदि सरकार निजी उद्योगपतियों से सामाजिक जिम्मेदारी निभाने की अपेक्षा करती है, तो उसे अपने विभागों और संस्थाओं में भी समानता, पारदर्शिता तथा कर्मचारी हितों को प्राथमिकता देनी होगी। ठेका प्रथा और अस्थायी रोजगार की समस्याओं का समाधान, श्रम कानूनों का प्रभावी पालन, सार्वजनिक शिक्षा और स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूत करना तथा महंगाई पर नियंत्रण जैसे कदम केवल घोषणाओं से नहीं, बल्कि दृढ़ राजनीतिक इच्छाशक्ति से ही संभव हैं।

अंततः सवाल यही है कि क्या देश का विकास केवल बड़े उद्योगपतियों की समृद्धि तक सीमित रहेगा या उसका लाभ अंतिम पंक्ति में खड़े नागरिक तक भी पहुंचेगा? क्या सरकार निजी क्षेत्र से जवाबदेही मांगने के साथ अपने तंत्र में भी वही आदर्श स्थापित करेगी? क्या युवाओं को वर्षों तक अस्थायी नौकरी और अनिश्चित भविष्य के भरोसे छोड़ना उचित है? और क्या शिक्षा तथा स्वास्थ्य जैसी बुनियादी सुविधाएं हर नागरिक को समान रूप से उपलब्ध कराना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता नहीं होनी चाहिए? इन सवालों के जवाब ही तय करेंगे कि विकास की दिशा वास्तव में जनकल्याण की ओर बढ़ रही है या केवल आंकड़ों और घोषणाओं तक सीमित है।

आज का राशिफल

(रविवार) 22 नवम्बर 2026

मेष
विद्यार्थियों को करियर से जुड़ी कोई अच्छी खबर मिल सकती है। दोस्तों और परिवार के साथ समय अच्छा बीतेगा

वृषभ
मेहनत का पूरा फल मिलेगा। नौकरीपेशा लोगों पर काम का दबाव बढ़ सकता है, लेकिन वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा आपके काम की सराहना होगी।

मिथुन
कारोबार के लिहाज से दिन लाभदायक रहेगा। होटल, रेस्टोरेंट या खानपान से जुड़े जातकों को अच्छा मुनाफा मिल सकता है।

कर्क
व्यापार में उम्मीद से बढ़कर लाभ हो सकता है। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी और पुराने मित्रों से मुलाकात मन को प्रसन्न करेगी।

सिंह
आपको अपने फैसलों में थोड़ा सतर्क रहने की जरूरत है। विशेषकर पैसों के लेन-देन या जोखिम भरे निवेश से बचें।

कन्या
कार्यक्षेत्र में सहकर्मियों का सहयोग मिलेगा। विदेश या दूर-दूर के स्रोतों से मुनाफा हो सकता है। खान-पान पर विशेष ध्यान दें

तुला
आर्थिक और व्यावसायिक दृष्टिकोण से दिन बहुत शानदार है। व्यापार में बिक्री बढ़ने से मुनाफा होगा।

वृश्चिक
आपके भीतर एक अलग ही ऊर्जा और उत्साह देखने को मिलेगा। बिजनेस के सिलसिले में किसी बड़े व्यक्ति से डील हो सकती है।

धनु
संतान पक्ष से कोई बड़ी खुशखबरी मिल सकती है जिससे घर में उल्लास का माहौल रहेगा। नौकरी में पदोन्नति ट्रांसफर मिल सकता है।

मकर
अटका हुआ धन प्राप्त हो सकता है। कार्यक्षेत्र में अपने अधूरे पड़े कार्यों को पूरा करने में सफल रहेंगे। वरिष्ठ जनों की सलाह आपके लिए बेहद फायदेमंद साबित होगी।

कुंभ
परिवार में लंबे समय से चली आ रही किसी समस्या का समाधान निकलेगा। यात्रा के दौरान थोड़ी सावधानी बरतें।

मीन
वैवाहिक जीवन में मधुरता बढ़ेगी। आर्थिक मामलों में समझदारी से कदम उठाएं। किसी पुराने निवेश से आपको बड़ा मुनाफा मिल सकता है।

शब्दों से परे, भावनाओं के करीबः कभी किसी से बात करने का मन होता है, लेकिन समझ नहीं आता कि किसे संदेश भेजें!

आज के डिजिटल और भागदौड़ भरे दौर में हमारी उंगलियां दिनभर मोबाइल की पर्दे पर चलती रहती हैं। सामाजिक माध्यमों पर हजारों लोग जुड़े हैं, तस्वीरों पर पसंद के निशान मिलते हैं और संदेशों का सिलसिला भी लगातार चलता रहता है। इसके बावजूद जिंदगी में कभी ऐसा पल आता है, जब मन किसी से बात करने के लिए बेचैन होता है, लेकिन समझ नहीं आता कि किसे संदेश भेजें। मन में एक सवाल उठता है–कभी किसी से बात करने की इच्छा होती है, लेकिन यह समझ नहीं आता कि अपनी बात किससे कहें। यह केवल एक पंक्ति नहीं, बल्कि आज के समय में अनेक लोगों के भीतर पलते अकेलेपन की सच्चाई है।

हर किसी का ख्याल रखने वाली स्त्री के हिस्से में क्या आता है?

समाज और परिवार में स्त्री की भूमिका अक्सर सबका ख्याल रखने वाली के रूप में देखी जाती है। सुबह से रात तक वह पति, बच्चों और परिवार की जिम्मेदारियों में लगी रहती है। घर की जरूरतों से लेकर अपनों की खुशियों तक, हर बात का ध्यान रखने में उसका दिन गुजर जाता है। इस बीच कई बार वह अपने लिए समय नहीं निकाल पाती। अपने मन की थकान, परेशानी और दुख को भी चुपचाप अपने भीतर दबा लेती है।



लेकिन सवाल यह है कि सबकी चिंता करने वाली स्त्री की चिंता कौन करता है? उसे भी कभी किसी ऐसे अपने की जरूरत होती है, जिसके सामने वह बिना किसी संकोच के अपने मन की बात कह सके। कभी किसी के कंधे पर सिर रखकर मन हल्का करने और अपनत्व भरे दो शब्द सुनने की इच्छा उसे भी होती है। अपनी भावनाएं किसी से साझा नहीं कर पाना धीरे-धीरे उसके मन पर बोझ बन जाता है।

चेहरे की सुंदरता नहीं, मन की भावनाओं को समझने वाला चाहिए

दुनिया अक्सर किसी के बाहरी रूप और चेहरे की मुस्कान को देखकर उसके खुश होने का अनुमान लगा लेती है। लेकिन हर मुस्कुराते चेहरे के पीछे खुशी हो, यह जरूरी नहीं। स्त्री भी चाहती है कि कोई ऐसा व्यक्ति हो, जो उसके रूप से आगे बढ़कर उसके मन की भावनाओं, संघर्षों और अनकहे दर्द को समझ सके। कभी-कभी उसे बड़े-बड़े वादों या महंगे उपहारों की जरूरत नहीं होती। बस कोई सच्चे मन से पूछ ले कि आज वह उदास क्यों है, दिन कैसा रहा और क्या सब ठीक है। एक छोटा-सा प्रेमभरा संदेश भी उसके पूरे दिन की थकान और मन की परेशानी को कम कर सकता है। उसके लिए सबसे बड़ी बात यही होती है कि कोई बिना कहे भी उसकी भावनाओं को समझने की कोशिश करे।

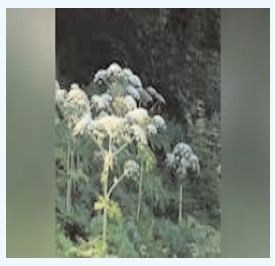
ध्यान आकर्षित करना नहीं, किसी के दिल में अपनी जगह चाहिए

आज के समय में बहुत से लोग सामाजिक माध्यमों पर लोगों का ध्यान आकर्षित करने में लगे रहते हैं। लेकिन हर व्यक्ति को भीड़ में पहचान या प्रशंसा की चाह नहीं होती। कुछ लोग केवल इतना चाहते हैं कि किसी खास व्यक्ति के दिल में उनके लिए एक छोटी-सी, सुरक्षित और सम्मानपूर्ण जगह हो। यह एहसास कि कोई उन्हें याद करता है, उनकी परवाह करता है और उनकी अनुपस्थिति को महसूस करता है, मन को एक अलग ही सुकून देता है। कई बार यही छोटी-सी भावना किसी व्यक्ति को मुश्किल समय में भी हिम्मत देती है। आज संदेशों का जवाब पहले से कहीं ज्यादा तेजी से मिलने लगा है, लेकिन दिल से किसी की बात सुनने और समझने का समय कम होता जा रहा है। रिश्तों में औपचारिकता बढ़ रही है और कई बार स्वार्थ भावनाओं पर भारी पड़ने लगता है। ऐसे में सच्चाई, ईमानदारी और निस्वार्थ अपनत्व की अहमियत और भी बढ़ जाती है। जब कोई व्यक्ति भीतर से टूट रहा होता है, तब उसे सलाह से ज्यादा किसी ऐसे इंसान की जरूरत होती है, जो उसकी बात ध्यान से सुने। हर बार समाधान देना जरूरी नहीं होता, कभी-कभी केवल साथ होना और यह भरोसा दिलाना ही काफी होता है कि वह अकेला नहीं है। भागदौड़ भरी जिंदगी में हम इतने व्यस्त हो गए हैं कि कई बार अपने ही परिवार के सदस्यों, पत्नी, मां या मित्रों के मन की स्थिति जानने की कोशिश नहीं करते। हम उनके काम, जिम्मेदारियों और जरूरतों को तो देखते हैं, लेकिन उनके भीतर चल रहे भावनात्मक संघर्षों को अनदेखा कर देते हैं। जरूरत है कि हम अपने आसपास के लोगों के लिए थोड़ा समय निकालें। किसी अपने को प्रेमभरा संदेश भेजें या फोन करके इतना ही पूछ लें–आप कैसे हैं? सब ठीक तो है? हो सकता है कि आपका यह छोटा-सा प्रयास किसी के मन का बोझ हल्का कर दे और उसके चेहरे पर मुस्कान लौटा लाए। क्योंकि रिश्तों को मजबूत बनाने के लिए हमेशा बड़े प्रयासों की जरूरत नहीं होती, कई बार सच्चे मन से पूछा गया एक सवाल ही किसी के लिए बहुत मायने रखता है।

खेलते-खेलते नदी किनारे पहुंचीं बच्चियां, जंगली पौधे की फलियां खाईं, दो की मौत

जंगली पौधे की फलियां खाईं, दो की मौत, तीसरी की हालत गंभीर

महानगर मेट्रो ब्यूरो



बिजनौर ।यूपी के बिजनौर में तीन बच्चियां गुलाह नदी के किनारे खेलने गई थीं. वहां उन्होंने कथित तौर पर कसौंदी नाम के जंगली पौधे की फलियां खा लीं. तबीयत बिगड़ने पर उन्हें अस्पताल ले जाया गया, लेकिन दो की जान नहीं बच सकी.बच्चे खेलते हुए अक्सर ऐसी चीजें उठा लेते हैं, जिनके बारे में उन्हें कुछ पता नहीं होता. कभी कोई पत्ता, कभी फूल, तो कभी पेड़-पौधे पर लगा फल. उत्तर प्रदेश के बिजनौर में तीन छोटी बच्चियों के साथ दुखद घटना हुई है. तीनों घर से खेलने निकली थीं. गुलाह नदी के किनारे पहुंचीं और वहां उगे एक जंगली पौधे की फलियां तोड़कर खा लीं. कुछ देर बाद उनकी तबीयत बिगड़ गई. परिवार वाले उन्हें डॉक्टर के पास लेकर पहुंचे, लेकिन दो बच्चियों को बचाया नहीं जा सका. तीसरी बच्ची अस्पताल में जिंदगी के लिए जूझ रही है.घटना बिजनौर के बढ़ापुर इलाके की है. पुलिस के मुताबिक, बुधवार को तीन बच्चियां गुलाह नदी के पास खेलने गई थीं. इनमें दो छह साल की हैं, और एक चार साल की है. खेलते हुए तीनों नदी के किनारे उगे कसौंदी नाम के जंगली पौधे तक पहुंच गईं. उन्होंने पौधे पर लगी फलियां तोड़ीं और खा लीं. इसके बाद उनकी तबीयत बिगड़ने लगी. परिवार वाले पहले तीनों को एक प्राइवेट डॉक्टर के पास ले गए. लेकिन हालत में सुधार नहीं हुआ.बढ़ापुर थाना प्रभारी धर्मेंद्र कुमार के मुताबिक, गुरुवार देर शाम छह साल की बच्ची की मौत हो गई. इसके अगले दिन यानी शुक्रवार को चार साल की बच्ची ने भी दम तोड़ दिया. दो बच्चियों की मौत के बाद परिवारों में मातम पसरा है. पुलिस अधिकारी ने बताया कि दोनों बच्चियों के शवों को बिना पोस्टमॉर्टम कराए दफना दिया गया. तीसरी बच्ची साधिका की हालत गंभीर बनी हुई है. उसे बिजनौर के जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है और उसका इलाज चल रहा है.बिजनौर के एडिशनल एसपी गौतम राय ने बताया कि दोनों बच्चियों की मौत जहरीली फलियां खाने के बाद हुई. घटना की जानकारी स्वास्थ्य विभाग को भी दे दी गई है. छोटे बच्चे अक्सर खेलते समय आसपास की चीजों को छूते या मुंह में डाल लेते हैं. ऐसे में घर के आसपास या खेलने की जगहों पर मौजूद अनजान पौधों और उनके फल-फूल को लेकर सावधानी जरूरी है. परिवारों के लिए यह हादसा ऐसा दुख छोड़ गया है,

शव लेकर जा रही एम्बुलेंस का खौफनाक एक्सीडेंट, पिकअप में पीछे से मारी टक्कर... 5 की मौत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बाराबंकी । बाराबंकी में पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर शनिवार सुबह तेज रफ्तार एम्बुलेंस आगे चल रहे पिकअप में जा घुसी. हादसे में एम्बुलेंस सवार पांच लोगों की मौत हो गई. पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और शुरुआती जांच में तेज रफ्तार व धुंध को हादसे की वजह माना जा रहा है. उत्तर प्रदेश के बाराबंकी में पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर शनिवार सुबह भीषण सड़क हादसा हो गया. राजस्थान के जयपुर से एक शव लेकर गाजीपुर जा रही एम्बुलेंस खड़े पिकअप वाहन में पीछे से जा घुसी. हादसे में एम्बुलेंस सवार पांच लोगों की मौत हो गई. मरने वालों में एम्बुलेंस के दो चालक और तीन अन्य लोग शामिल हैं.हादसा पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे के 53.3 किलोमीटर पॉइंट के पास थाना सुबेहा क्षेत्र के घेरावन गांव के पास हुआ. पुलिस के मुताबिक, दुर्घटना सुबह करीब 6:30 बजे हुई. एम्बुलेंस तेज रफ्तार में थी और आगे खड़े पिकअप वाहन में पीछे से जा टकराई. टक्कर इतनी जोरदार थी कि एम्बुलेंस में सवार पांचों लोग घायल हो गए.हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस और रेस्क्यू टीम मौके पर पहुंची. सभी घायलों को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने पांचों को मृत घोषित कर दिया. पुलिस ने सभी शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है.पुलिस के मुताबिक, एम्बुलेंस जयपुर से एक शव लेकर गाजीपुर जा रही थी. इसी दौरान पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर यह हादसा हो गया. हादसे के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने दुर्घटना से जुड़ी जानकारी जुटाई और आगे की कार्रवाई शुरू की.पुलिस का कहना है कि शुरुआती जांच में तेज रफ्तार और धुंध को हादसे की संभावित वजह माना जा रहा है. हालांकि, टक्कर किन परिस्थितियों में हुई



खरीदारी के बहाने सर्राफा कारोबारी को उलझाया, 65 ग्राम सोने के सिक्के लेकर फरार



महानगर मेट्रो ब्यूरो

गाजियाबाद। सर्राफा बाजार में खरीदारी के बहाने दुकानों पर पहुंचकर चोरी करने वाले शातिर अब कारोबारियों को उनकी ही दुकान में चकमा दे रहे हैं। डासना गेट बाजार स्थित श्रीराम ज्वेलर्स में बृहस्पतिवार को ऐसी ही वारदात सामने आई। ग्राहक बनकर पहुंचे एक व्यक्ति ने कारोबारी को आभूषण दिखाने में उलझाया और मौका मिलते ही करीब 65 ग्राम सोने के सिक्के जेब में रखकर फरार हो गया। चोरी हुए सोने की कीमत साढ़े छह लाख रुपये से अधिक बताई गई है।दुकान संचालक नरेंद्र वर्मा के अनुसार, दोपहर करीब डेढ़ बजे एक व्यक्ति दुकान पर पहुंचा और आभूषण देखने की इच्छा जताई। कारोबारी उसे सामान दिखाने लगे। इसी दौरान आरोपी ने उनकी नजरों से बचकर सोने के सिक्के अपनी जेब में रख लिए। इसके बाद वह सामान्य तरीके से दुकान से बाहर निकल गया। कुछ समय बाद सिक्के गायब होने का पता चलने पर दुकान के निगरानी कैमरों की फुटेज देखी गई, जिसमें आरोपी की करतूत सामने आ गई।फुटेज में दिखाई दे रहा है कि व्यक्ति बातचीत और लेन-देन के बहाने कारोबारी को लगातार उलझाए रखता है। इसी दौरान वह दुकान में रखे सोने के सिक्के चुरा लेता है और फिर वहां से निकल जाता है। पूरी वारदात कैमरे में दर्ज हो गई।

अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज

मामले में नगर कोतवाली पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। उल्लेखनीय है कि इससे पहले सिद्धार्थ विहार में भी दो महिलाएं एक आभूषण कारोबारी की दुकान से सोने के टॉप्स चोरी कर ले गई थीं। लगातार सामने आ रही ऐसी घटनाओं से सर्राफा कारोबारियों की चिंता बढ़ गई है। कारोबारियों ने पुलिस प्रशासन से दुकानों की सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने और आरोपियों को जल्द गिरफ्तार करने की मांग की है।एसीपी कोतवाली उपासना पांडेय के अनुसार, दोनों मामलों में आरोपियों तक पहुंचने के लिए पुलिस की टीमें लगाई गई हैं।

ट्रेन में सीट को लेकर बवाल! महिला और GRP कॉन्स्टेबल के बीच जमकर हुई मारपीट, 6 यात्रियों पर केस

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बिजनौर। बिजनौर में ट्रेन में सीट पर बैठने को लेकर दो परिवारों के बीच शुरू हुआ विवाद GRP सिपाही और महिला के बीच मारपीट तक पहुंच गया. महिला ने सिपाही पर मारपीट का आरोप लगाया, जबकि GRP ने छह यात्रियों के खिलाफ अपने जवानों से मारपीट और सरकारी काम में बाधा डालने का केस दर्ज कराया है.ट्रेन में सफर के दौरान सीट को लेकर होने वाला विवाद इतना बढ़ गया कि मामला मारपीट और पुलिस तक पहुंच गया. अमृतसर जा रही जननायक एक्सप्रेस में दो परिवारों के बीच सीट पर बैठने को लेकर कहासुनी शुरू हुई. आरोप है कि इस दौरान मौके पर पहुंचे जीआरपी के एक कॉन्स्टेबल और महिला पक्ष के बीच भी विवाद हो गया.महिला ने कॉन्स्टेबल पर मारपीट का आरोप लगाया है. वहीं, जीआरपी मुरादाबाद का कहना है कि ट्रेन में एस्कॉर्ट ड्यूटी कर रहे पुलिसकर्मियों के साथ छह यात्रियों ने मारपीट, गाली-गलौज और सरकारी काम में रुकावट डाली. इस पूरे मामले में जीआरपी नजीबाबाद में चार महिलाओं सहित छह लोगों के खिलाफ केस दर्ज हुआ है. इनमें से दो युवकों को गिरफ्तार कर मुरादाबाद ले जाया गया. घटना को लेकर महिला पक्ष के आरोप और जीआरपी का पक्ष एक-दूसरे से अलग है.दरअसल, बुधवार 18 नवंबर की शाम करीब 6:30 बजे मुरादाबाद स्टेशन से जननायक एक्सप्रेस नजीबाबाद के लिए रवाना हुई थी. ट्रेन में बिहार की रहने वाली एक महिला अपनी सीट पर लेटी हुई थी. इसी दौरान दूसरे परिवार की एक महिला ने उससे बैठने के लिए जगह मांगी. आरोप है कि महिला के सीट खाली न करने पर दोनों परिवारों के बीच कहासुनी शुरू हो गई.इस मामले को लेकर महिला का कहना है कि वह छठ पूजा के बाद अपने घर लौट रही थी. वह हाई ब्लड प्रेशर की पेशेंट है और उसकी तबीयत



ठीक नहीं थी. ऐसे में पास बैठे एक यात्री ने उसे अपनी सीट पर आराम करने के लिए जगह दे दी थी. पीड़ित महिला की बेटी का कहना है कि शुरुआत में कोच में सभी यात्री अपनी-अपनी सीटों पर बैठे थे.इसी दौरान दो महिलाओं को बैठने के लिए जगह चाहिए थी. वे आगे चली गईं, लेकिन कुछ देर बाद जीआरपी का एक सिपाही उन्हें अपने साथ लेकर वापस आया और उन्हें बैठाने के लिए कहने लगा.पीड़ित महिला की बेटी का आरोप है कि उस समय पहले से ही सीटों पर लोग बैठे थे और जगह नहीं होने के कारण वे दूसरी महिला को नहीं बैठा सके. इसके बाद सिपाही ने अपना मोबाइल निकालकर वीडियो बनाना शुरू कर दिया. बेटी का कहना है कि इसी दौरान सिपाही ने उसका कॉलर पकड़ लिया. इसके बाद दोनों पक्षों के बीच विवाद बढ़ गया और मारपीट शुरू हो गई. महिला पक्ष का आरोप है कि इस दौरान जीआरपी के कॉन्स्टेबल ने उसकी मां के साथ मारपीट की,इस दौरान जीआरपी के कॉन्स्टेबल ने उसकी मां के साथ मारपीट की

इन्दौर में मोहन मुनि जी महाराज की गुणानुवाद सभाः सैकड़ों श्रावकों ने हाथ में डंडा लेकर की खड़ी सामायिक, अद्भुत रहा अनूठा दृश्य

महानगर मेट्रो ब्यूरो



इन्दौर। इन्दौर के एयरपोर्ट रोड स्थित नरसिंह वाटिका में बने दिवाकर दरबार में आज एक अत्यंत भावपूर्ण एवं अनूठा धार्मिक आयोजन सम्पन्न हुआ। परम पूज्य तपस्वीराज, श्रमण संघीय महामंत्री एवं वचन सिद्धि लब्धि धारक श्री मोहन मुनि जी महाराज की गुणानुवाद सभा अनुष्ठान आराधिका और ज्योतिष चन्द्रिका डॉ. कुमुद लता जी महाराज आदि ठाणा-4 के पावन सान्निध्य में आयोजित की गई, जिसमें सैकड़ों श्रावक-श्राविकाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस सभा का सबसे भावुक और अनोखा क्षण वह था, जब सभी श्रावक-श्राविकाओं ने एक साथ खड़ी सामायिक की। उल्लेखनीय है कि मोहन मुनि जी महाराज के हाथ में हमेशा परम पूज्य जैन दिवाकर चौथमल जी महाराज का काला डंडा रहता था, जो उनकी लब्धि और दिव्यता का प्रतीक था। उसी महान परंपरा की स्मृति में आज सभी उपस्थित श्रावकों ने अपने हाथों में डंडा लेकर सामायिक की विशेष साधना की। जब सैकड़ों हाथों में डंडा और मुख पर दिवाकर एवं मोहन चालीसा गूँज रही थी, तब पूरा दिवाकर दरबार तप, श्रद्धा और अगाध गुरुभक्ति से सराबोर हो उठा। उपस्थित श्रावकों ने एक स्वर में कहा कि ऐसा अभूतपूर्व दृश्य उन्होंने अपने जीवन में पहली बार देखा है। इस अवसर पर गुरुमाँ डॉ. कुमुद लता जी महाराज ने मोहन मुनि जी महाराज के तप, उनके जीवन के ऊंचे आदर्शों, वचन सिद्धि और श्रमण संघ के प्रति उनके अपार समर्पण का भावपूर्ण स्मरण किया। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि मोहन मुनि जी महाराज केवल एक नाम नहीं, बल्कि तपस्या की एक जीवंत परंपरा हैं। उनके हाथ का काला डंडा हमेशा निर्भयता का प्रतीक रहा है। आज हम सबने हाथ में डंडा लेकर सामायिक की है, जिसका सीधा अर्थ यह है कि हमने भी अपने जीवन में निर्भय होकर धर्म के मार्ग पर चलने का दृढ़ संकल्प लिया है। गुरुमाँ ने इस दौरान इन्दौर महावीर भवन के जीर्णोद्धार, रतलाम कोठी स्थानक, महावीर नगर स्थानक और रतलाम जैन दिवाकर हॉस्पिटल के निर्माण कार्यों में गुरुदेव के अमूल्य योगदान और प्रेरणा को भी विशेष रूप से याद किया। कार्यक्रम के दौरान खड़ी सामायिक की सुंदर व्यवस्था में अशोक मधु मंडलीक का विशेष सहयोग रहा। पूरे कार्यक्रम का सफल संचालन चातुर्मास समिति के मुख्य समन्वयक श्री जिनेश्वर जैन ने किया, जिन्होंने सभी श्रावक-श्राविकाओं का आभार जताते हुए आगामी आयोजनों की रूपरेखा साझा की।

सागर में बिजली कंपनी के संभागीय भंडार में भीषण आग, सैकड़ों ट्रांसफार्मर और मीटर जलकर खाक

महानगर मेट्रो ब्यूरो



सागर। मध्य प्रदेश के सागर जिले के मकरोनिया क्षेत्र में शुक्रवार रात बिजली कंपनी के संभागीय भंडार में भीषण आग लग गई। रात करीब 11 बजे मध्य प्रदेश विद्युत मंडल (एमपीईबी) के केंद्रीय भंडार परिसर से आग की ऊंची लपटें उठने लगीं। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया और परिसर में रखे सैकड़ों ट्रांसफार्मर, पुराने बिजली मीटर तथा अन्य विद्युत सामग्री इसकी चपेट में आ गई। आग की लपटें इतनी ऊंची थीं कि दूर से ही दिखाई दे रही थीं। घटना के बाद पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, आग की शुरुआत भंडार में रखे पुराने बिजली मीटरों से होने की आशंका जताई जा रही है। बताया जा रहा है कि मीटरों में लगी आग तेजी से आसपास रखे ट्रांसफार्मर और अन्य विद्युत उपकरणों तक फैल गई। कुछ ही देर में आग ने बड़े हिस्से को अपनी चपेट में ले लिया। भंडार में रखी सैकड़ों वस्तुओं के जलने की सूचना है, हालांकि नुकसान का वास्तविक आकलन अभी नहीं हो पाया है।

पास में पटाखों की दुकान से बढ़ा खतरा

इस घटना में सबसे अधिक चिंता भंडार के नजदीक मौजूद पटाखों की दुकान को लेकर रही। आग की लपटें लगातार फैल रही थीं और पास में ज्वलनशील सामग्री होने के कारण बड़े हादसे की आशंका पैदा हो गई थी। स्थानीय लोगों और प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, आग ने कुछ ही समय में भयावह रूप ले लिया था। पटाखों की दुकान की निकटता के चलते आसपास के लोगों में दहशत फैल गई घटना की सूचना मिलते ही मकरोनिया नगर पालिका की दमकल टीम मौके पर पहुंची और आग बुझाने का प्रयास शुरू किया। हालांकि, आग की तीव्रता को देखते हुए एक दमकल गाड़ी पर्याप्त साबित नहीं हुई। इसके बाद सागर नगर निगम सहित आसपास के अन्य स्थानों से भी दमकल गाड़ियां बुलाई गईं। दमकलकर्मियों ने आग पर काबू पाने के लिए लगातार प्रयास किए।फिलहाल आग लगने का वास्तविक कारण स्पष्ट नहीं हो पाया है। शुरुआती तौर पर पुराने मीटरों से आग शुरू होने की बात सामने आई है, लेकिन इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। आग लगने के कारणों और संपत्ति को हुए नुकसान का पता जांच तथा आकलन के बाद ही चल सकेगा।

नोएडा से आगे बढ़ा उत्तर प्रदेश का सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र, लखनऊ से गोरखपुर तक विकसित हो रहे नए केंद्र

चार शहरों में नए सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्क निर्माणाधीन, लखनऊ में एचसीएल परिसर का होगा विस्तार; छोटे शहरों के युवाओं को अपने ही प्रदेश में रोजगार देने की तैयारी

महानगर मेट्रो ब्यूरो



लखनऊ। उत्तर प्रदेश में सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र का विस्तार अब नोएडा से आगे बढ़कर दूसरे शहरों तक पहुंच रहा है। राज्य सरकार की योजना सूचना प्रौद्योगिकी से जुड़े निवेश और रोजगार के अवसरों को छोटे शहरों तक पहुंचाने की है, ताकि युवाओं को तकनीकी क्षेत्र में नौकरी पाने के लिए दूसरे राज्यों का रुख न करना पड़े। इसी दिशा में चार नए शहरों में सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्क विकसित किए जा रहे हैं। इसके साथ ही लखनऊ में एचसीएल के परिसर का भी विस्तार किया जा रहा है।

चार नए शहरों में बन रहे सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्क

निवेश उत्तर प्रदेश से प्राप्त जानकारी के अनुसार, वर्तमान में नोएडा, मेरठ, लखनऊ, कानपुर, प्रयागराज और आगरा में सूचना प्रौद्योगिकी पार्क तथा सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्क केंद्र संचालित हैं। अब वाराणसी, बरेली, कानपुर के पनकी क्षेत्र और गोरखपुर में चार नए सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्क विकसित किए जा रहे हैं। 6 अक्टूबर 2026 को आयोजित एक कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने बताया था कि प्रदेश में सात सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्क संचालित हैं। वहीं, गौतमबुद्ध नगर में सूचना प्रौद्योगिकी और सूचना प्रौद्योगिकी आधारित सेवाओं से जुड़े 12 विशेष आर्थिक क्षेत्र हैं। इन केंद्रों के विस्तार से प्रदेश में तकनीकी निवेश और रोजगार के नए अवसर पैदा होने की उम्मीद है।

सूचना प्रौद्योगिकी नीति में भी बदलाव

उत्तर प्रदेश की सूचना प्रौद्योगिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी आधारित सेवा नीति-2022 की अधिसूचना 18 नवंबर 2022 को जारी की गई थी। अब राज्य मंत्रिमंडल ने इस नीति के पहले संशोधन को मंजूरी दी है। इसका उद्देश्य निवेश प्रोत्साहनों का दायरा बढ़ाना और नोएडा से बाहर भी सूचना प्रौद्योगिकी कंपनियों को निवेश के लिए आकर्षित करना है। इसके अलावा, प्रदेश की प्रारंभिक उद्यम नीति के तहत नोएडा और लखनऊ को उन्नत तकनीक के प्रमुख केंद्र के रूप में विकसित करने का लक्ष्य रखा गया है। इससे नए उद्यमों, तकनीकी नवाचार और रोजगार के अवसरों को बढ़ावा देने की योजना है।

लखनऊ में एचसीएल परिसर का दूसरा चरण शुरू

6 अक्टूबर 2026 को एचसीएल टेक के लखनऊ परिसर की दसवीं वर्षगांठ के अवसर पर मुख्यमंत्री ने एचसीएल सूचना प्रौद्योगिकी नगर के दूसरे चरण की शुरुआत की। इस परियोजना के तहत 20 एकड़ भूमि पर लगभग 9.5 लाख वर्ग फुट क्षेत्र में निर्माण किया जाएगा। इसमें करीब 500 करोड़ रुपये का निवेश प्रस्तावित है।परियोजना के अंतर्गत नई सूचना प्रौद्योगिकी इमारत बनाई जाएगी, जिसमें लगभग पांच हजार लोगों के काम करने की क्षमता होगी। इससे करीब छह हजार प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर पैदा होने की उम्मीद जताई गई है। इसके साथ ही एचसीएल ने स्थानीय महाविद्यालयों के एक हजार विद्यार्थियों को कृत्रिम बुद्धिमत्ता का प्रशिक्षण देने की भी घोषणा की है।सूचना प्रौद्योगिकी निर्यात एक लाख करोड़ रुपये के पार मुख्यमंत्री के अनुसार, प्रदेश का सूचना प्रौद्योगिकी और उससे जुड़ी सेवाओं का निर्यात पिछले एक दशक में लगभग 12 से 15 हजार करोड़ रुपये से बढ़कर एक लाख करोड़ रुपये के पार पहुंच गया है। सरकार ने अगले चार वर्षों में इसे बढ़ाकर 2.5 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा है। ये आंकड़े सरकार की ओर से प्रस्तुत किए गए हैं।प्रदेश में नए तकनीकी केंद्रों का विस्तार केवल निवेश बढ़ाने तक सीमित नहीं है। इसका एक बड़ा उद्देश्य छोटे शहरों के युवाओं को स्थानीय स्तर पर रोजगार उपलब्ध कराना भी है। अब यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि निर्माणाधीन पार्क कितनी जल्दी पूरी तरह संचालित होते हैं और इनके माध्यम से युवाओं को कितने वास्तविक रोजगार के अवसर मिल पाते हैं।

भोपाल में तैयार हुई देश की पहली स्वदेशी बर्ड फ्लू वैक्सीन, मुर्गियों को छह महीने तक सुरक्षा का दावा

महानगर मेट्रो ब्यूरो



भोपाल। बर्ड फ्लू के बढ़ते खतरे और इससे मुर्गीपालन उद्योग को होने वाले भारी नुकसान से निपटने की दिशा में भारत ने महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। भोपाल स्थित भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के राष्ट्रीय उच्च सुरक्षा पशु रोग संस्थान के वैज्ञानिकों ने देश की पहली स्वदेशी बर्ड फ्लू वैक्सीन विकसित की है। इसे शुक्रवार, 20 नवंबर को केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने जारी किया। वैज्ञानिकों का दावा है कि इस टीके की एक खुराक मुर्गियों को छह महीने तक सुरक्षा प्रदान कर सकती है।बर्ड फ्लू का संक्रमण फैलने पर मुर्गीपालन व्यवसाय को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है। एच5एन1 विषाणु के संक्रमण से कई मामलों में मुर्गियों की मृत्यु दर 100 प्रतिशत तक पहुंच सकती है। संक्रमण पर नियंत्रण पाने के लिए बड़े पैमाने पर मुर्गियों को मारना भी पड़ता है। इससे न केवल मुर्गीपालकों को नुकसान होता है, बल्कि अंडों के उत्पादन और चिकन की आपूर्ति पर भी असर पड़ता है।

भारतीय विषाणु के प्रकार को ध्यान में रखकर तैयार किया टीका

यह स्वदेशी वैक्सीन भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के राष्ट्रीय उच्च सुरक्षा पशु रोग संस्थान ने विकसित की है। इसे एच5एन1 विषाणु के भारतीय प्रकार क्लेड 2.3.2.1ए के विरुद्ध तैयार किया गया है। वैज्ञानिकों के अनुसार, एक खुराक से छह महीने तक सुरक्षा मिलने की संभावना है। इससे बार-बार टीकाकरण की आवश्यकता कम हो सकती है और मुर्गीपालन केंद्रों में संक्रमण का खतरा घटाने में मदद मिल सकती है।दुनिया के कई देशों में बर्ड फ्लू के टीके उपलब्ध हैं। चीन, मिस्र और वियतनाम जैसे देशों ने भी इस दिशा में काम किया है।

रील बनाने के लिए हाइवे पर किया जानलेवा करतब, चलती कार की छत पर चढ़कर पी शराब

महानगर मेट्रो ब्यूरो



राजगढ़। सामाजिक माध्यमों पर प्रसिद्धि पाने और अपनी रील प्रसारित करने के चक्कर में एक युवक ने राष्ट्रीय राजमार्ग-52 पर ऐसा खतरनाक करतब किया, जिससे उसकी ही नहीं, बल्कि सड़क से गुजर रहे अन्य लोगों की जान भी खतरे में पड़ सकती थी। युवक ने चालू कार को छोड़कर उसकी छत पर चढ़कर शराब पी और इस करतब का वीडियो बनाकर सामाजिक माध्यम पर डाल दिया। वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए युवक को गिरफ्तार कर लिया और घटना में इस्तेमाल कार भी जब्त कर ली।प्रसारित वीडियो में दिखाई दे रहा है कि युवक कार को चालू हालत में छोड़कर चालक की सीट से बाहर निकलता है और उसकी छत पर चढ़कर खड़ा हो जाता है। इसके बाद वह हाथ में शराब की बोतल लेकर पीने लगता है। यह पूरा घटनाक्रम राष्ट्रीय राजमार्ग पर हुआ, जहां से लगातार दूसरे वाहन गुजरते रहते हैं। ऐसे में कार का संतुलन बिगड़ने या किसी अन्य वाहन से टकराने की स्थिति में बड़ा हादसा हो सकता था।

31 अक्टूबर की रात बनाया था वीडियो

वीडियो सामने आने के बाद राजगढ़ कोतवाली पुलिस ने मामले का संज्ञान लिया। पुलिस ने वीडियो के आधार पर युवक की पहचान कर उसे गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसने यह वीडियो 31 अक्टूबर 2026 की रात बनाया था और बाद में अपने सामाजिक माध्यम खाते पर साझा कर दिया था।पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार युवक की पहचान 25 वर्षीय मुकेश तंवर के रूप में हुई है। वह राजगढ़ के रामपुरिया गांव का निवासी है। पुलिस ने स्टंट में इस्तेमाल की गई कार जब्त कर आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। प्रकरण की आगे जांच की जा रही है।राजगढ़ कोतवाली पुलिस ने लोगों से अपील की है कि सामाजिक माध्यमों पर प्रसिद्धि पाने के लिए सार्वजनिक सड़कों और राजमार्गों पर इस तरह के खतरनाक करतब न करें। ऐसी लापरवाही से न केवल स्वयं की जान जोखिम में पड़ती है,

कांग्रेस के संगठनात्मक फेरबदल में मध्य प्रदेश के पांच नेताओं को मिली राष्ट्रीय जिम्मेदारी

महानगर मेट्रो ब्यूरो



भोपाल। कांग्रेस ने संगठनात्मक स्तर पर फेरबदल करते हुए मध्य प्रदेश के चार नेताओं को प्रदेश का सह-प्रभारी नियुक्त किया है। इसके साथ ही राज्य के पांच नेताओं को दूसरे राज्यों में राष्ट्रीय सचिव और सह-प्रभारी की जिम्मेदारी सौंपी गई है। ये नियुक्तियां पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की ओर से किए गए व्यापक संगठनात्मक बदलाव का हिस्सा हैं।मध्य प्रदेश के नए सह-प्रभारियों में नीतू वर्मा सोइन, पल भाई अंबालिया, डॉ. अजय कुमार पासवान और ओमवीर यादव शामिल हैं। ये नेता प्रदेश कांग्रेस नेतृत्व के साथ मिलकर संगठनात्मक गतिविधियों की निगरानी करेंगे और पार्टी के सांगठनिक ढांचे को मजबूत करने में सहयोग देंगे।वहीं, पूर्व विधायक कुणाल चौधरी, हिना कांवरे, भूपेंद्र मरावी, मनोज चौहान और पोरलाल खरते को दूसरे राज्यों में राष्ट्रीय सचिव और सह-प्रभारी की जिम्मेदारी दी गई है। इनमें हिना कांवरे को पंजाब और कुणाल चौधरी को उत्तर प्रदेश की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

बिजली के खंभों को घेरकर बना लिया वॉशरूम, कहीं बालकनी तो कहीं रैंप से कब्जा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में अतिक्रमण का हैरान करने वाला मामला सामने आया है। कहीं मकानों की बालकनी बिजली के खंभों पर टिकी हुई है, तो कहीं खंभों को चारों तरफ से घेरकर उनके बीच वॉशरूम तक बना लिया गया है। नॉर्थ और बाहरी दिल्ली में बिजली के खंभों, उच्च क्षमता वाली विद्युत लाइनों और बिजली से जुड़े अन्य बुनियादी ढांचों पर किए गए ऐसे अवैध कब्जों के खिलाफ बिजली वितरण कंपनी टाटा पावर (डीडीएल) ने सख्त कार्रवाई शुरू की है। कंपनी ने अब तक 4,071 लोगों को नोटिस जारी किए हैं, जबकि 2,374 लोगों को अवैध निर्माण हटाने के अंतरिम आदेश दिए गए हैं। जांच के दौरान अतिक्रमण के कई चौंकाने वाले मामले सामने आए हैं। पटेल नगर में एक व्यक्ति ने बिजली के खंभों को चारों तरफ से घेरकर उनके बीच ही अपने मकान का वॉशरूम बना लिया था। बिजली कंपनी के अधिकारियों की जानकारी में मामला आने के बाद इस अवैध निर्माण को तोड़ दिया गया। कंपनी का कहना है कि बिजली के खंभों और अन्य विद्युत ढांचों के आसपास इस तरह का कब्जा सुरक्षा के लिहाज से गंभीर खतरा पैदा कर सकता है।



खंभों तक पहुंचा दिए मकानों के रैंप

बिजली वितरण कंपनी के एक अधिकारी के अनुसार, जिन मकानों के आसपास बिजली के खंभे लगे हैं, उनमें से कई लोगों ने अपने घरों से रैंप निकालकर खंभों तक पहुंचा दिए हैं और उन्हें भी निर्माण के दायरे में शामिल कर लिया है। कुछ स्थानों पर मकानों की बालकनी बिजली के खंभों के सहारे बनाई गई है।

इन्फ्लुएंसर से शादी की जिद में घर में घुसा युवक, पिटाई के बाद एक सप्ताह में मौत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली के मधु विहार इलाके में एक महिला सोशल मीडिया प्रभावशाली व्यक्तित्व से शादी करने की जिद में उसके घर में घुसे युवक की मारपीट के बाद अस्पताल में मौत हो गई। युवक की पहचान उत्तर प्रदेश के गाजीपुर निवासी अभिनव के रूप में हुई है, जो चेन्नई की एक निजी कंपनी में काम करता था। आरोप है कि महिला के घर में जबरन प्रवेश कर शादी की मांग करने पर परिवार के सदस्यों और कुछ पड़ोसियों ने उसकी पिटाई कर दी। गंभीर रूप से घायल अभिनव ने करीब एक सप्ताह तक अस्पताल में उपचार के बाद 15 नवंबर को दम तोड़ दिया। पुलिस ने इस मामले में गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज कर महिला के पिता और एक पड़ोसी को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, अभिनव 7 नवंबर को पूर्वी दिल्ली के मधु विहार स्थित महिला के घर पहुंचा था। उस समय महिला घर पर ही मौजूद थी। आरोप है कि अभिनव जबरन घर में घुस गया और उससे शादी करने की जिद करने लगा। अगले दिन दर्ज कराई गई प्राथमिकी में बताया गया कि वह शराब के नशे में था। उसकी इस हरकत से महिला के परिवार वाले नाराज हो गए। इसके बाद परिवार के सदस्यों और कुछ पड़ोसियों ने उसकी पिटाई कर दी। घटना की सूचना बाद में पुलिस को दी गई। पीठ और पैर में आई थीं गंभीर चोटें पुलिस जब मौके पर पहुंची तो अभिनव की पीठ और दाहिने पैर पर गंभीर चोटें थीं। उसे तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया। बाद में हालत गंभीर होने पर उसे राजीव गांधी अस्पताल भेजा गया, जहां 15 नवंबर को उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। इसके बाद पुलिस ने मामले में गैर इरादतन हत्या की धाराएं जोड़ते हुए जांच तेज कर दी। महिला के पिता और एक पड़ोसी को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस अब यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि मारपीट में परिवार और आसपास के कितने लोग शामिल थे। महिला की शादी को लेकर परेशान था युवक जांच में सामने आया है कि अभिनव नियमित रूप से महिला के सामाजिक माध्यमों पर प्रकाशित सामग्री देखता था। धीरे-धीरे उसके मन में महिला के प्रति एकतरफा भावनाएं पैदा हो गई थीं। पुलिस के मुताबिक, कुछ महीने पहले भी वह प्रशंसक के रूप में महिला के घर पहुंचा था। बताया जा रहा है कि अभिनव महिला की किसी अन्य व्यक्ति से होने वाली शादी को लेकर परेशान था, जबकि महिला उसे जानती तक नहीं थी। दूसरी ओर, महिला ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम और यूट्यूब खातों पर सगाई और आगामी शादी से जुड़े वीडियो भी साझा किए थे।



मुंबई नेवल डॉकयार्ड से संवेदनशील तस्वीरें साझा करने के आरोप में अप्रेंटिस गिरफ्तार, पाकिस्तानी संपर्कों की जांच



महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। भारतीय नौसेना के ठिकानों की संवेदनशील तस्वीरें और वीडियो सामाजिक माध्यमों पर साझा करने के आरोप में मुंबई पुलिस ने नेवल डॉकयार्ड में कार्यरत 21 वर्षीय अप्रेंटिस बंटी रामप्रकाश मीणा को गिरफ्तार किया है। पुलिस को संदेह है कि प्रतिबंधित सामग्री साझा करने के लिए इस्तेमाल किए गए ऑनलाइन खाते का संपर्क पाकिस्तान में बैठे लोगों से हो सकता है। हालांकि, अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि इस संभावित सीमा पार संपर्क की जांच अभी जारी है। आरोपी राजस्थान के करौली जिले का रहने वाला है। मुंबई पुलिस की सामाजिक माध्यम डिजिटल प्रयोगशाला को एक सूचना मिली थी, जिसमें इंस्टाग्राम खाते के जरिए संवेदनशील रक्षा संबंधी तस्वीरें और वीडियो प्रसारित किए जाने की जानकारी सामने आई थी। इसके बाद कोलाबा पुलिस ने तकनीकी निगरानी और डिजिटल पड़ताल शुरू की। जांचकर्ताओं ने संबंधित इंस्टाग्राम खाते का पता लगाया और 20 नवंबर को बंटी रामप्रकाश मीणा को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद आरोपी के खिलाफ सरकारी गोपनीयता अधिनियम, सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम और भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न गंभीर धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। स्थानीय अदालत में पेश किए जाने पर उसे आगे की पूछताछ के लिए 23 नवंबर तक पुलिस हिरासत में भेज दिया गया। पुलिस अब आरोपी के इंस्टाग्राम और वॉट्सऐप खातों, बातचीत तथा अन्य डिजिटल गतिविधियों की बारीकी से जांच कर रही है। जांच का उद्देश्य यह पता लगाना है कि संवेदनशील सामग्री साझा करने के पीछे कोई अन्य व्यक्ति या समूह भी शामिल था या नहीं। साथ ही यह भी पता लगाया जा रहा है कि आरोपी का पाकिस्तान में बैठे किसी व्यक्ति से संपर्क था या नहीं।अधिकारियों ने आरोपी का मोबाइल फोन, सिम कार्ड और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण भी जांच के लिए जब्त किए हैं। इन उपकरणों की विधि-विज्ञान प्रयोगशाला में जांच कराई जाएगी। पुलिस का मानना है कि डिजिटल साक्ष्यों के विश्लेषण से इस कथित सुरक्षा चूक और संभावित विदेशी संपर्कों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी मिल सकती है। फिलहाल मामले की जांच जारी है और आरोपों की पुष्टि होना बाकी

1965 और 1971 के युद्धों के वीर योद्धा लेफ्टिनेंट जनरल अशोक जोशी का निधन, छत से गिरने से गई जान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पुणे। भारतीय सेना के सम्मानित पूर्व अधिकारी लेफ्टिनेंट जनरल अशोक जोशी का बुधवार सुबह निधन हो गया। उन्होंने 1965 और 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्धों में हिस्सा लिया था और सेना में महानिदेशक सैन्य प्रशिक्षण के महत्वपूर्ण पद पर भी सेवाएं दी थीं। 90 वर्षीय जोशी पुणे के वानवड़ी इलाके के सालुंके विहार स्थित अपनी आवासीय इमारत की छत से गिर गए। उनका शव इमारत की छत पर मिला। पुलिस ने कोंढवा थाने में आकस्मिक मृत्यु का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, बुधवार सुबह जोशी ने अपने घरेलू सहायक को बताया था कि वे सर्दियों की धूप सेंकने के लिए छत पर जा रहे हैं। वे इमारत की तीसरी मंजिल पर स्थित अपने फ्लैट में रहते थे। कुछ समय बाद इमारत में रहने वाले लोगों ने छत पर उनका शव देखा और इसकी जानकारी घरेलू सहायक को दी। सहायक ने तुरंत उनकी बेटी को सूचित किया। बेटी मौके पर पहुंचीं और उन्हें एंबुलेंस से दक्षिणी कमान अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पहले भी चक्कर आने और गिरने की थी समस्या कोंढवा थाने के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक संतोष खेतमालस ने बताया कि पुलिस ने घटना के संबंध में उनकी बेटी का बयान दर्ज किया है। बेटी ने जानकारी दी कि जोशी को पहले भी चक्कर आने की समस्या रही थी और वे घर में कुछ बार गिर चुके थे। परिवार ने आठ वर्षों से उनके साथ काम कर रहे घरेलू सहायक पर किसी तरह का संदेह नहीं जताया है। पुलिस का कहना है कि घटना के सभी पहलुओं की नियमानुसार जांच की जा रही है। न्योमा हवाई क्षेत्र के सर्वेक्षण में निभाई थी अहम भूमिका लेफ्टिनेंट जनरल अशोक जोशी सेना के बॉम्बे सैपर्स से जुड़े वरिष्ठ अधिकारियों में शामिल रहे। युद्ध अभियंत्रण, राष्ट्रीय सुरक्षा और सैन्य इतिहास के क्षेत्र में उनके योगदान को विशेष रूप से याद किया जाता है। वर्ष 1961 में वे फुकचे स्थित 20 फील्ड कंपनी में द्वितीय कमान अधिकारी के रूप में तैनात थे। इसी दौरान पूर्वी लद्दाख के न्योमा क्षेत्र में लड़ाकू विमानों की उतरने की सुविधा विकसित करने के उद्देश्य से स्थल के शुरुआती



सर्वेक्षण में उन्होंने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। बाद में यही स्थान सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण सैन्य हवाई क्षेत्र के रूप में विकसित हुआ। सेना से सेवानिवृत्ति के बाद भी बॉम्बे इंजीनियरिंग ग्रुप एंड सेंटर से उनका गहरा जुड़ाव बना रहा। वे नियमित रूप से वहां आयोजित कार्यक्रमों में शामिल होते थे। सैन्य मामलों पर लेखन के लिए भी उनकी पहचान थी। इसके अलावा उन्होंने वाशिंगटन में भारत के रक्षा अताशे के रूप में भी सेवाएं दी थीं। सैन्य और सामाजिक क्षेत्र में रहा योगदान अशोक जोशी ने कई वर्षों तक सालुंके विहार आवासीय समिति के अध्यक्ष के रूप में भी जिम्मेदारी निभाई। उन्होंने आवासीय परिसर के प्रशासन और विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। बॉम्बे सैपर्स के पूर्व वरिष्ठ अधिकारियों ने उनके निधन पर शोक जताते हुए कहा कि युद्ध अभियंत्रण और राष्ट्रीय सुरक्षा के क्षेत्र में उनकी समझ तथा योगदान सेना की गौरवशाली परंपरा को दर्शाता है।सैन्य और सामाजिक क्षेत्र में रहा योगदान अशोक जोशी ने कई वर्षों तक सालुंके विहार आवासीय समिति के अध्यक्ष के रूप में भी जिम्मेदारी निभाई। उन्होंने आवासीय परिसर के प्रशासन और विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। बॉम्बे सैपर्स के पूर्व वरिष्ठ अधिकारियों ने उनके निधन पर शोक जताते हुए कहा कि युद्ध अभियंत्रण और राष्ट्रीय सुरक्षा के क्षेत्र में उनकी समझ तथा योगदान सेना की गौरवशाली परंपरा को दर्शाता है।

मुंबई के उद्यान में युवक-युवती से अभद्रता, विरोध करने पर चप्पल और डंडों से पीटा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। महानगर के कुर्ला इलाके में युवक-युवती के साथ अभद्रता और मारपीट का मामला सामने आया है। फीनिक्स मॉल के पास स्थित महानगरपालिका के एक उद्यान में तस्वीरें खींच रहे जोड़े पर 8 से 10 नाबालिग लड़कों ने कथित तौर पर अश्लील टिप्पणियां कीं। जब युवक-युवती ने इसका विरोध किया तो लड़कों ने उनके साथ मारपीट शुरू कर दी। इस दौरान एक नाबालिग ने चप्पल जैसी वस्तु से युवक को पीटा, जबकि दूसरे ने युवती के सिर पर डंडे से वार किया। घटना का वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आठ नाबालिगों को हिरासत में लिया है। जानकारी के अनुसार, युवक और युवती उद्यान में तस्वीरें खींच रहे थे। इसी दौरान वहां मौजूद लड़कों के समूह ने उन पर अश्लील टिप्पणियां करना शुरू कर दिया। दोनों ने



जब इस हरकत का विरोध किया तो आरोपियों ने उनके साथ बदसलूकी और छेड़छाड़ की। देखते ही देखते विवाद मारपीट में बदल गया। वहां मौजूद कुछ लोगों ने पूरी घटना का वीडियो बना लिया, जो अब सामाजिक माध्यमों पर तेजी से प्रसारित हो रहा है। वीडियो में मारपीट करते दिखाई दिए नाबालिग प्रसारित वीडियो में युवक-युवती उद्यान में तस्वीरें खींचते नजर आ रहे हैं। इसी दौरान कुछ लड़के उनके आसपास जमा होकर अभद्र टिप्पणियां करते दिखाई देते हैं। विरोध करने पर वे दोनों के साथ मारपीट करने लगते हैं। वीडियो में एक लड़का युवक पर चप्पल जैसी वस्तु से हमला करता दिखाई देता है, जबकि दूसरा युवती के सिर पर डंडे से वार करता है। घटना के दौरान दोनों पक्षों के बीच तीखी बहस भी होती नजर आती है। आठ नाबालिग हिरासत में, किशोर न्याय बोर्ड के सामने होंगे पेश पीड़ितों की शिकायत पर घाटकोपर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आठ नाबालिगों को हिरासत में लिया है। पुलिस उपायुक्त गणेश शिंदे के अनुसार, आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धाराओं 189(2), 189(4), 118(1), 352 और 351(2) के तहत मामला दर्ज किया गया है। सभी आरोपियों को किशोर न्याय बोर्ड के समक्ष पेश किया जाएगा। पुलिस घटना की पूरी जांच कर रही है और मारपीट में शामिल प्रत्येक व्यक्ति की भूमिका का पता लगाया जा रहा है। राजनीतिक दलों ने भी जताई नाराजगी घटना की भारतीय जनता पार्टी और शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) ने निंदा की है।

डोंबिवली के गरीबाचा वाडा में छिपकर रह रहे थे सात बांग्लादेशी नागरिक, घाटकोपर पुलिस ने पकड़ा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। अवैध रूप से भारत में रह रहे विदेशी नागरिकों के खिलाफ मुंबई पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए सात बांग्लादेशी नागरिकों को हिरासत में लिया है। आरोप है कि ये सभी पिछले करीब 10 महीनों से बिना वैध दस्तावेज और सरकारी अनुमति के भारत में रह रहे थे। शुरुआती जांच में सामने आया है कि सातों ठाणे जिले के डोंबिवली पश्चिम स्थित गरीबाचा वाडा इलाके में रहते थे। घाटकोपर पुलिस की आतंकवाद निरोधक इकाई को संदिग्ध गतिविधियों के संबंध में खुफिया जानकारी मिली थी, जिसके बाद यह कार्रवाई की गई। जानकारी मिलने के बाद पुलिस उपनिरीक्षक योगेश पाटिल के नेतृत्व में पुलिस दल ने घाटकोपर पश्चिम के जागृति नगर, संत तुकाराम पुल और दिशा अस्पताल के आसपास गश्त तेज कर दी। इसी दौरान पुलिसकर्मियों ने सात लोगों को संदिग्ध गतिविधियों में शामिल देखा। उन्हें रोककर पूछताछ की गई। तलाशी के दौरान कथित तौर पर बांग्लादेश के जन्म प्रमाणपत्र, राष्ट्रीय पहचान पत्र और बांग्लादेशी संपर्क नंबर वाले मोबाइल फोन बरामद हुए। पूछताछ में अवैध रूप से रहने की बात आई सामने पुलिस के मुताबिक, पूछताछ के दौरान आरोपियों ने कथित तौर पर अवैध तरीके से भारत में प्रवेश करने और आवश्यक सरकारी अनुमति के बिना यहां रहने की बात स्वीकार की। सभी सातों की पहचान मोहम्मद बदरुज्जमां नजरुल इस्लाम मोडल (35), सोहाग अब्दुल हन्नान राणा (30), मोनिर कालू फकीर (30), बिप्लब मोहम्मद जहांगीर बबलू हुसैन (20), नईम मिजानुर रहमान शेख (22), साजिद मोहम्मद शाहजहां हवलदार (37) और रकीब मोहम्मद अबू नासर हुसैन (22) के रूप में हुई है।गरीबाचा वाडा में बना रखा था ठिकाना पुलिस की शुरुआती जांच में पता चला है कि सातों बांग्लादेशी नागरिक डोंबिवली पश्चिम के गरीबाचा वाडा इलाके में रह रहे थे। हालांकि, उन्हें घाटकोपर पश्चिम में गश्त के दौरान पकड़ा गया। पुलिस अब उनके भारत में प्रवेश करने के तरीके, यहां रहने के ठिकानों और अन्य गतिविधियों की जानकारी जुटा रही है।



एनसीआर में निर्माण कार्यों को मिली छूट, वर्क फ्रॉम होम की बाध्यता खत्म; दिल्ली में रोक बरकरार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण से बचाव के लिए लगाई गई अतिरिक्त एहतियाती पाबंदियां शुक्रवार रात समाप्त हो गईं। इसके साथ ही शनिवार से दिल्ली को छोड़कर राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के अन्य शहरों में निर्माण और तोड़फोड़ से जुड़ी गतिविधियां दोबारा शुरू करने का रास्ता साफ हो गया है। गुरुग्राम, फरीदाबाद, सोनीपत, गाजियाबाद और नोएडा के सरकारी तथा निजी कार्यालयों में कर्मचारियों के लिए 50 प्रतिशत घर से काम करने की अनिवार्यता भी समाप्त हो गई है। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग



(सीएक्यूएम) ने 30 अक्टूबर को आदेश जारी कर 5 से 20 नवंबर तक राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में धूल उड़ाने वाले निर्माण और तोड़फोड़ के कार्यों पर रोक लगाई थी। इसके साथ ही दिल्ली, गुरुग्राम, फरीदाबाद, सोनीपत, गाजियाबाद और गौतमबुद्ध नगर के सरकारी तथा निजी कार्यालयों को 50 प्रतिशत कर्मचारियों के साथ कामकाज संचालित करने का निर्देश दिया गया था। हालांकि, कुछ आवश्यक सेवाओं और औद्योगिक इकाइयों को इन प्रतिबंधों से छूट दी गई थी। दिल्ली में 31 जनवरी तक जारी रहेगी रोक राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के दूसरे शहरों में अतिरिक्त पाबंदियां समाप्त होने के बावजूद दिल्ली में निर्माण गतिविधियों पर राहत नहीं मिलेगी। दिल्ली सरकार की शीतकालीन कार्ययोजना के तहत राजधानी में धूल उड़ाने वाले निर्माण और तोड़फोड़ के कार्यों पर 31 जनवरी तक प्रतिबंध लागू रहेगा। इसके अलावा 10 दिसंबर से 20 जनवरी तक सभी प्रकार के निर्माण और तोड़फोड़ के कार्यों पर पूरी तरह रोक रहेगी। दिल्ली में 50 प्रतिशत कर्मचारियों के घर से काम करने की व्यवस्था भी लागू रहेगी। नियम तोड़ने वाले निर्माण स्थलों को राहत नहीं सीएक्यूएम की समयबद्ध पाबंदियां समाप्त होने से एनसीआर के शहरों में निर्माण कार्यों से जुड़े लोगों और कंपनियों को राहत मिलेगी। हालांकि, जिन निर्माण स्थलों को नियमों के उल्लंघन के कारण अलग से बंद करने के आदेश दिए गए हैं, उन्हें स्वतः काम शुरू करने की अनुमति नहीं मिलेगी। ऐसे स्थलों पर संबंधित विभाग से आवश्यक अनुमति मिलने के बाद ही निर्माण गतिविधियां दोबारा शुरू की जा सकेंगी।

मैरी कॉम के खिलाफ आपराधिक मानहानि मामले में दिल्ली अदालत का नोटिस, पूर्व पति ने लगाए गंभीर आरोप

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। ओलंपिक पदक विजेता मुक्केबाज मैरी कॉम की कानूनी मुश्किलें बढ़ सकती हैं। दिल्ली की एक अदालत ने उनके पूर्व पति करोंग ओंखोलर की ओर से दायर आपराधिक मानहानि की शिकायत पर मैरी कॉम को पूर्व-संज्ञान नोटिस जारी किया है।शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया है कि मैरी कॉम ने एक टेलीविजन साक्षात्कार के दौरान उनके खिलाफ झूठी और अपमानजनक टिप्पणियां की थीं, जिससे उनकी सामाजिक और पारिवारिक प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचा। करोंग ओंखोलर ने इस संबंध में 6 अक्टूबर को अदालत में शिकायत दर्ज कराई थी। उनका आरोप है कि इसी वर्ष 11 जनवरी को प्रसारित एक टेलीविजन कार्यक्रम में मैरी कॉम ने उनके



बारे में कई ऐसी बातें कहीं, जो तथ्यहीन और अपमानजनक थीं। शिकायत के अनुसार, ये बयान बड़ी संख्यामें दर्शकों तक पहुंचे और उनके व्यक्तित्व तथा प्रतिष्ठा पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकते हैंशिकायत में लगाए गए आरोपों के मुताबिक, टेलीविजन कार्यक्रम में ओंखोलर को बेईमान, बेवफा, बेरोजगार और आर्थिक रूप से मैरी कॉम पर निर्भर बताया गया। इसके अलावा उन पर मैरी कॉम के बैंक खातों से धन की हेराफेरी करने और अपने बच्चों के प्रति जिम्मेदारियों की अनदेखी करने जैसे आरोप लगाए जाने का भी दावा किया गया है। पूर्व पति ने प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचने का किया दावा ओंखोलर का कहना है कि उनके खिलाफ लगाए गए ये सभी आरोप झूठे हैं। उन्होंने अदालत में दलील दी कि सार्वजनिक मंच पर इस तरह की टिप्पणियों से एक पति और पिता के रूप में उनकी छवि तथा सामाजिक प्रतिष्ठा को गंभीर नुकसान पहुंच सकता है। इसी आधार पर उन्होंने मैरी कॉम के खिलाफ आपराधिक मानहानि की कार्रवाई की मांग की है। न्यायिक मजिस्ट्रेट शिवम गुप्ता ने शिकायतकर्ता की ओर से पेश किए

महाराष्ट्र पुलिस भर्ती में मासिक धर्म नहीं बनेगा बाधा, महिला अभ्यर्थियों को मिलेगा 5-6 दिन का अतिरिक्त समय

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। महाराष्ट्र पुलिस भर्ती की शारीरिक परीक्षा में शामिल होने वाली महिला अभ्यर्थियों के लिए राज्य सरकार ने महत्वपूर्ण पहल की है। अब मासिक धर्म की तारीख और शारीरिक परीक्षण की निर्धारित तारीख एक ही दिन पड़ने पर महिला उम्मीदवारों को अपना अवसर गंवाना नहीं पड़ेगा। महाराष्ट्र के गृह राज्यमंत्री योगेश कदम ने घोषणा की है कि प्रस्तावित नीति के तहत चिकित्सकीय जांच के बाद पात्र महिला अभ्यर्थियों को 5 से 6 दिन का अतिरिक्त समय दिया जाएगा। आवश्यकता पड़ने पर इससे अधिक समय देने पर भी विचार किया जा सकता है। योगेश कदम ने बताया कि जिन महिला उम्मीदवारों को शारीरिक परीक्षण के दिन मासिक धर्म हो रहा होगा, उनकी स्थिति की स्वास्थ्यकर्मियों द्वारा जांच की जाएगी। इसके बाद उन्हें लगभग एक सप्ताह तक का अतिरिक्त समय दिया जा सकेगा। सरकार इस व्यवस्था को लेकर नई नीति और दिशा-निर्देश तैयार कर रही है। भर्ती में ग्रामीण क्षेत्रों की बड़ी भागीदारी गृह राज्यमंत्री के अनुसार, महाराष्ट्र पुलिस भर्ती के लिए आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों में लगभग 90 प्रतिशत ग्रामीण क्षेत्रों से आते हैं। इनमें बड़ी संख्या में महिलाएं भी शामिल हैं। ऐसे में सरकार का मानना है कि शारीरिक परीक्षण के दौरान महिलाओं की स्वास्थ्य संबंधी परिस्थितियों को ध्यान में रखना जरूरी है। परीक्षा की तारीख में छूट देने के साथ ही भर्ती केंद्रों पर बुनियादी सुविधाएं बेहतर बनाने पर भी जोर दिया जा रहा है। इनमें उचित शौचालय, स्वच्छता के लिए आवश्यक सामग्री, कपड़े बदलने के लिए अलग स्थान, पीने का पानी और आराम करने की सुविधा शामिल हैं। मासिक धर्म के दौरान पेट में तेज दर्द, कमर दर्द, थकान, कमजोरी, चक्कर आना, जी मिचलाना और मांसपेशियों में दर्द जैसी परेशानियां हो सकती हैं।



दिल्ली-एनसीआर में ठंड और प्रदूषण की दोहरी मार, कई इलाकों में 300 के पार पहुंचा वायु गुणवत्ता सूचकांक

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में सर्दी की शुरुआत के साथ प्रदूषण ने भी लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। शनिवार को राजधानी के कई इलाकों में वायु गुणवत्ता सूचकांक 300 के पार पहुंच गया। दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (डीटीयू) क्षेत्र में सबसे अधिक 362 सूचकांक दर्ज किया गया, जबकि आनंद विहार में 324 और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) दिल्ली में 307 का स्तर रहा। वहीं, नोएडा के सेक्टर-62 में भी



प्रदूषण का स्तर 342 तक पहुंच गया। कई इलाकों में हवा की गुणवत्ता खराब से बहुत खराब श्रेणी में बनी हुई है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के शनिवार सुबह के आंकड़ों के अनुसार, दिल्ली के अशोक विहार में वायु गुणवत्ता सूचकांक 288, जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में 269, इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के टर्मिनल-3 पर 250, बुराड़ी में 248, द्वारका सेक्टर-8 में 245 और अलीपुर में 239 दर्ज किया गया। नोएडा के सेक्टर-125 में यह 259 और सेक्टर-116 में 216 रहा। आंकड़े बताते हैं कि राजधानी और आसपास के क्षेत्रों में अधिकांश स्थानों पर हवा की गुणवत्ता सामान्य से काफी खराब बनी हुई है। प्रदूषण के बीच सुबह धुंध और कोहरे का असर भारत मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, शनिवार को दिल्ली-एनसीआर में आसमान आंशिक रूप से बादलों से घिरा रहने की संभावना है। सुबह के समय अधिकांश स्थानों पर धुंध और हल्का कोहरा छा सकता है, जबकि कुछ इलाकों में मध्यम कोहरा रहने का अनुमान है। 21 नवंबर को दिल्ली में अधिकतम तापमान 25 से 27 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 13 से 15 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की।

मुंबई नेवल डॉकयार्ड से संवेदनशील तस्वीरें साझा करने के आरोप में अप्रेंटिस गिरफ्तार, पाकिस्तानी संपर्कों की जांच

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। भारतीय नौसेना के ठिकानों की संवेदनशील तस्वीरें और वीडियो सामाजिक माध्यमों पर साझा करने के आरोप में मुंबई पुलिस ने नेवल डॉकयार्ड में कार्यरत 21 वर्षीय अप्रेंटिस को गिरफ्तार किया है। पुलिस को संदेह है कि इन तस्वीरों और वीडियो को साझा करने के लिए इस्तेमाल किए गए ऑनलाइन खाते का संपर्क पाकिस्तान में बैठे लोगों से हो सकता है। हालांकि, अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि इस संभावित सीमा पार संपर्क की जांच अभी जारी है। आरोपी की पहचान राजस्थान के करौली जिले के निवासी बंटी रामप्रकाश मीणा के रूप में हुई है। कोलाबा पुलिस ने मुंबई पुलिस की सामाजिक माध्यम डिजिटल प्रयोगशाला से मिले एक इनपुट के आधार पर कार्रवाई की। इनपुट में एक इंस्टाग्राम खाते के माध्यम से भारतीय रक्षा प्रतिष्ठानों से जुड़ी संवेदनशील तस्वीरें और वीडियो प्रसारित किए जाने की जानकारी सामने आई थी। तकनीकी निगरानी और डिजिटल पड़ताल के जरिए जांचकर्ताओं ने संबंधित इंस्टाग्राम खाते का पता लगाया।

डीटीसी बढ़ाएगा कमाई, बस डिपो पर बनेंगे पेट्रोल पंप

नई दिल्ली ।

दिल्ली परिवहन विभाग (डीटीसी) अपनी गैर-किराया आय को बढ़ावा देने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठा रहा है। विभाग अपने बस डिपो पर पेट्रोल पंप स्थापित करने के लिए इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसीएल) के साथ एक समझौता करने की योजना बना रहा है। यह पहल डीटीसी की यात्रा किराए के अलावा अन्य गतिविधियों से राजस्व बढ़ाने की व्यापक रणनीति का हिस्सा है। इसमें बसों पर विज्ञापन और सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल के तहत निगम की जमीन का पुनर्विकास भी शामिल है। हाल ही में हुई एक बैठक में इंडियन ऑयल के साथ परियोजना का ब्योरा अंतिम रूप देने और कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) पहल के तहत राजस्व जुटाने के लिए अन्य कंपनियों के साथ भी इसी तरह की परियोजनाओं की संभावनाएं तलाशने पर सहमति बनी। इस कदम से डीटीसी को वित्तीय रूप से मजबूत बनाने में मदद मिलने की उम्मीद है।

टाटा ट्रस्ट की बैठक में लिस्टिंग पर टली चर्चा, विवादित मुद्दों पर रहस्य बरकरार

26 नवंबर को टाटा संस की बोर्ड बैठक में सूचीबद्धता पर अहम चर्चा की उम्मीद

नई दिल्ली ।

टाटा समूह के भीतर बढ़ते अंदरूनी मतभेदों के बीच सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट की महत्वपूर्ण बैठक में टाटा संस की शेयर बाजार में सूचीबद्धता या पुनर्गठन जैसे विवादित मुद्दों पर कोई चर्चा नहीं हुई। करीब दो घंटे चली इस बैठक को नियमित करार देते हुए मुख्य रूप से सामाजिक और परोपकारी गतिविधियों के लिए वित्तीय सहायता को मंजूरी दी गई, जिससे समूह के भविष्य पर अनिश्चितता बनी रही। नोएल टाटा की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में पुणे के जहांगीर अस्पताल के लिए करीब 50 करोड़ रुपये का अनुदान स्वीकृत किया गया। न्यासियों ने इसे सामान्य कामकाज से जुड़ी नियमित बैठक बताया। टाटा ट्रस्ट्स की टाटा संस में लगभग 66 फीसदी हिस्सेदारी है, जो समूह के बड़े फैसलों में ट्रस्ट की भूमिका को अहम बनाती है। अब सबकी निगाहें 26 नवंबर को प्रस्तावित टाटा संस के निदेशक मंडल की अगली बैठक पर हैं, जहां कंपनी की शेयर बाजार में सूचीबद्धता पर चर्चा की संभावना है। 17 सितंबर की पिछली बैठक में लिस्टिंग और अध्यक्ष के तीसरे कार्यकाल पर मतभेद सामने आए थे, जिसका नोएल टाटा ने विरोध किया था। आरबीआई के नियमों से बचने के लिए, सहायक कंपनियों के विलय से पुनर्गठन का विकल्प भी है। रतन टाटा ट्रस्ट के प्रशासनिक मुद्दों ने भी जटिलताओं को बढ़ाया है। समूह के भविष्य पर उद्योग जगत की नजरें बनी हुई हैं।

ईवी चार्जिंग में डिस्कॉम का असहयोग- पीएम सलाहकार

तरुण कपूर ने नोडल अधिकारी, उच्च लागत व कम उपयोग पर जताई चिंता

नई दिल्ली ।

प्रधानमंत्री के सलाहकार तरुण कपूर ने इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) चार्जिंग बुनियादी ढांचे के विस्तार में बिजली वितरण कंपनियों (डिस्कॉम) के अपर्याप्त सहयोग पर गंभीर चिंता जताई है। सायएम सम्मेलन में उन्होंने कहा कि भारत के सरप्लस बिजली उत्पादन के बावजूद, डिस्कॉम ईवी को बिजली खपत के एक महत्वपूर्ण स्रोत के रूप में नहीं देख रही हैं।

कपूर ने हर डिस्कॉम में नोडल अधिकारी की नियुक्ति की वकालत की, ताकि चार्जिंग केंद्र संचालकों की समस्याओं का त्वरित समाधान हो सके। कपूर ने डिस्कॉम के गैर-सहयोगी रवैये की आलोचना की, विशेषकर 200 किलोवाट या उससे अधिक क्षमता वाले सार्वजनिक चार्जिंग स्टेशनों के ग्रिड कनेक्शन पर मोटी लागत वसूलने के लिए।

उन्होंने कहा कि डिस्कॉम को समझना होगा कि ईवी उनके लिए एक बड़ा राजस्व क्षेत्र बनेगा, न कि केवल उद्योग। सरकार ने पीएम ई-ड्राइव योजना के तहत बिजली कनेक्शन लागत के लिए बजट प्रावधान किए हैं, लेकिन इस आवंटित धनराशि का बड़ा हिस्सा उपयोग ही नहीं हुआ है, जबकि सरकार आवश्यकता पड़ने पर अतिरिक्त धन देने को भी तैयार है। उन्होंने सार्वजनिक चार्जिंग स्टेशनों के कम उपयोग (कई स्थानों पर 1 फीसदी से भी कम) पर भी चिंता जताई, जिससे रखरखाव प्रभावित होता है और कई स्टेशन बेकार हो जाते हैं। कपूर ने सुझाया कि चार्जिंग स्टेशन ऐसी जगहों पर हों जहां वाहन आम तौर पर देर तक रुक सकें।

उतार-चढ़ाव के बीच नई ऊंचाइयों पर रहा भारतीय शेयर बाजार

-विदेशी निवेशकों का निरंतर प्रवाह व कच्चे तेल की नरमी से बाजार को मिला समर्थन

मुंबई ।

बीता सप्ताह भारतीय शेयर बाजार के लिए एक गतिशील और उतार-चढ़ाव भरा रहा, जिसने निवेशकों को कई मोड़ दिए। एक मजबूत शुरुआत के बाद बाजार को बीच सप्ताह में कुछ चुनौतियों का सामना करना पड़ा, लेकिन फिर शानदार वापसी करते हुए नए रिकॉर्ड स्तरों पर बंद हुआ। इस दौरान विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों का निरंतर प्रवाह और कच्चे तेल की कीमतों में नरमी की उम्मीदों ने बाजार को महत्वपूर्ण समर्थन प्रदान किया। भारतीय रुपया भी शुरुआती कमजोरी के बाद सप्ताह के अंत तक डॉलर के मुकाबले मजबूत हुआ, जिससे बाजार की समग्र सकारात्मक धारणा को बल मिला। सप्ताह की शुरुआत सोमवार को जोरदार तेजी के साथ हुई। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 450 अंक से अधिक चढ़ा, वहीं निफ्टी ने 25,250 के महत्वपूर्ण स्तर को पार किया। एफपीआई की बढ़ी हुई खरीद और तेल कीमतों में गिरावट की उम्मीदों से बाजार को मजबूती मिली। दिन के अंत में सेंसेक्स 512.34 अंक बढ़कर 82,104.79 पर और निफ्टी 146.80 अंक की वृद्धि के साथ 25,291.10 पर बंद हुआ। एशियन पेंट, एयरटेल, आईटीसी और टाटा कंस जैसे शेयरों में



अच्छी वृद्धि दर्ज की गई। मंगलवार को भी यह सकारात्मक रुझान जारी रहा, जिससे सेंसेक्स 427.40 अंक चढ़कर 82,532.19 पर और निफ्टी 96.31 अंक बढ़कर 25,387.40 पर पहुंच गया, जो बाजार में मजबूत सकारात्मक धारणा को दर्शाता है। हालांकि, सप्ताह के मध्य में बुधवार को बाजार ने दो दिन की अपनी तेजी को विराम दिया।

सोने में मिलावट का नया रूप रेनियम-इरिडियम, जीजेसी ने चेताया

मुंबई ।



सोने के आभूषणों में रेनियम और इरिडियम जैसी धातुओं की मिलावट से वजन बढ़ाने की खबरों ने चिंता बढ़ा दी है। इसी के मद्देनजर, आभूषण उद्योग निकाय जीजेसी (अखिल भारतीय रत्न एवं आभूषण घरेलू परिषद) ने शुक्रवार को भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) को इस मुद्दे पर आगाह करते हुए कारोबारियों और ग्राहकों दोनों से सावधानी बरतने की अपील की है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार इन धातुओं का इस्तेमाल सोने की शुद्धता बढ़ाए बिना उसका वजन बढ़ाने के लिए किया जा रहा है। इससे खरीदारों को आभूषण के वास्तविक वजन और शुद्धता के बारे में गलत जानकारी मिलती है, जिससे उन्हें आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है। जीजेसी ने बताया कि बीआईएस इस मामले को गंभीरता से ले रहा है और उपभोक्ताओं को घबराने की आवश्यकता नहीं है। जीजेसी ने सभी आभूषण कारोबारियों से विनिर्माताओं, थोक विक्रेताओं और आपूर्तिकर्ताओं से खरीदे गए सोने की गुणवत्ता की कड़ी जांच करने का आग्रह किया है। ग्राहकों को कम बनावट शुल्क के लालच में न आने, विश्वसनीय दुकानों से ही खरीदारी करने, बीआईएस केयर ऐप से हॉलमार्क की पुष्टि करने और जीएसटी बिल लेने की सलाह दी गई है। किसी भी मिलावट या धोखाधड़ी की स्थिति में जीजेसी या सीधे बीआईएस में शिकायत दर्ज कराने को कहा गया है।

टाटा टेक्नोलॉजीज के शेयर पर ब्रोकरेज सतर्क, 13 फीसदी गिरावट का अनुमान

कंपनी सॉफ्टवेयर, एयरोस्पेस और इंजीनियरिंग सेवाओं पर केंद्रित, लाभप्रदता बढ़ाने पर भी जोर

मुंबई ।

टाटा समूह की कंपनी टाटा टेक्नोलॉजीज ने वित्त वर्ष 2030 तक अपने कारोबार को 1.1 से 1.3 अरब डॉलर तक पहुंचाने की महत्वाकांक्षी रणनीति प्रस्तुत की है। हाल ही में निवेशक दिवस पर पेश की गई इस योजना में सॉफ्टवेयर, एयरोस्पेस और इंजीनियरिंग सेवाओं को प्रमुख विकास इंजन के रूप में रेखांकित किया गया है। हालांकि, इन बुलंद लक्ष्यों के बावजूद, ब्रोकरेज फर्म मोतीलाल ओसवाल ने इसके शेयर को बेचने की सलाह दी है, यह मानते हुए कि मौजूदा बाजार मूल्य में भविष्य की अधिकांश वृद्धि पहले ही शामिल हो चुकी है। टाटा टेक्नोलॉजीज ने वित्त वर्ष 2027 से 2030 के बीच राजस्व में सालाना 15-20 फीसदी की वृद्धि का लक्ष्य रखा है। कंपनी केवल कारोबार के आकार पर नहीं, बल्कि मुनाफे में भी सुधार पर केंद्रित है। इसका ऑपरेटिंग मार्जिन वित्त वर्ष 2026 के 15.5 फीसदी से बढ़कर वित्त वर्ष 2027 की चौथी तिमाही तक 17 फीसदी और वित्त वर्ष 2030 तक 20 फीसदी से अधिक करने की योजना है। सॉफ्टवेयर कारोबार कंपनी के लिए एक महत्वपूर्ण विकास क्षेत्र है, जो वित्त वर्ष 2021 के 48 लाख डॉलर से बढ़कर वित्त वर्ष 2026 में 6.4 करोड़ डॉलर हो गया है। कंपनी का लक्ष्य वित्त वर्ष 2027 में पुराने सॉफ्टवेयर कारोबार से 10 करोड़



डॉलर का राजस्व हासिल करना और अगले तीन वर्षों में इसमें अतिरिक्त 10 करोड़ डॉलर जोड़ना है।

एयरोस्पेस क्षेत्र में भी पिछले पांच वर्षों में लगभग 40 फीसदी की सालाना वृद्धि देखी गई है। टाटा टेक्नोलॉजीज वित्त वर्ष 2028 तक इस कारोबार को 10 करोड़ डॉलर के वार्षिक राजस्व स्तर तक पहुंचाना चाहती है, जिसके बाद वित्त वर्ष 2030 तक इसमें 25-30 फीसदी सालाना वृद्धि का अनुमान है। विशेषज्ञों के अनुसार, वैश्विक वाहन उद्योग में इलेक्ट्रॉनिक्स और सॉफ्टवेयर की बढ़ती भूमिका, साथ ही एआई का उपयोग, कंपनी के लिए नए अवसर पैदा करेगा और लागत दक्षता बढ़ाएगा।

सोने-चांदी के भाव में भारी गिरावट से निवेशकों में असमंजस

डॉलर की मजबूती और अमेरिकी फेड के सख्त रुख ने कीमती धातुओं को किया कमजोर

मुंबई ।

सोने और चांदी की कीमतों में हालिया भारी गिरावट ने बाजार में हलचल मचा दी है। इस गिरावट ने एक ओर जहां गहनों के खरीदारों को राहत पहुंचाई है, वहीं निवेशकों को असमंजस में डाल दिया है कि क्या यह खरीदारी का सही समय है या कीमतों में और गिरावट का इंतजार किया जाए। पिछले कुछ दिनों से जारी यह तेज कमजोरी अंतरराष्ट्रीय और घरेलू दोनों बाजारों में देखी जा रही है, जिसके पीछे कई वैश्विक आर्थिक कारक जिम्मेदार हैं। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर 20 नवंबर को दिसंबर अनुबंध वाला सोना गिरकर 1,21,719 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गया है, जो कई वर्षों का सबसे निचला स्तर बताया जा रहा है। इस साल जनवरी में 1.80 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचने के बाद से सोने में करीब 33 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। इसी तरह, चांदी भी अपने रिकॉर्ड 4.20 लाख रुपये प्रति किलोग्राम से फिसलकर लगभग 2.72 लाख रुपये पर पहुंच गई है, जिसमें लगभग 62 प्रतिशत की भारी कमजोरी आई है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी कीमती धातुओं पर दबाव बना हुआ है। कॉमेक्स पर सोना करीब 3520 डॉलर प्रति औंस तक लुढ़का है, जबकि चांदी ने एक सप्ताह में 13 प्रतिशत से अधिक की गिरावट देखी है। विशेषज्ञों के अनुसार, अमेरिकी फेडरल रिजर्व के ब्याज दरों को लेकर आक्रामक रुख, डॉलर की लगातार मजबूती और सरकारी बॉन्ड की बढ़ती यील्ड इस गिरावट के प्रमुख कारण हैं। दिसंबर में अमेरिकी ब्याज दरों में संभावित वृद्धि की अटकलों से निवेशक सोने जैसे गैर-ब्याज देने वाले विकल्पों से दूर हट रहे हैं। इसके अतिरिक्त, कुछ निवेशकों द्वारा नकदी जुटाने के लिए अन्य संपत्तियों की बिकवाली ने भी कीमतों पर दबाव बढ़ाया है।

ब्रिटेन, यूरोपीय संघ के बीच व्यापार और युवाओं की आवाजाही पर बनी सहमति

एक लाख युवाओं को आवाजाही, व्यापारिक जांच समाप्त

ब्रसेल्स।

ब्रसेल्स में एक महत्वपूर्ण शिखर सम्मेलन में, ब्रिटेन और यूरोपीय संघ (ईयू) ने ब्रेक्जिट के बाद अपने बिगड़े संबंधों को सुधारने की दिशा में अहम कदम उठाए हैं। दोनों पक्षों ने व्यापार, कार्बन उत्सर्जन और युवाओं की आवाजाही से जुड़े समझौतों पर सहमति जताई, जिसे यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने महत्वपूर्ण मोड़ और ब्रिटेन के प्रधानमंत्री एंडी बर्नहम ने ऐतिहासिक समझौता करार दिया है। इन समझौतों के तहत, 1 लाख युवाओं को तीन साल तक एक-दूसरे के देशों में रहने व काम करने की अनुमति मिलेगी। पौधों व पशु उत्पादों पर व्यापारिक जांच खत्म होगी, जिससे कारोबार आसान होगा। कार्बन उत्सर्जन व्यापार व्यवस्था भी जुड़ेगी। प्रधानमंत्री बर्नहम ने ब्रेक्जिट को असफल बताते हुए फायदे से ज्यादा नुकसान की बात स्वीकार की। उन्होंने भविष्य में ईयू के साथ संबंधों के सभी विकल्प खुले रखने की बात कही, जिसमें दोबारा समूह में शामिल होना भी शामिल है, हालांकि इसे लंबी प्रक्रिया बताया। छात्र शुल्क जैसे कुछ मुद्दों पर छह महीने में सहमति बनाने का लक्ष्य है।

सरकारी आईटी खरीद में मेक इन इंडिया को प्राथमिकता

स्थानीय कलपुर्जों की हिस्सेदारी के नियम सख्त

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार ने सरकारी खरीद में मेक इन इंडिया पहल को मजबूत करने के लिए एक अहम कदम उठाया है। अब लैपटॉप, डेस्कटॉप और सर्वर सहित छह प्रमुख आईटी हार्डवेयर उत्पादों की सरकारी खरीद में घरेलू कलपुर्जों का योगदान बढ़ाने के लिए निर्धारित प्रतिशत में वृद्धि की गई है। इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने 2017 के सार्वजनिक खरीद (मेक इन इंडिया को प्राथमिकता) आदेश में संशोधन किया है। यह बदलाव देश में स्थानीय विनिर्माण को बढ़ावा देने, उत्पादन क्षमताओं को मजबूत करने और रोजगार के अवसर पैदा करने के उद्देश्य से किया गया है। इसका लक्ष्य स्थानीय कलपुर्जों का उपयोग करने वाले उत्पादों को सरकारी खरीद में प्राथमिकता देना है। संशोधित व्यवस्था के तहत, डेस्कटॉप पीसी, ऑल-इन-वन पीसी, लैपटॉप, थिन क्लाइंट, सर्वर, कंप्यूटर मॉनिटर और इंटरैक्टिव फ्लैट पैनल डिस्प्ले (आईएफपीडी) सहित छह आईटी हार्डवेयर उत्पाद शामिल हैं। घरेलू मूल्यवर्धन की गणना अंतिम उत्पाद की कुल लागत में स्थानीय कलपुर्जों की लागत के प्रतिशत के आधार पर की जाएगी।

घरेलू बचत में इक्विटी फंडों की बढ़ती हिस्सेदारी,एयूएम 7.7 गुना बढ़ा



मुंबई ।

भारतीय म्यूचुअल फंड उद्योग में पिछले दस वर्षों में निवेशकों का रुझान इक्विटी योजनाओं की ओर तेजी से बढ़ा है। इस अवधि में इक्विटी और इक्विटी-लिंक्ड सेविंग स्कीम (ईएलएसएस) की परिसंपत्तियां कुल उद्योग की तुलना में कहीं अधिक तेजी से बढ़ी हैं, जो घरेलू बचत में शेयर बाजार की बढ़ती भूमिका को दर्शाती हैं। अक्टूबर 2016 से अक्टूबर 2026 के बीच, इक्विटी और ईएलएसएस फंड का प्रबंधनाधीन निवेश 7.7 गुना बढ़कर 37.18 लाख करोड़ रुपये हो गया। वहीं पूरे म्यूचुअल फंड उद्योग की संपत्ति 5.1 गुना बढ़कर 83.39 लाख करोड़ रुपये तक पहुंची। इस दौरान इक्विटी योजनाओं की कुल एयूएम में हिस्सेदारी 29.8 फीसदी से बढ़कर 44.6 फीसदी हो गई, जिसमें 14.8 फीसदी अंक की वृद्धि दर्ज की गई।

इक्विटी और ईएलएसएस फंड की चक्रवृद्धि सालाना वृद्धि दर (सीएजीआर) 22.6 फीसदी रही, जबकि पूरे उद्योग की 17.7 फीसदी।

हालांकि, इक्विटी फंडों की हिस्सेदारी में हर साल लगातार वृद्धि नहीं हुई; अक्टूबर 2020 में इसमें गिरावट आई, लेकिन बाद में तेजी से सुधार हुआ। इक्विटी श्रेणी में, स्मॉल कैप फंड का एयूएम 9.2 गुना बढ़कर 4.41 लाख करोड़ रुपये हुआ, जबकि सेक्टोरल और थीमैटिक फंड की संपत्ति 8.3 गुना बढ़कर 5.38 लाख करोड़ रुपये हो गई। निवेशकों की भागीदारी भी उल्लेखनीय रूप से बढ़ी है, अक्टूबर 2019 से अक्टूबर 2026 तक कुल फोलियो 8.63 करोड़ से बढ़कर 28.78 करोड़ और इक्विटी फोलियो 6.21 करोड़ से बढ़कर 19.22 करोड़ हो गए। यह रुझान घरेलू बचत में शेयर बाजार की बढ़ती भूमिका को स्पष्ट रूप से दर्शाता है। जानकारों के अनुसार, एयूएम में यह वृद्धि केवल नए निवेश से नहीं, बल्कि बाजार में शेयरों की कीमतों में हुई बढ़ोतरी से भी प्रेरित है।

डीएसपी म्यूचुअल फंड की नई रणनीति, गिरावट में बढ़ाएगा सोना-चांदी में निवेश

कीमतें और गिरने पर चरणबद्ध तरीके से बढ़ाएगा निवेश, चांदी 47 डॉलर और सोना 3850 डॉलर से शुरू

मुंबई ।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने और चांदी की कीमतों में आई बड़ी गिरावट के बाद डीएसपी म्यूचुअल फंड ने कीमती धातुओं में निवेश बढ़ाने की नई रणनीति तैयार की है। डीएसपी मल्टी एसेट ओम्नी फंड ऑफ फंड्स कीमतें और नीचे आने पर चरणबद्ध तरीके से खरीदारी करेगा, जिसका उद्देश्य लंबी अवधि के निवेशकों के लिए अवसर पैदा करना है। इस रणनीति के तहत, चांदी में 47 डॉलर प्रति औंस से नीचे आने पर शुरुआती खरीदारी (0.5 फीसदी पोर्टफोलियो) शुरू की गई है। योजना के मुताबिक, चांदी की कीमत में हर दो डॉलर की गिरावट पर अतिरिक्त 0.5 प्रतिशत और 42 डॉलर प्रति औंस से नीचे आने पर एक प्रतिशत निवेश बढ़ाया जाएगा। यदि कीमत 37 डॉलर तक गिरती है, तो कुल अतिरिक्त निवेश पांच प्रतिशत तक पहुंच सकता है। सोने में भी ऐसी ही रणनीति अपनाई जा रही है, जहां करीब 3850 डॉलर प्रति औंस पर शुरुआती 0.5 प्रतिशत निवेश किया गया है। इसके बाद, सोने की कीमत में हर 100 डॉलर की गिरावट पर अतिरिक्त 0.5 प्रतिशत निवेश की योजना है, जिसमें 3800, 3700 और 3600 डॉलर जैसे स्तर शामिल हैं। यह फंड को अपने बेंचमार्क (सोना 15 फीसदी, चांदी 5 फीसदी) के मुकाबले कम निवेश के अंतर को पाटने में मदद करेगा। फंड निवेश के फैसले के लिए कई संकेतकों का विश्लेषण कर रहा है, जिसके अनुसार फिलहाल सोना अपनी अनुमानित उचित कीमत से 15 प्रतिशत और चांदी 28 प्रतिशत नीचे कारोबार कर रही है। अतिरिक्त खरीदारी के लिए मुख्य रूप से डेट निवेश घटाया जाएगा और जरूरत पड़ने पर शेयर बाजार के कुछ क्षेत्रों में आवंटन भी बदला जाएगा। हालांकि, कीमती धातुओं की कीमतों में उतार-चढ़ाव जारी रह सकता है और यह रणनीति निश्चित मुनाफे की गारंटी नहीं देती।

भारत में एआई क्रांति, 90 फीसदी कंपनियां बढ़ा रहीं तकनीकी कार्यबल

रिपोर्ट के अनुसार, भारत अमेरिका के बाद दूसरे स्थान पर

मुंबई ।

देश में कृत्रिम मेधा (एआई) आधारित सेवाओं और राजस्व के नए स्रोत पैदा करने के लिए भारतीय नियोक्ता अपनी प्रौद्योगिकी कार्यबल क्षमता बढ़ा रहे हैं। एक नई रिपोर्ट के अनुसार भारत में 90 प्रतिशत कंपनियां इस दिशा में काम कर रही हैं, यह वैश्विक स्तर पर अमेरिका के बाद दूसरा सबसे बड़ा अनुपात है। एक वैश्विक रिपोर्ट में यह खुलासा हुआ है। रिपोर्ट बताती है कि भारत का यह आंकड़ा अमेरिका (93 फीसदी) के बाद दूसरे नंबर पर है और 86 फीसदी के वैश्विक औसत से काफी ऊपर है। रिपोर्ट के अनुसार, भारत में एआई का कौशल रखने वाले डेवलपर को शुरुआती स्तर पर पारंपरिक डेवलपर की तुलना में दोगुने से अधिक वेतन मिल सकता है, जबकि वैश्विक स्तर पर यह बढ़त 79 फीसदी तक है। हालांकि, 50 फीसदी भारतीय नियोक्ताओं को बेहतर वेतन देने वाली प्रतिस्पर्धी कंपनियों के हाथों अक्सर शीर्ष प्रतिभाओं को गंवाना पड़ता है, फिर भी 53 फीसदी कंपनियां प्रौद्योगिकी क्षेत्र में छंटनी के कारण नौकरी गंवाने वाले कर्मचारियों को सफलतापूर्वक काम पर रख पाई हैं। रैंडस्टैड इंडिया के प्रबंध निदेशक नारायण अय्यर ने कहा कि एआई, प्रौद्योगिकी प्रतिभा परिदृश्य को मौलिक रूप से बदल रहा है और उभरते कौशल की मांग उनकी उपलब्धता से लगातार अधिक बनी हुई है।

तुम्हें कितने मार्क्स मिले...?

पेपर का रिजल्ट आने पर अपने बच्चे से कभी न पूछें ये सवाल



यह बात सच्ची है कि जब आप अपने बच्चे से अक्सर 'तुम्हें कितने मार्क्स मिले?' ये सवाल पूछते हैं, तो यह कई तरह से उनकी सेल्फ़-वर्थ, सिखने की प्रक्रिया और मनोधर्म पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है। आज हम आपको बताते हैं कि ये सवाल बच्चे के लिए खतरनाक साबित हो सकता है।

क्यों यह सवाल नुकसान पहुंचाता है

जब सबसे पहला सवाल ये होता है कि 'कितने अंक आए?', तो बच्चे को यह संदेश जाता है कि अंक = मूल्य = आपकी योग्यता। पर वास्तव में 'अंक' सिर्फ एक परीक्षा का परिणाम हैं, व्यक्ति की सम्पूर्ण क्षमता या गुण नहीं। उदाहरण के लिए, एक लेख कहता है कि यह हो सकता है कि बच्चों को यह महसूस हो जाए कि उनका पूरा मूल्य सिर्फ उनकी ग्रेड्स से तय होता है। जब यह सवाल बार-बार पूछा जाए, तो बच्चे में यह डर बन सकता है कि अगर अंक कम आए तो उन्हें मम्मा-पापा की नाराज़गी या शर्मिंदगी झेलनी पड़ेगी। यह दबाव उनकी पढ़ाई, आत्मविश्वास और मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकता है।

सिखने की प्रक्रिया पर ध्यान कम देना

दिए गए मार्क्स के पीछे क्या हुआ- जैसे तैयारी कैसे हुई, कौन-सी चीज कठिन लगी, किस तरीके से समझा जा सकता था, इन पर कम ध्यान जाता है। परिणाम पर ज्यादा फोकस होने से बच्चों में 'स्कोर करने की रणनीति' बन सकती है बजाय 'समझने की रणनीति' के। यदि संवाद का मुख्य आधार सवाल 'कितने अंक?' हो जाए, तो बच्चे हो सकता है कि उस बातचीत को अपेक्षा-पूर्ति के रूप में देखें- न कि खुली बातचीत के रूप में। इससे पिता-माता-बच्चा के बीच भरोसा कम हो सकता है।

बेहतर तरीका — क्या-क्या पूछा जा सकता है

- 'तुम्हारी एक्साम के दौरान सबसे कठिन क्या लगा? उस पर काम कैसे कर सकते हैं?'
- 'क्या तुमको लगता है तुमने उस विषय में यह तरीके आजमाए? अगर नहीं, तो अगली बार कैसे करोगे?'
- 'क्या वो हिस्सा था जिसमें तुमने अच्छा किया? उस पर हम कैसे और सुधार कर सकते हैं?'
- 'पढ़ाई के अलावा तुम्हें क्या-क्या मजेदार लगा आज स्कूल में?'

ऐसे सवाल बच्चों की सोचना, भावनाओं को समझने और संवाद बढ़ाने में मदद करते हैं।

सिर्फ कुछ मिनटों में बनाएं ये पांच टेस्टी सैंडविच, बनाने का तरीका भी है बेहद आसान

शायद ही कोई व्यक्ति ऐसा होगा, जिसे सैंडविच खाना पसंद न हो। तो अगर आपको सैंडविच खाना पसंद है, तो ये खबर आपके लिए खास होने वाली है। चाहे आप ऑफिस जा रहे हों, बच्चों के टिफिन की तैयारी कर रहे हों या घर पर कुछ हल्का और टेस्टी खाना चाहते हों—सैंडविच हर मौके के लिए परफेक्ट ऑप्शन माना जाता है।

ऐसे में आज हम आपको पांच तरह के स्वादिष्ट सैंडविच की रेसिपी बताने जा रहे हैं जिन्हें आप कुछ ही मिनटों में घर पर बना सकते हैं। ये न सिर्फ खाने में लाजवाब हैं बल्कि हेल्दी और एनर्जेटिक भी हैं। तो चलिए जानते हैं इन्हें बनाने का आसान तरीका और खास टिप्स जिससे आपके सैंडविच बनें बिल्कुल कैफे स्टाइल!

1. वेज ग्रिल सैंडविच

ये सैंडविच बनाना काफी आसान है। इसके लिए सबसे पहले तो ब्रेड पर बटर लगाएं, उसमें टमाटर, खीरा, आलू, और चटनी लगाएं। अब इसे सैंडविच मेकर में गोल्डन ब्राउन होने तक ग्रिल करें। इसे चटनी और कैचअप के साथ परोसें।

2. पनीर टिक्का सैंडविच

पनीर टिक्का सैंडविच खाने में काफी स्वादिष्ट लगता है। इसे बनाने के लिए सबसे पहले पनीर को मसालों और दही में मेरिनेट करें। इसके बाद इसे इसे ब्रेड के बीच में रखकर ग्रिल करें और पुदीना चटनी के साथ परोसें।

3. एग मेयो सैंडविच

अगर आपको अंडे खाना पसंद है तो आप उबले अंडे को कद्दूकस करके उसमें मेयोनेज को मिक्स करें। दोनों चीजों को मिक्स करें और फिर नमक, काली मिर्च डालें और टोस्टेड ब्रेड पर लगाएं। बस इसे फिर ग्रिल कर लें और कैचअप के साथ परोसें।

4. चीज कॉर्न सैंडविच

ये सैंडविच ज्यादातर हर किसी को पसंद आता है। ये सैंडविच बनाने के लिए सबसे पहले स्वीट कॉर्न को उबाल लें। अब इसमें चीज और थोड़ा ओरिगेनो मिलाएं। अब इसे इसे ब्रेड में भरकर ग्रिल करें। ये सिंपल सा सैंडविच बच्चों से लेकर बड़े भी खूब चाव से खाते हैं।

5. स्पाइसी चटनी सैंडविच

जो लोग तीखा खाना पसंद करते हैं तो उनके लिए ये सैंडविच कमाल का है। इसे बनाने के लिए सबसे पहले ब्रेड पर हरी चटनी फैलाएं। इस हरी चटनी को तीखा ही रखें। अब चटनी फैलाने के बाद टमाटर और प्याज रखें। आखिर में इसे हल्का टोस्ट करें और गर्मागर्म सर्व करें।



बोर्ड परीक्षा के लिए बच्चे की बेहतर तैयारी के लिए अभिभावक करें ये काम

जो बच्चे इस साल बोर्ड की परीक्षा देने वाले उन्हें मानसिक और शारीरिक रूप से तैयार करने के लिए अभिभावकों को भी कुछ तरीके अपनाने चाहिए, ताकि बच्चा बोर्ड परीक्षा में बेहतर परिणाम ला सके।



10वीं या 12वीं कक्षा में पढ़ रहे बच्चे के लिए बोर्ड परीक्षा एक अहम पड़ाव होता है, जो उनके भविष्य को तय करने में मदद करता है। अच्छे अंक आने पर बेहतर कॉलेज में प्रवेश, छात्रवृति और करियर के लिए क्षेत्र तय करने में मदद मिलती है। ऐसे में भारत के अधिकतर सभी स्कूलों,कोचिंग क्लासेज बच्चों को बोर्ड परीक्षा के लिए तैयार करते हैं।

माता-पिता अपने बच्चे की बोर्ड परीक्षा के लिए सबसे अधिक चिंतित होते हैं। ऐसे में वह बच्चे पर पढ़ाई का अतिरिक्त दबाव बनाने लगते हैं। लेकिन इसका असर बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य पर भी होता है और अतिरिक्त दबाव उन्हें परेशान कर सकता है। बोर्ड परीक्षा बच्चों के लिए जीवन का एक महत्वपूर्ण चरण होती है और इसमें अभिभावकों की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण होती है। ऐसे में जो बच्चे इस साल बोर्ड की परीक्षा देने वाले उन्हें मानसिक और शारीरिक रूप से तैयार करने के लिए अभिभावकों को भी कुछ तरीके अपनाने चाहिए, ताकि बच्चा बोर्ड परीक्षा में बेहतर परिणाम ला सके।



प्रोत्साहित करें

बच्चा दबाव में तब आता है, जब माता पिता अपनी चिंता अत्यधिक जाहिर करते हैं, वो भी नकारात्मक तरीके से। उन पर दबाव बनाने के बजाए माता पिता को बच्चे को परीक्षा के लिए प्रेरित करना चाहिए। साथ ही बच्चे के छोटे-छोटे प्रयासों और उपलब्धियों की सराहना करें।परीक्षा को जीवन-मरण का प्रश्न बनाने की बजाय इसे एक सीखने का अवसर मानें।

पढ़ाई की योजना बनाने में मदद करें

बच्चे के साथ मिलकर एक प्रभावी टाइम टेबल तैयार करें। टाइमटेबल ऐसा हो ताकि पढ़ाई और आराम के बीच संतुलन बनाए रखा जा सके। कठिन विषयों को अधिक समय दें और पिछले साल के प्रश्न पत्र और महत्वपूर्ण टॉपिक्स की पहचान करें।

मानसिक स्वास्थ्य का ध्यान रखें

इस बात का ध्यान रखें कि बच्चा मानसिक रूप से परेशान न हो। उसका उत्साहवर्धन करने का प्रयास करें। ऐसी बातें करें जो उसे उत्साहित करें ना कि निराश करें। जैसे 'तुम यह कर सकते हो' और 'मैं तुम्हारे साथ हूं' आदि बातें कहें। बच्चे की तुलना अन्य बच्चों से न करें।

परिणाम को लेकर ज्यादा चिंता न करें

बच्चे को यह समझाएं कि मेहनत का परिणाम हमेशा सकारात्मक होता है। परीक्षा के बाद भी उसे यह भरोसा दिलाएं कि आपका प्यार और समर्थन उसके साथ है। परिक्षा में बेहतर अंक को भविष्य के लिए एकमात्र रास्ता न बनाएं।

नियमित ब्रेक और नींद का ध्यान रखें

दिनभर पढ़न से बच्चा होनहार नहीं हो जाएगा। जरूरी है कि हर एक दो घंटे की पढ़ाई के बाद उसे 10-15 मिनट का ब्रेक मिले। इस ब्रेक में वह दिमाग को फ्रेश करें। शारीरिक गतिविधि करे ताकि उसके दिमाग को आराम और सेहत दुरुस्त रह सके। इसके साथ ही नींद बेहतर जरूरी है। बच्चे को कम से कम 7-8 घंटे की नींद लेने के लिए प्रोत्साहित करें।

खानपान का ध्यान रखें

बच्चे को पौष्टिक भोजन दें, जिसमें फल, सब्जियां, नट्स, और प्रोटीन शामिल हो। जंक फूड देने से बचें। ये सेहत के लिए तो नुकसानदायक होता ही है, एकाग्रता भी भंग करता है। परीक्षा से ध्यान भटकाने वाले कारकों को कम करें, जैसे बच्चे के मोबाइल और सोशल मीडिया उपयोग को नियंत्रित करें। घर का माहौल ऐसा हो जहां वह पढ़ाई के लिए ध्यान केंद्रित कर सके और शांत वातावरण में मन लगा कर पढ़ सके।

रिवीजन और मॉक टेस्ट पर ध्यान दें

परीक्षा के करीब आते-आते बच्चे को पूरे सिलेबस का रिवीजन करने के लिए प्रेरित करें। समय सीमा के साथ मॉक टेस्ट दें ताकि बच्चे को परीक्षा का अनुभव हो सके।

आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित करें

बच्चे को समस्याओं को खुद हल करने की आदत डालें। जब बच्चा किसी प्रश्न में अटका हो, तब उसे मार्गदर्शन दें, लेकिन उसे पूरी तरह आप पर निर्भर न बनाएं।

बच्चों में जोड़ों के दर्द के 7 संकेत, आज नजरअंदाज किया तो उम्र भर रहेंगे परेशान

बच्चों में जोड़ों से जुड़ी दिक्कतें केवल उम्रदराज लोगों में नहीं, बल्कि छोटे बच्चों में भी हो सकती हैं। कई बार माता-पिता इसे सामान्य बढ़ने का दर्द समझकर नजरअंदाज कर देते हैं, लेकिन यदि ये दर्द बार-बार हों या रात में बढ़ जाएं, तो ये



जोड़ों की समस्या का संकेत हो सकता है। यहां बाल रोग विशेषज्ञों द्वारा बताए गए 7 प्रमुख संकेत दिए गए हैं जिन्हें नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

रात में बढ़ने वाला दर्द

अगर बच्चे को दिन में ठीक रहता है लेकिन रात को दर्द बढ़ जाता है, तो यह सामान्य नहीं है। ऐसा दर्द सूजन या जोड़ों में सूक्ष्म संक्रमण का संकेत हो सकता है।

चलने या दौड़ने में कठिनाई

यदि बच्चा अचानक लंगड़ाने लगे, धीरे चले या दौड़ने से बचे, तो ये संकेत हैं कि उसके जोड़ों में दर्द या जकड़न (ह्यह्लद्धद्धद्बद्गद्वह्यह्य) हो सकती है।

सूजन या लालिमा

किसी एक या अधिक जोड़ों में सूजन, लालपन या गर्माहट महसूस होना सूजन (द्वद्गद्धद्यद्बद्धद्बद्गह्लद्ध श्रद्ब) का संकेत है। यह आर्थराइटिस या संक्रमण से भी हो सकता है।

सुबह उठते ही जकड़न

यदि बच्चा सुबह उठते ही अपने हाथ-पैरों को मोड़ने या सीधा करने में परेशानी बताता है, तो यह जोड़ों में सूजन या आर्थराइटिस का लक्षण हो सकता है।

किसी विशेष जोड़ में बार-बार दर्द

अगर दर्द हर बार एक ही घुटने, टखने या कोहनी में हो रहा है, तो यह केवल थकान नहीं, बल्कि जोड़ों की कोई आंतरिक समस्या हो सकती है।

बुखार या थकान के साथ दर्द

अगर जोड़ों का दर्द बुखार, कमजोरी या भूख न लगने के साथ हो, तो तुरंत डॉक्टर को दिखाना चाहिए। यह संक्रमण या ऑटोइम्यून बीमारी का संकेत हो सकता है।

बच्चे का खेलने से बचना

यदि बच्चा पहले की तरह खेलना, कूदना या चढ़ना-उतरना छोड़ दे, तो यह दर्द से बचने की कोशिश हो सकती है।

कब डॉक्टर को दिखाए

अगर बच्चे का दर्द 2 हफ्तों से ज्यादा बना रहे, जोड़ों में सूजन या बुखार आ जाए या फिर बच्चा लंगड़ाने लगे या चलने से बचे तो डॉक्टर को जरूर दिखाए। विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि बच्चों के जोड़ों के दर्द को 'द्दह्म्2द्बद्वद्गद्द श्रद्बद्धद्बद्ग' मानकर टालना ठीक नहीं। जल्दी जांच कराने पर समस्या का इलाज सरल और प्रभावी हो सकता है। संतुलित आहार, पर्याप्त पानी और हल्की फिजिकल एक्टिविटी बच्चों के जोड़ों को मजबूत रखते हैं।

शुरू हो गई हैं सर्दियां, बनाकर तैयार करें ये पांच तरह के लड्डू ताकि न हो तबियत खराब



सर्दियों का मौसम आते ही शरीर को अतिरिक्त पोषण और गर्माहट की जरूरत होती है। इस मौसम में हमारी इम्यूनिटी अक्सर कमजोर पड़ जाती है, जिससे सर्दी-जुकाम जल्दी हो सकती है। ऐसे में घर पर बने देसी लड्डू न केवल स्वाद में लाजवाब होते हैं, बल्कि सेहत के लिए भी बेहद फायदेमंद हैं। पारंपरिक तरीके से बनाए गए लड्डू शरीर को एनर्जी, गर्मी और जरूरी न्यूट्रिएंट्स देते हैं।

सर्दी के मौसम में कुछ खास तरह के लड्डू पाचन को बेहतर बनाते हैं, जोड़ों के दर्द से राहत देते हैं और शरीर को अंदर से मजबूत बनाते हैं। अगर आप ठंड में स्वस्थ और एक्टिव रहना चाहते हैं, तो अपनी डाइट में इन देसी लड्डुओं को जरूर शामिल करें। आइए जानते हैं ऐसे पांच तरह के लड्डू जो सर्दियों में आपकी तबीयत खराब होने से बचा सकते हैं।

तिल-गुड़ के लड्डू

तिल और गुड़ का मेल सर्दियों में सबसे बेहतरीन माना जाता है। ये शरीर को गर्म रखता है और ब्लड में हीमोग्लोबिन का स्तर बढ़ाता है। इसमें कैल्शियम और आयरन भरपूर होता है, जो हड्डियों को मजबूत बनाता है।

गोंद के लड्डू

गोंद से बने लड्डू जोड़ों के दर्द और ठंड से होने वाली कमजोरी में फायदेमंद होते हैं। इसमें घी, मेवा और गेहूं का आटा मिलाकर बनाया जाता है जो एनर्जी बूस्टर की तरह काम करता है।

मेथी के लड्डू

मेथी के लड्डू सर्दियों में शरीर को अंदर से गर्म रखते हैं और ब्लड शुगर को नियंत्रित करते हैं। महिलाओं के लिए ये खासतौर पर फायदेमंद माने जाते हैं क्योंकि ये हॉर्मोनल बैलेंस को भी सपोर्ट करते हैं।

मूंगफली के लड्डू

मूंगफली प्रोटीन का अच्छा स्रोत है। इसके लड्डू ठंड के मौसम में ऊर्जा प्रदान करते हैं और इम्यूनिटी बढ़ाते हैं। गुड़ के साथ मिलाकर खाने से ये स्वादिष्ट और पौष्टिक दोनों बन जाते हैं।

सूखे मेवे के लड्डू

बादाम, काजू, अखरोट, किशमिश और खजूर से बने लड्डू विटामिन्स और मिनरल्स से भरपूर होते हैं। ये शरीर को ताकत देते हैं और स्किन ग्लोइंग बनाए रखते हैं। तो आप चाहें तो इसे भी बनाकर तैयार कर सकते हैं।



भारत की विस्फोटक ओपनिंग जोड़ी बनेगी पाकिस्तान के लिए खतरा

दोहा, एजेंसी। भारत और पाकिस्तान के बीच क्रिकेट मुकाबला हमेशा रोमांच से भरपूर रहता है। अब एक बार फिर दोनों देशों की टीमें 22 नवंबर को दोहा में आमने-सामने होंगी। एशिया कप राइजिंग स्टार्स के इस मुकाबले में भारत-ए और पाकिस्तान-ए (पाकिस्तान शाहींस) के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिल सकती है। हालांकि, टीम इंडिया अपनी मजबूत बल्लेबाजी और अंतरराष्ट्रीय अनुभव के दम पर मुकाबले में मजबूत दावेदार मानी जा रही है।भारत-ए के पास अभिषेक शर्मा और वैभव सूर्यवंशी जैसे आक्रामक सलामी बल्लेबाज हैं। दोनों शुरुआती ओवरों में तेजी से रन बनाने की क्षमता रखते हैं। दूसरी ओर, पाकिस्तान के मोहम्मद हसनैन, अहमद दानियाल और अली



एशिया कप राइजिंग स्टार्स.... भारत-ए बनाम पाकिस्तान-ए मुकाबला आज

रजा पर नई गेंद से विकेट निकालने की जिम्मेदारी होगी।कप्तान तिलक वर्मा, रिंकू सिंह, आयुष बदोनी और कुमार कुशाग्र भारतीय मध्यक्रम को मजबूती देते हैं। तिलक और कुशाग्र नेपाल के खिलाफ शतक लगाकर अपनी फॉर्म साबित कर चुके हैं। वहीं, पाकिस्तान को अब्दुल समद, हसन नवाज और हैदर अली से बड़ी पारियों की उम्मीद होगी।दोहा की धीमी पिच पर स्पिन गेंदबाज अहम साबित हो सकते हैं। पाकिस्तान के सुफियान मुकिम और साद मसूद भारतीय बल्लेबाजों के लिए परेशानी खड़ी कर सकते हैं। भारत के पास भी शाहबाज अहमद, तनुष कोटियन और विप्रज निगम जैसे विकल्प हैं।

तेज गेंदबाजी में कड़ा मुकाबला

भारत के हर्षित राणा और प्रिंस यादव शानदार फॉर्म में हैं। नेपाल के खिलाफ दोनों ने प्रभावशाली प्रदर्शन किया था। वहीं, पाकिस्तान की तेज गेंदबाजी में हसनैन और अली रजा की भूमिका अहम होगी। भारत-पाकिस्तान मुकाबले में मानसिक मजबूती भी निर्णायक होगी। तिलक, रिंकू और अभिषेक जैसे खिलाड़ियों के पास बड़े मैचों का अनुभव है। हालांकि, पाकिस्तान शाहींस भी दोहा की परिस्थितियों से अच्छी तरह परिचित है।

भारत-ए जीत की प्रबल दावेदार

कुल मिलाकर बल्लेबाजी की गहराई, मजबूत मध्यक्रम और अनुभवी खिलाड़ियों के चलते भारत-ए का पलड़ा भारी नजर आता है। पाकिस्तान को जीत के लिए शुरुआती विकेट लेना और भारतीय बल्लेबाजों पर दबाव बनाए रखना बेहद जरूरी होगा। अब देखना दिलचस्प होगा कि 22 नवंबर को दोहा में किस टीम का प्रदर्शन बेहतर रहता है।

मलयेशियाई जोड़ी ने दी शिकस्त

सात्विक और चिराग हॉन्गकॉन्ग ओपन के सेमीफाइनल में हारे

कोवलून। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारतीय पुरुष युगल जोड़ी हॉन्गकॉन्ग ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में मलयेशिया की आठवीं वरीयता प्राप्त जोड़ी मान वेई चोंग और टी काई वुन से सीधे गेम में हार गई। इस साल सिंगापुर और चीन में खिताब जीतने वाली और विश्व रैंकिंग में छठे स्थान पर काबिज भारतीय जोड़ी को 41 मिनट तक चले सेमीफाइनल में 18-21, 19-21 से हार का सामना करना पड़ा।



मैच में शुरू से ही दोनों जोड़ियों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला और वे लगभग बराबरी के साथ आगे बढ़ते रहे। पहले गेम में स्कोर 4-4 से 7-7 हो गया। इसके बाद भी कड़ी टक्कर देखने को मिली और 10-10 के स्कोर पर मलयेशिया की टीम ने अंक बनाकर इंटरवल तक मामूली बढ़त हासिल की।

सात्विक और चिराग ने इसके बाद भी कड़ी चुनौती दी लेकिन मलेशिया की जोड़ी ने अपनी बढ़त बरकरार रखी तथा 18-19 के स्कोर के बाद दो गेम प्वाइंट हासिल किए और पहले पर ही गेम अपने नाम कर दिया। दूसरे गेम में भी कड़ा मुकाबला देखने को मिला। भारतीय जोड़ी ने एक समय 7-3 की बढ़त बना ली, लेकिन मलेशिया की जोड़ी ने लगातार छह अंक बनाकर मैच का रुख पलट दिया और स्कोर 9-7 कर दिया। वे इंटरवल तक दो अंकों की बढ़त बनाए रखने में कामयाब रहे।

मलयेशियाई टीम ने अपनी बढ़त को 14-9 कर दिया। सात्विक और चिराग ने इसके बाद अच्छी वापसी करके स्कोर 19-19 से बराबर कर दिया। इसके बाद मलयेशियाई खिलाड़ियों ने चिराग को निशाना बनाकर मैच पॉइंट हासिल किया और फिर मैच जीत लिया।

वेलिंगटन टेस्ट: न्यूजीलैंड के घर में भारतीय बल्लेबाजों ने दिखाया दम

वेलिंगटन, एजेंसी। भारत और न्यूजीलैंड के बीच पहले टेस्ट मैच के तीसरे दिन का खेल खत्म हो गया है। तीसरा दिन पूरी तरह भारतीय बल्लेबाजों के नाम रहा और कीवी गेंदबाजों को आज सिर्फ तीन ही सफलता मिली। भारत के लिए केएल राहुल ने शतकीय पारी खेली, जबकि कप्तान शुभमन गिल दो रन से शतक लगाने से चूक गए। दिन के खेल की समाप्ति तक भारत ने पहली पारी में चार विकेट पर 486 रन बनाए हैं और उसे 118 रन की बढ़त मिल चुकी है। स्टंप्स के समय ऋषभ पंत 55 और नाइट वॉचमैन के तौर पर उतरे अंशुल कंबोज खाता खोले बिना क्रीज पर मौजूद थे।

गेंदबाजों पर बनाया दबाव

न्यूजीलैंड ने पहली पारी में 368 रन बनाए थे। भारत ने अच्छी बल्लेबाजी की और तीसर दिन शनिवार को एक विकेट पर 159 रन से आगे खेलना शुरू किया और आज 325 रन बनाए। भारत को तीन झटके देवदत्त पडिक्कल, केएल राहुल और कप्तान शुभमन गिल के रूप में लगे। राहुल ने टेस्ट करियर का 13वां शतक लगाया। उन्होंने पडिक्कल के साथ 165 रन की साझेदारी निभाई। पडिक्कल ने भी दूसरा टेस्ट अर्धशतक लगाया। पडिक्कल 175 गेंद में 10 चौके की मदद से 80 रन बनाकर आउट हुए। वहीं, राहुल ने 290 गेंद में नौ चौके और दो छक्के की मदद से 136 रन की पारी खेली। इसके अलावा कप्तान गिल स्टंप्स से ठीक पहले 98 रन बनाकर आउट हुए और 12वें शतक से दो रन से चूक गए। उन्हें जैकब डफी

टॉप-5 ने बनाए 50+ रन, तीन शतकीय साझेदारी

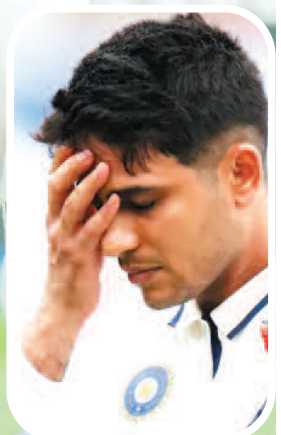


ने क्लीन बोल्ड किया। गिल ने पंत के साथ 100 रन की साझेदारी निभाई। भारतीय पारी की खास बात यह रही कि शीर्ष पांच बल्लेबाजों ने 50+ स्कोर किए। पंत ने भी 55 गेंद में टेस्ट करियर का 22वां अर्धशतक पूरा किया। इससे पहले शुक्रवार को यशस्वी जायसवाल 89 गेंद में 16 चौके की मदद से 85 रन बनाकर आउट हुए थे।

राहुल की ऐतिहासिक पारी

केएल राहुल ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में शानदार शतक लगाकर इतिहास रच दिया है। उन्होंने 203 गेंदों में अपना शतक पूरा किया। यह उनके टेस्ट करियर का 13वां शतक है। इसके साथ ही राहुल स्वह्न (दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया) के चारों देशों में टेस्ट शतक लगाने वाले पहले भारतीय ओपनर बन गए। वह यह उपलब्धि हासिल करने वाले दुनिया के दूसरे ओपनर हैं। उनसे पहले पाकिस्तान के सईद अनवर ऐसा कर चुके हैं। राहुल ने इस शतक के साथ एक खास अंतरराष्ट्रीय सूची में अपना नाम दर्ज करा लिया है। एशियाई बल्लेबाजों में मोहम्मद अजहरुद्दीन, सचिन तेंदुलकर, सईद अनवर, राहुल द्रविड़, यूनिस खान, कुमार संगकारा, विराट कोहली और केएल राहुल ऐसे खिलाड़ी हैं, जिन्होंने चारों देशों में टेस्ट शतक लगाए हैं। हालांकि, इनमें सिर्फ सईद अनवर और केएल राहुल ही ऐसे बल्लेबाज हैं, जिन्होंने बतौर ओपनर यह उपलब्धि हासिल की है। स्वह्न देशों में भारतीय ओपनरों के टेस्ट शतकों की सूची में सुनील गावस्कर शीर्ष पर हैं।

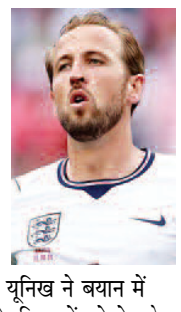
कप्तान शुभमन गिल दो रन से शतक लगाने से चूके



फुटबाल

इंग्लैंड के कप्तान हैरी केन हुए चोटिल महीनों तक रहना पड़ सकता है बाहर

लंदन। इंग्लैंड की फुटबॉल टीम के कप्तान हैरी केन बायर्न म्यूनिख और कोलोन के बीच 1-1 से ड्रॉ रहे मैच के दौरान चोटिल हो गए जिसके कारण उन्हें 'अगले कुछ महीनों' तक खेल से बाहर रहना पड़ सकता है। उनके बाएं टखने में 'लिगामेंट' फट गया है और इस बैलोन डि ओर विजेता को पूरी तरह फिट होने में कुछ महीने का समय लगेगा।कोलोन के डिफेंडर जोएल श्मिड ने केन को पेनल्टी एरिया में गिरा दिया। केन दर्द से कराह उठे। उन्होंने हालांकि थोड़ी देर के लिए खेलना जारी रखा लेकिन जल्द ही मैदान पर उपचार लेने के बाद दो फिजियोथेरेपिस्ट के साथ मैदान से लंगड़ाते हुए बाहर चले गए। बायर्न यूनिख ने बयान में कहा, 'हैरी केन शुक्रवार को बायर्न म्यूनिख के बुंडेसलिगा में कोलोन के खिलाफ घरेलू मैच के दौरान चोटिल हो गए।



विवाद

पूर्व पति से जुड़ा मामला, मुक्केबाज मैरी कॉम को कोर्ट ने दिया नोटिस

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की एक अदालत ने ओलंपिक पदक विजेता मुक्केबाज मैरी कॉम के खिलाफ आपराधिक मानहानि के मामले में औपचारिक संज्ञान लेने से पहले नोटिस जारी किया। यह मामला मैरी काम के पूर्व पति ने दायर किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि मैरी काम ने एक टेलीविजन इंटरव्यू के दौरान उनके बारे में झूठी और छवि खराब करने वाली टिप्पणियां की थीं। मैरी कॉम के पूर्व पति करोंग ओंखोलर ने छह अक्तूबर को शिकायत दर्ज कराई थी, जिसमें आरोप लगाया गया कि मैरी काम ने उनके वैवाहिक संबंध खत्म होने के बाद इस साल 11 जनवरी को प्रसारित एक टेलीविजन कार्यक्रम में उनके खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणियां की थीं। न्यायिक मजिस्ट्रेट शिवम गुप्ता ने यह देखते हुए नोटिस जारी किया कि ओंखोलर की ओर से समन जारी करने से पहले पेश किए जाने वाले साक्ष्य की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है।



दोषी

डोपिंग में फंसी भारतीय एथलीट किरण बालियान, 8 साल का बैन

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय खेलों से डोपिंग का दाग छूटने का नाम नहीं ले रहा है और एक बार फिर मेडल विजेता खिलाड़ी ने अपनी हरकत से देश को शर्मिंदा किया है. एशियन गेम्स 2022 में विमेंस शॉट पुट की ब्रॉन्ज मेडलिस्ट किरण बालियान को एंटी-डोपिंग नियमों के उल्लंघन का दोषी पाया गया है और इसके चलते 8 साल के लिए बैन कर दिया गया है. नेशनल एंटी डोपिंग एजेंसी ने किरण बालियान को 2 मामलों में दोषी पाते हुए 4-4 साल का बैन लगाया है, जो 2024 से शुरू माना जाएगा और 2032 तक बरकरार रहेगा.



नेशनल एंटी डोपिंग एजेंसी ने किरण बालियान को 2 मामलों में दोषी पाते हुए 4-4 साल का बैन लगाया है, जो 2024 से शुरू माना जाएगा और 2032 तक बरकरार रहेगा.

यादव अब चयनकर्ताओं की योजनाओं का हिस्सा नहीं

सूर्यकुमार की वापसी के रास्ते बंद!

मुश्ताक अली ट्रॉफी में कर रहे कप्तानी, प्रदर्शन रहा शानदार

बीसीसीआई के सूत्र के मुताबिक-फिलहाल उनके लिए जगह उपलब्ध नहीं है

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत को अपनी कप्तानी में टी20 विश्व कप का खिताब दिलाने वाले सूर्यकुमार यादव राष्ट्रीय टीम में वापसी की जुगत में लगे हुए हैं। सूर्यकुमार की वापसी की राह हालांकि मुश्किल नजर आ रही है। न्यूज एजेंसी एएनआई के अनुसार, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सूत्र के मुताबिक, सूर्यकुमार यादव अब चयनकर्ताओं की योजनाओं का हिस्सा नहीं हैं। घरेलू क्रिकेट में लगातार अच्छा प्रदर्शन करने के बावजूद फिलहाल भारतीय टीम में उनके लिए जगह नहीं बन पा रही है।

सूर्यकुमार की वापसी पर आया अपडेट

बीसीसीआई के सूत्र ने कहा, 'सूर्यकुमार फिलहाल हमारी चयन योजनाओं का हिस्सा नहीं हैं। हम तो अभी तक सफेद गेंद के क्रिकेट में यशस्वी जायसवाल जैसे युवा खिलाड़ी के लिए भी जगह नहीं बना पाए हैं।' सूत्र ने आगे कहा कि सूर्यकुमार यादव कड़ी मेहनत कर रहे हैं और लिस्ट ए क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन भी कर रहे हैं, लेकिन मौजूदा भारतीय टीम के संयोजन में उन्हें शामिल करना मुश्किल है। सूत्र ने कहा, हां, सूर्यकुमार कड़ी मेहनत कर रहे हैं और लिस्ट ए क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। हालांकि, सवाल यह है कि मौजूदा भारतीय टीम में हम उन्हें कहां फिट कर सकते हैं। फिलहाल उनके लिए कोई जगह उपलब्ध नहीं है। हम सफेद गेंद के क्रिकेट में यशस्वी जायसवाल जैसे युवा खिलाड़ी को भी जगह नहीं दे पा रहे हैं, तो मौजूदा टीम में सूर्यकुमार को कहां फिट करेंगे? फिलहाल हम उन्हें टीम में शामिल करने पर विचार नहीं कर रहे हैं।

घरेलू क्रिकेट में दम दिखा रहे सूर्यकुमार

मालूम हो कि सूर्यकुमार यादव ने 2026 टी20 विश्व कप में भारतीय टीम की कप्तानी की थी और टीम को लगातार दूसरी बार टी20 विश्व कप का खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी। हालांकि, आईपीएल के बाद उन्हें टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम से बाहर कर दिया गया और उनकी जगह श्रेयस अय्यर को नया कप्तान नियुक्त किया गया। दूसरी ओर, सूर्यकुमार यादव इन दिनों सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2026-27 में मुंबई की कप्तानी करते हुए शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने 14 नवंबर को हैदराबाद के खिलाफ मुकाबले में महज 21 गेंदों पर नाबाद 60 रन की तूफानी पारी खेली थी। उनकी इस पारी में छह चौके और पांच छक्के शामिल थे।

29 गेंदों पर 82 रन बनाए, जिसमें नौ चौके और सात छक्के शामिल

इसके बाद गुजरात के खिलाफ भी सूर्यकुमार का बल्ला जमकर चला। उन्होंने सिर्फ 29 गेंदों पर 82 रन बनाए, जिसमें नौ चौके और सात छक्के शामिल थे। उनकी इस विस्फोटक पारी की मदद से मुंबई ने 199 रन का लक्ष्य महज 15.4 ओवर में पांच विकेट शेष रहते हासिल कर लिया। वहीं, गोवा के खिलाफ तीसरे मुकाबले में भी सूर्यकुमार ने तेज बल्लेबाजी करते हुए 12 गेंदों पर 25 रन बनाए। इस दौरान उन्होंने तीन छक्के लगाए। मुंबई ने यह मुकाबला 18 रन से अपने नाम किया। अच्छी पारियों के बावजूद सूत्र के बयान से साफ है कि फिलहाल भारतीय टीम में उनकी वापसी को लेकर चयनकर्ता विचार नहीं कर रहे हैं।

बेमिसाल रहा है सूर्यकुमार का टी-20 करियर

मैदान के चारों ओर शॉट खेलने की काबिलियत के कारण 'मिस्टर 360' के नाम से मशहूर सूर्यकुमार के आंकड़े बेहद शानदार हैं। उन्होंने भारत के लिए 113 टी-20 इंटरनेशनल मैचों में 36.35 की औसत और 162.98 के जबरदस्त स्ट्राइक रेट से 3,272 रन बनाए हैं। इसमें 4 शतक और 25 अर्धशतक शामिल हैं। साल 2022 में वे दुनिया के नंबर-1 टी-20 बल्लेबाज बने थे और 2022 व 2023 में लगातार दो बार टी-20 क्रिकेटर ऑफ द ईयर भी चुने गए थे। अब देखना यह होगा कि घरेलू क्रिकेट में इस दमदार प्रदर्शन के बाद सिलेक्टर्स अपने फैसले पर दोबारा विचार करते हैं या नहीं।

घरेलू क्रिकेट में जमकर बोल रहा है सूर्या का बल्ला

टीम इंडिया से बाहर होने के बावजूद सूर्यकुमार ने हार नहीं मानी है और वे घरेलू क्रिकेट में लगातार रन बना रहे हैं। उनकी बल्लेबाजी का पुराना अंदाज देखने को मिल रहा है:

हैदराबाद के खिलाफ: 14 नवंबर को उन्होंने महज 15 गेंदों में फिफ्टी जड़ी और 21 गेंदों पर नाबाद 60 रन (6 चौके, 5 छक्के) बनाकर मुंबई को 7 विकेट से जीत दिलाई।

गुजरात के खिलाफ: सूर्या ने 29 गेंदों में 82 रनों की तूफानी पारी खेली, जिसमें 9 चौके और 7 छक्के शामिल थे। इस पारी की बदौलत मुंबई ने 199 रनों का बड़ा लक्ष्य 15.4 ओवर में हासिल कर लिया।

गोवा के खिलाफ: उन्होंने सिर्फ 12 गेंदों में 3 छक्कों की मदद से 25 रन ठोके और टीम को 18 रनों से जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई।



सैनिक का किरदार निभाने के लिए सलमान ने घंटों तक कड़ाके की ठंड का सामना किया

सलमान खान स्टारर फिल्म 'मातृभूमि: मे वॉर रेस्ट इन पीस' का पहला टीजर और पोस्टर जब से रिलीज़ हुआ है, तब से दर्शकों के बीच फिल्म को देखने की बेसब्री बढ़ती जा रही है। शुरुआती झलकियों ने दर्शकों को फिल्म की दुनिया से रूबरू कराया, जिसके बाद से ही दर्शक फिल्म से जुड़ी और चीजें देखने का इंतजार कर रहे हैं। इस फिल्म के जबरदस्त स्केल ने पहले से ही फैंस के बीच चर्चा शुरू कर दी है, डायरेक्टर अपूर्व लाखिया ने बिहाइंड द सींस डिटेल्स के बारे ने बात की और बताया है कि कैसे फिल्म की मेकिंग धैर्य और ईमानदारी को पेश करती है। इंटेंस एक्शन से लेकर ट्रेलर में अब तक नजर आए मुश्किल जगहों पर की गई शूटिंग, यह बताती है कि टीम ने किसी भी तरह के शॉर्टकट को अपनाने से इंकार किया है, और इस तरह से उन्होंने हर फ्रेम में जान डालने के लिए असली, सख्त मौसम को इनडोर के आराम के सामने चुना है।

फिल्म के सबसे मुश्किल सीक्वेंस के बारे में बात करते हुए डायरेक्टर अपूर्व लाखिया ने कहा है , 'शुरुआत में हमने इस सीक्वेंस की शूटिंग मुंबई के एक स्टूडियो में करने का प्लान बनाया था, लेकिन सलमान सर से बात करने के बाद हमें समझ आ गया कि सेट पर शूट करने से वह असली एहसास नहीं आएगा। इसलिए हम बाहर गए और सितंबर एंड में इसकी शूटिंग की। उस समय पानी का तापमान लगभग जीरो डिग्री के आसपास रहा होगा। सलमान खान को अपने फिजिकली डिमांडिंग रोल्स में जीजान लगाने के लिए जाना जाता है, और ऐसे में मातृभूमि में वॉर रेस्ट इन पीस के लिए, उनके द्वारा लिया गया स्टूडियो से बाहर शूट करने का फैसला उनकी फिल्म के लिए कमिटमेंट को दर्शाता है। एक सैनिक का किरदार निभाने के लिए सुपरस्टार और उनके को-एक्टर्स कलाकारों ने घंटों तक कड़ाके की ठंड का सामना किया। वे भीगी हुई वर्दी में ही शॉट्स के बीच खाना खाते थे, ताकि पर्दे पर उनका संघर्ष और भावनाएं दर्शकों को बिल्कुल असली महसूस हों।



टाइम 100 नेक्स्ट इंडिया लिस्ट के कवर पर मिली आलिया को जगह

बॉलीवुड में अपनी अलग पहचान बनाने वाली अभिनेत्री आलिया भट्ट के नाम एक और बड़ी उपलब्धि जुड़ गई है। अपनी शानदार अदाकारी और अलग-अलग तरह के किरदारों से दर्शकों का दिल जीतने वाली आलिया अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी सुर्खियां बटोर रही हैं। उन्हें टाइम मैगजीन की पहली टाइम 100 नेक्स्ट इंडिया लिस्ट के कवर स्टार के तौर पर जगह मिली है। मैगजीन ने फिल्म इंडस्ट्री में उनके सफर, फिल्मों में उनके किरदारों के चुनाव और फिल्म सेट पर महिलाओं के लिए बेहतर कामकाजी माहौल की वकालत करने के उनके प्रयासों को सराहा है।

आलिया को बताया 'बॉलीवुड आइकन'

टाइम मैगजीन ने इंस्टाग्राम पर आलिया को कवर स्टार घोषित करते हुए उन्हें 'बॉलीवुड आइकन' बताया। मैगजीन ने लिखा, 'हमारी पहली टाइम 100 नेक्स्ट इंडिया लिस्ट की कवर स्टार से मिलिए, बॉलीवुड आइकन आलिया भट्ट।' इसके साथ ही प्रकाशन ने इस बात पर भी गौर किया कि कैसे आलिया ने इंडस्ट्री में एक नई कलाकार के तौर पर शुरुआत की और धीरे-धीरे चुनौतीपूर्ण और अलग-अलग तरह के किरदार निभाने वाली अभिनेत्री के रूप में अपनी पहचान बनाई। आलिया भट्ट ने साल 2012 में करण जौहर की फिल्म 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर' से बतौर लीड एक्ट्रेस बॉलीवुड में कदम रखा था। हालांकि, साल 2014 में इम्तियाज अली की फिल्म 'हाईवे' उनके करियर का अहम मोड़ साबित हुई। इस फिल्म में उन्होंने वीरा त्रिपाठी का किरदार निभाया था, जो किडनैप होने के बाद खुद को समझने और अपनी जिंदगी को नए नजरिए से देखने का सफर तय करती है। इस फिल्म ने दर्शकों के बीच आलिया की अभिनय क्षमता को लेकर बनी धारणा बदल दी। मैगजीन के मुताबिक, आलिया का फिल्मी सफर ऐसे दौर में आगे बढ़ा, जब बॉलीवुड का पारंपरिक स्टार सिस्टम बदल रहा था और कलाकारों के सामने एक नई तरह की सेलिब्रिटी संस्कृति की चुनौतियां थीं। 'हाईवे' के बाद आलिया ने लगातार ऐसे किरदार चुने, जिनमें उन्हें अपनी अभिनय क्षमता दिखाने का मौका मिला। फिल्म 'उड़ता पंजाब' में उन्होंने पंजाब के ड्रग्स कारोबार के बीच फंसी बिहार की एक प्रवासी मजदूर का किरदार निभाया। इस फिल्म में उनके अभिनय के लिए उन्हें फिल्मफेयर बेस्ट एक्ट्रेस का अवार्ड भी मिला।

कमर्शियल फिल्मों में भी आलिया ने किया काम

अपने करियर में आलिया ने जहां '2 स्टेट्स' जैसी कमर्शियल फिल्मों में काम किया, वहीं 'राजी', 'डियर जिंदगी' और 'गली बॉय' जैसी फिल्मों में अपने अभिनय से दर्शकों और समीक्षकों का ध्यान खींचा। अलग-अलग जॉनर की फिल्मों में काम करके उन्होंने अपनी बहुमुखी प्रतिभा साबित की है। सिर्फ फिल्मों ही नहीं, बल्कि फिल्म इंडस्ट्री में महिलाओं के लिए बेहतर कामकाजी माहौल बनाने की पैरवी को लेकर भी आलिया चर्चा में रही हैं। खासतौर पर फिल्म सेट पर महिलाओं की सुविधाओं और उनके काम करने की परिस्थितियों को बेहतर बनाने की दिशा में उनकी आवाज को मैगजीन ने अहमियत दी है। हाल ही में आलिया मुंबई में आयोजित अर्थशॉट प्राइज 2026 के ग्रीन कार्पेट पर भी अपने लुक को लेकर चर्चा में रही थीं। इस दौरान वह डिजाइनर रितु कुमार के तैयार किए गए ब्लैक और एंटीक गोल्ड रंग के बेहद खूबसूरत आउटफिट में नजर आई थीं।



रामायण में मैंने मानसिक, शारीरिक और आध्यात्मिक रूप से जो कुछ भी दे सकता था, दिया

निर्देशक नितेश तिवारी की फिल्म 'रामायण' में अभिनेता रवि दुबे लक्ष्मण के किरदार में नजर आ रहे हैं। उन्होंने बताया कि इस किरदार को निभाना उनके लिए अपनी इच्छा पूरी करने से ज्यादा महाकाव्य की सेवा करने का मौका था। उन्होंने इंस्टाग्राम पर लिखा, 'एक अभिनेता के तौर पर आप ऐसा काम करें कि दर्शक उसे इस तरह से महसूस करें, कि वे आपको आकर बताएं। इससे बड़ा तोहफा और क्या ही हो सकता है। सच कहूं, तो ये सब लिखते हुए मुझे यकीन नहीं हो रहा है लेकिन मन में कृतज्ञता है। लक्ष्मण की खुद के लिए कोई इच्छा नहीं थी, वो श्री राम और मां सीता के एक कदम पीछे खड़े होकर खुश थे, जब भी उनकी जरूरत हो, कर्तव्य पालन के लिए तैयार रहते थे। उन्होंने किरदार निभाने को लेकर बताया कि लक्ष्मण ने अभी तक जो किया, मैं बस वही सेवा और कर्तव्य की भावना रामायण में लाना चाहता था। उन्होंने लिखा, 'मानसिक, शारीरिक और आध्यात्मिक रूप से मैं, जो कुछ भी दे सकता था, मैंने दिया। सच में मैं चाहता था लेकिन आप सबने मुझे इससे कहीं ज्यादा दे दिया।' रवि दुबे ने कास्टिंग डायरेक्टर मुकेश छाबड़ा का शुक्रिया अदा करते हुए लिखा, 'मुकेश भाई, आपके उस कॉल ने सच में मेरी जिंदगी बदल दी, जिसके लिए मैं आपका आभारी हूं। नमित मल्होत्रा सर, नितेश तिवारी सर, आप लोग बहुत ही खास इंसान हैं और मैं आपका कर्जदार हूं कि आपने मुझे दुनिया के सबसे बेहतरीन कलाकारों के साथ एक सेट पर रखा। एक ऐसा सेट जहां मैं सबसे जूनियर और सबसे कम अनुभवी था, फिर भी जिस दिन से मैं वहां गया, आपने मुझे उतना ही प्यार, सम्मान और अपने काम को करने के लिए उतनी ही जगह दी।'

अभिनेता ने वरिष्ठ कलाकारों के साथ काम करने के अनुभव के बारे में बताते हुए कहा कि शुरुआत में वे काफी डरे हुए थे। उन्होंने कहा, 'मैं डरा हुआ था कि कहीं मैंने इन शानदार लोगों को निराश तो नहीं कर दिया, जिन्होंने मुझ पर इतनी बड़ी जिम्मेदारी के साथ भरोसा किया? कहीं मैंने बहुत कम तो नहीं कर दिया? कहीं मैंने ज्यादा तो नहीं कर दिया? कहीं मैंने लक्ष्मण के साथ, रामायण के साथ अन्याय तो नहीं कर दिया? और फिर आपका प्यार और साथ मिला। काश मैं आपमें से हर एक को बता पाता कि इसने मेरे लिए क्या किया है। इसमें बहुत खुशी है लेकिन इसमें एक बहुत ही कोमल सी राहत भी है। राम कथा की थोड़ी सी भी सेवा करके मेरा दिल भर गया है।

धनश्री वर्मा की साउथ सिनेमा में शुरुआत तेलुगु फिल्म 'हे कन्नम्मा' में नजर आएंगी

धनश्री वर्मा अपने करियर में एक नया अध्याय शुरू करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। डांसर और सोशल मीडिया पर्सनैलिटी धनश्री ने 'हे कन्नम्मा' फिल्म के साथ तेलुगू सिनेमा में लीड एक्ट्रेस के तौर पर अपनी शुरुआत करने की घोषणा की है। इस फिल्म को 'दिल राजू प्रोडक्शंस' का सपोर्ट हासिल है। मेकर्स ने फिल्म का टीजर भी रिलीज कर दिया है। यह फिल्म 27 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म में यश मास्टर और कार्तिका मुरलीधरन भी नजर आएंगे। धनश्री वर्मा ने इंस्टाग्राम पर यह घोषणा शेयर की और इस प्रोजेक्ट को लेकर अपना उत्साह जताया। इसे एक बेहद खास सफर बताते हुए, उन्होंने कहा कि वह दर्शकों को बड़े पर्दे पर यह फिल्म देखते हुए देखने के लिए उत्सुक हैं।

फिल्म के टाइटल की घोषणा करते हुए उन्होंने लिखा, 'और आखिरकार ऐसा हो ही रहा है! लीड एक्टर के तौर पर मेरी पहली फिल्म। तेलुगू फिल्म में मेरा डेब्यू। और शुरुआत भी कितनी शानदार है — दिल राजू प्रोडक्शंस के साथ।'

अभिनेत्री ने फिल्म का आधिकारिक टीजर भी शेयर किया, जिससे दर्शकों को उनके नए प्रोजेक्ट की एक झलक मिली। उन्होंने इसे एक नई शुरुआत बताया क्योंकि वह अपने पहले मुख्य किरदार के साथ तेलुगु सिनेमा में कदम रख रही हैं। टीजर शेयर करते हुए, धनश्री ने इस सफर का हिस्सा बनने के लिए पूरी टीम को धन्यवाद दिया। अपनी पोस्ट में धनश्री ने लिखा, 'एक बहुत ही खास नई शुरुआत की एक छोटी सी झलक! पेश है मेरी तेलुगु डेब्यू फिल्म हेकन्नम्मा का आधिकारिक टीजर। इसमें मुझे शानदार 'दिल राजू प्रोडक्शंस' के साथ एक मुख्य अभिनेत्री के तौर पर एक बिल्कुल नई दुनिया में कदम रखने का मौका मिला है। यह एक ऐसा सफर है जो मेरे दिल के बहुत करीब है।'





'कॉफी विद करण' का 22 साल का सफर अब हो रहा है खत्म

फिनाले में शाहरुख खान के साथ नजर आएंगे यश और रूही

करण जौहर का चर्चित चैट शो 'कॉफी विद करण' अब अपने आखिरी पड़ाव पर पहुंच गया है. करीब 22 साल तक बॉलीवुड सितारों की जिंदगी से जुड़े दिलचस्प किस्से सामने लाने वाले इस शो का सीजन 9 आखिरी होने वाला है. ऐसे में करण जौहर अपने शो को यादगार अंदाज में विदाई देने की तैयारी कर रहे हैं. रिपोर्ट्स की मानें तो फिनाले एपिसोड में बॉलीवुड के बादशाह शाहरुख खान खास अंदाज में नजर आएंगे. इतना ही नहीं, करण के दोनों बच्चे यश और रूही भी पहली बार इस शो का हिस्सा बनेंगे.

फिनाले में शाहरुख खान की होगी खास एंट्री

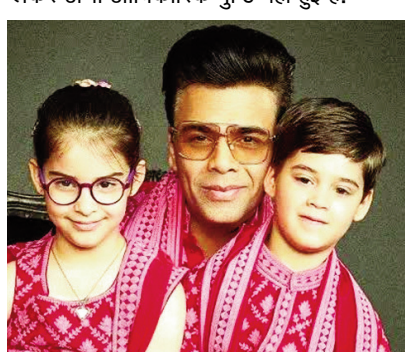
रिपोर्ट के मुताबिक, शाहरुख खान फिनाले एपिसोड में करण जौहर के साथ कॉफी काउच पर दिखाई देंगे. हालांकि, वह पूरे एपिसोड में नहीं रहेंगे, बल्कि कुछ समय के लिए अपनी मौजूदगी दर्ज कराएंगे. शाहरुख के साथ इस खास एपिसोड में करण के जुड़वां बच्चे यश और रूही भी नजर आएंगे. यह दोनों का टेलीविजन डेब्यू होगा. इस एपिसोड को लेकर सबसे खास बात यह है कि शाहरुख खान ही साल 2004 में शुरू हुए 'कॉफी विद करण' के पहले मेहमान बने थे. अब शो के आखिरी सीजन में उनकी वापसी से इसकी शुरुआत और विदाई के बीच एक खूबसूरत कनेक्शन बन जाएगा.

बेटी सुहाना खान भी हो सकती हैं शामिल

रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया है कि शाहरुख खान की बेटी सुहाना खान भी इस बातचीत का हिस्सा बन सकती हैं. बताया जा रहा है कि इस एपिसोड की शूटिंग उस समय हुई, जब शाहरुख अपनी फिल्म 'किंग' की शूटिंग में व्यस्त थे. काम की व्यस्तता के चलते वह पूरे एपिसोड के लिए समय नहीं निकाल पाए और कुछ देर के लिए शो में शामिल हुए.

सीजन 9 में नजर आए ये सितारे

'कॉफी विद करण 9' के इस सीजन में अब तक कई बड़े बॉलीवुड सितारे अपनी जिंदगी और करियर से जुड़े किस्से साझा कर चुके हैं. इनमें सलमान खान, वरुण धवन, जाह्नवी कपूर, करीना कपूर, सैफ अली खान, कियारा आडवाणी, सिद्धार्थ मल्होत्रा, विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना जैसे नाम शामिल हैं. वहीं, आने वाले एपिसोड्स के लिए सारा अली खान और इब्राहिम अली खान, समय रैना, दिलजीत दोसांझ और डिंपल कपाड़िया जैसे सितारों के नाम भी चर्चा में हैं. हालांकि, इनकी मौजूदगी को लेकर अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है.





राजनीतिक पद की आड़ में महिला से दुष्कर्म का आरोप, राजुला भाजपा के सोशल मीडिया प्रभारी के खिलाफ शिकायत

महिला ने लगाए अश्लील तस्वीरें खींचकर ब्लैकमेल करने, जान से मारने की धमकी देने और घर में घुसकर जबरदस्ती करने के आरोप; पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अमरेली/राजुला। अमरेली जिले के राजुला क्षेत्र में भारतीय जनता पार्टी के एक पदाधिकारी के खिलाफ महिला ने दुष्कर्म, ब्लैकमेलिंग और धमकी देने जैसे गंभीर आरोप लगाते हुए पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। आरोपी राजुला तालुका भाजपा का सामाजिक माध्यम प्रभारी बताया गया है। महिला का आरोप है कि आरोपी ने उसके साथ अश्लील हरकतें कीं, निजी तस्वीरें खींचीं और उन्हें सार्वजनिक करने की धमकी देकर उसे डराया-धमकाया। इतना ही नहीं, आरोपी पर महिला के घर में जबरन घुसकर उसकी इच्छा के विरुद्ध दुष्कर्म करने का भी आरोप लगाया गया है। शिकायत सामने आने के बाद क्षेत्र में राजनीतिक और सामाजिक हलकों में हलचल मच गई है। शिकायत के अनुसार, आरोपी महिला के साथ बार-बार अशोभनीय व्यवहार करता था। आरोप है कि उसने महिला की निजी तस्वीरें खींच ली थीं और उन्हें सार्वजनिक करने की धमकी देकर ब्लैकमेल करना शुरू कर दिया। महिला को जान से मारने की धमकी दिए जाने का आरोप भी लगाया गया है। इन धमकियों के कारण महिला भय के माहौल में रहने को मजबूर थी। महिला ने अपनी शिकायत में बताया कि आरोपी ने



कथित तौर पर अपने राजनीतिक पद का प्रभाव दिखाकर उसे लगातार परेशान किया। आरोप है कि एक दिन वह जबरन महिला के घर में घुस गया और उसकी इच्छा के विरुद्ध उसके साथ दुष्कर्म किया। घटना के बाद भी आरोपी उसे धमकाता रहा कि यदि उसने किसी को इस बारे में बताया तो उसे समाज में बदनाम कर दिया जाएगा। लगातार मिल रही धमकियों और कथित उत्पीड़न से परेशान होकर आखिरकार महिला ने हिम्मत जुटाई और पुलिस थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। शिकायत में निजी तस्वीरों के माध्यम से ब्लैकमेल करने, धमकियां देने और दुष्कर्म करने सहित गंभीर आरोप लगाए गए हैं। पुलिस ने महिला की शिकायत के आधार पर भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जा रही है। मामले में पुलिस की जांच के बाद ही आरोपों की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। इस घटना के सामने आने के बाद राजुला क्षेत्र में राजनीतिक चर्चाएं तेज हो गई हैं। सत्ताधारी दल से जुड़े एक पदाधिकारी पर इतने गंभीर आरोप लगने से राजनीतिक हलकों में भी सवाल उठने लगे हैं। हालांकि, फिलहाल ये सभी आरोप शिकायतकर्ता महिला की ओर से लगाए गए हैं और उनकी पुष्टि जांच के बाद ही होगी। मामला एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर रहा है कि सार्वजनिक और राजनीतिक जिम्मेदारी निभाने वाले पदों पर बैठे लोगों के आचरण और जवाबदेही को लेकर कितनी गंभीरता बरती जा रही है।

अहमदाबाद के 14 पुराने पुलों की सुरक्षा पर खर्च होंगे 50 करोड़ रुपये, निगरानी के लिए लगेंगे 13 प्रकार के अत्याधुनिक संवेदक

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। राज्य में पहले हो चुकी पुल दुर्घटनाओं से सबक लेते हुए अहमदाबाद महानगरपालिका ने शहर के पुराने पुलों की सुरक्षा के लिए बड़ी योजना तैयार की है। इसके तहत शहर के अलग-अलग क्षेत्रों में स्थित 14 पुराने पुलों की मजबूती और मौजूदा स्थिति पर लगातार नजर रखने के लिए लगभग 50 करोड़ रुपये की लागत से अत्याधुनिक पुल स्वास्थ्य निगरानी प्रणाली स्थापित की जाएगी। इस व्यवस्था के माध्यम से पुलों में होने वाले छोटे से छोटे बदलाव का भी समय रहते पता लगाया जा सकेगा। अब तक पुलों की सुरक्षा जांच मुख्य रूप से प्रत्यक्ष निरीक्षण और समय-समय पर होने वाली नियमित जांच पर निर्भर थी। ऐसे में कई बार पुलों के भीतर होने वाली क्षति शुरुआती दौर में पकड़ में नहीं आ पाती थी। नई व्यवस्था के तहत पुलों के ढांचे पर 13 अलग-अलग प्रकार के अत्याधुनिक संवेदक लगाए जाएंगे, जो चौबीसों घंटे उनकी स्थिति पर नजर रखेंगे। इन संवेदकों के माध्यम से पुल के खंभों और ऊपरी सतह पर पड़ने वाली छोटी दरारों की शुरुआती स्तर पर पहचान की जा सकेगी। इसके अलावा भारी वाहनों की आवाजाही से पुल में होने वाले असामान्य कंपन और उस पर पड़ने वाले भार के दबाव को भी लगातार मापा जाएगा। नदी या पानी के बहाव के कारण पुल की नींव के आसपास होने वाले कटाव तथा ढांचे में आने वाले मामूली झुकाव और बदलाव की जानकारी भी निगरानी प्रणाली के माध्यम से मिल सकेगी। इस महत्वाकांक्षी योजना को लागू करने के लिए महानगरपालिका ने निविदा और प्रस्ताव आमंत्रित करने की प्रक्रिया तेज कर दी है। इस परियोजना के लिए देश और विदेश की अनुभवी तथा तकनीकी विशेषज्ञता रखने वाली कंपनियों से 3 दिसंबर 2026 तक प्रस्ताव मांगे गए हैं। योजना के अनुसार, निगरानी प्रणाली शुरू होने के बाद पुलों की स्थिति से संबंधित वास्तविक समय का आंकड़ा नियंत्रण कक्ष तक पहुंचेगा। यदि किसी पुल में कोई गंभीर तकनीकी गड़बड़ी या असामान्य बदलाव दिखाई देता है, तो संबंधित अधिकारियों को समय रहते चेतावनी मिल सकेगी। इससे संभावित खतरे को देखते हुए मरम्मत और सुधार के काम समय पर शुरू किए जा सकेंगे तथा बड़ी दुर्घटनाओं और जनहानि की आशंका कम करने में मदद मिलेगी। अहमदाबाद जैसे बड़े शहर में प्रतिदिन लाखों वाहन चालक पुलों से होकर गुजरते हैं। ऐसे में पुराने पुलों की नियमित निगरानी और उनकी मजबूती सुनिश्चित करना बेहद जरूरी है। महानगरपालिका की यह पहल पुल सुरक्षा की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। हालांकि, शहरवासियों की अपेक्षा रहेगी कि 50 करोड़ रुपये की यह योजना केवल कागजी कार्रवाई और तकनीकी आंकड़ों तक सीमित न रहे।

8 करोड़ के 'वीर सावरकर पार्क' की बदहाली पर उठे सवाल, उद्घाटन के एक महीने में ही सुरक्षा व्यवस्था पर सवालिया निशान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नडियाद। शहर में नागरिकों के कर से करीब 8 करोड़ रुपये खर्च कर बनाए गए 'वीर सावरकर पार्क' की हालत उद्घाटन के महज एक महीने बाद ही चर्चा का विषय बन गई है। पार्क में आवारा मवेशियों के खुलेआम घुसने, सुरक्षा व्यवस्था में खामियों और असामाजिक तत्वों द्वारा नुकसान पहुंचाए जाने की शिकायतें सामने आई हैं। इस मामले को लेकर नडियाद शहर जिला कांग्रेस समिति के अध्यक्ष और वार्ड संख्या 12 के पार्षद हार्दिक भट्ट ने महानगरपालिका प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं। पार्क की सुरक्षा और संचालन की जिम्मेदारी जिस सुरक्षा एजेंसी को सौंपी गई है, उसकी कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। आरोप है कि लाखों रुपये का ठेका मिलने के बावजूद एजेंसी पार्क की बुनियादी सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित नहीं कर पा रही है। वहीं, राजनीतिक हलकों में यह चर्चा भी है कि संबंधित एजेंसी का संचालक भाजपा के नडियाद शहर संगठन में महामंत्री पद पर है। हालांकि, इस संबंध में आधिकारिक पुष्टि सामने नहीं आई है। यदि किसी राजनीतिक पदाधिकारी से जुड़ी एजेंसी को ठेका दिया गया है, तो ठेका आवंटन की प्रक्रिया और संभावित हितों के टकराव को लेकर पारदर्शिता जरूरी है। कांग्रेस नेता हार्दिक भट्ट ने इसी मुद्दे पर प्रशासन से जवाब मांगा है। उनका सवाल है कि महानगरपालिका में ठेके काम की गुणवत्ता और योग्यता के आधार पर दिए जाते हैं या राजनीतिक पहचान और प्रभाव के आधार पर?

एचपीवी टीकाकरण में गुजरात देश में पहले स्थान पर, 7.75 लाख किशोरियों को मिला सुरक्षा कवच

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। गुजरात ने किशोरियों को गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर से बचाने के लिए चलाए जा रहे एचपीवी टीकाकरण अभियान में देशभर में पहला स्थान हासिल किया है। राज्य में अब तक 7.75 लाख से अधिक किशोरियों को इस टीके की खुराक दी जा चुकी है। राज्य के स्वास्थ्य मंत्री प्रफुल पानशेरिया ने यह जानकारी देते हुए इसे स्वास्थ्य क्षेत्र की महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया। स्वास्थ्य मंत्री के अनुसार, देशभर में एचपीवी टीकाकरण अभियान को 31 दिसंबर 2026 तक बढ़ा दिया गया है। अब तक पूरे देश में 1 करोड़ से अधिक खुराक दी जा चुकी हैं। इस राष्ट्रीय अभियान में गुजरात ने अग्रणी भूमिका निभाई है।



राज्य की उपलब्धि पर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे.पी. नड्डा और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के आधिकारिक सामाजिक माध्यम खाते से गुजरात को विशेष बधाई दी गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में राज्य में यह अभियान चलाया जा रहा है। गुजरात ने मई महीने में ही 100 प्रतिशत टीकाकरण का लक्ष्य हासिल कर देश में पहला स्थान प्राप्त कर लिया था। इसके बाद केंद्र सरकार ने 7 सितंबर को राज्य के लिए एचपीवी टीके की 2.72 लाख अतिरिक्त खुराकें आवंटित की थीं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन 17 सितंबर से शुरू हुए सेवा पर्व के तहत 17 से 26 सितंबर 2026 तक विशेष टीकाकरण अभियान चलाया गया। इस दौरान राज्य में टीकाकरण की गति तेज की गई। अभियान के पहले ही दिन 17 सितंबर को 71,000 से अधिक किशोरियों को टीका लगाकर नया कीर्तिमान बनाया गया। वहीं, 10 दिनों के इस विशेष अभियान में 1.47 लाख से अधिक किशोरियों का टीकाकरण किया गया और निर्धारित लक्ष्य पूरा किया गया। अब तक 14 वर्ष की आयु वर्ग की लगभग 7.75 लाख किशोरियों को इस अभियान के तहत सुरक्षा प्रदान की जा चुकी है। स्वास्थ्य मंत्री ने इस उपलब्धि का श्रेय चिकित्सकों, परिचारिकाओं, आशा कार्यकर्ताओं और स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों को दिया। उन्होंने कहा कि क्षेत्रीय स्तर से लेकर जिला और राज्य स्तर तक काम कर रहे कर्मचारियों के समर्पण और मेहनत से यह अभियान सफल हुआ है। गर्भाशय ग्रीवा का कैंसर महिलाओं में होने वाले गंभीर रोगों में शामिल है। एचपीवी टीकाकरण इस कैंसर के प्रमुख कारण बनने वाले विषाणु के संक्रमण से बचाव का महत्वपूर्ण उपाय है। राज्य सरकार का कहना है कि किशोरियों के स्वास्थ्य की सुरक्षा और उनके बेहतर भविष्य के लिए यह अभियान आगे भी प्राथमिकता के साथ जारी रहेगा।

जर्जर नहरों ने किसानों की उम्मीदों पर फेरा पानी, खेतों तक पहुंचने के बजाय रास्तों पर बह रहा सिंचाई का पानी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पावी जेठपुर/छोटा उदेपुर। गुजरात सरकार की ओर से किसानों को सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी उपलब्ध कराने के दावों के बीच छोटा उदेपुर जिले के पावी जेठपुर तालुका के उमरवा क्षेत्र में नहरों की बदहाली का मामला सामने आया है। यहां सिंचाई के लिए नहरों में पानी तो छोड़ा गया, लेकिन जर्जर और टूटी हुई नहरों के कारण पानी खेतों तक पहुंचने के बजाय रास्तों और आसपास के क्षेत्रों में बहकर बर्बाद हो रहा है। इससे किसानों में नाराजगी है। स्थानीय किसानों के अनुसार, उमरवा क्षेत्र की छोटी सिंचाई नहरें लंबे समय से खराब स्थिति में हैं। नहरों में कई जगह टूट-फूट और बड़े गड्ढे होने के कारण पानी का रिसाव हो रहा है। इसके बावजूद मरम्मत कराए बिना नहरों में पानी छोड़ दिया गया। नतीजतन, सिंचाई के लिए उपलब्ध कराया गया पानी खेतों तक पहुंचने के बजाय रास्ते में ही बह रहा है। किसानों का कहना है कि वे लंबे समय से सिंचाई के पानी की मांग कर रहे थे। जब नहरों में पानी छोड़ा गया तो उन्हें फसलों की सिंचाई की उम्मीद जगी थी, लेकिन नहरों की खराब हालत ने उनकी परेशानी बढ़ा दी। नहरों के किनारे और अंतिम छोर पर स्थित खेतों तक पर्याप्त पानी नहीं पहुंच पा रहा है। इससे फसलों की सिंचाई प्रभावित होने और पैदावार पर प्रतिकूल असर पड़ने की आशंका है। किसानों ने सिंचाई विभाग के अधिकारियों पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि नहरों की बदहाली की जानकारी होने के बावजूद मरम्मत की दिशा में जरूरी कदम नहीं उठाए गए। उनका कहना है कि एक ओर पानी की जरूरत वाले खेत सूखे रह जाते हैं, वहीं दूसरी ओर कीमती पानी खुले में बहकर बर्बाद हो रहा है। उमरवा क्षेत्र के किसानों ने मांग की है कि सिंचाई विभाग कागजी कार्रवाई तक सीमित रहने के बजाय मौके पर पहुंचकर नहरों की स्थिति का निरीक्षण करे। जहां नहरें टूटी हुई हैं, वहां तत्काल मरम्मत और रिसाव रोकने का काम कराया जाए, ताकि छोड़ा गया पानी बिना बर्बाद हुए खेतों तक पहुंच सके। किसानों का कहना है कि यदि समय रहते नहरों की मरम्मत नहीं कराई गई तो फसलों को नुकसान हो सकता है और उन्हें आर्थिक परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। अब निगाहें सिंचाई विभाग और स्थानीय प्रशासन पर हैं कि वे किसानों की शिकायतों पर कब कार्रवाई करते हैं और उमरवा क्षेत्र की जर्जर नहरों को दुरुस्त कर खेतों तक पानी पहुंचाने की व्यवस्था सुनिश्चित करते हैं।



वडोदरा में भाजपा नेता के बेटे समेत 3 लोगों के खिलाफ पांचवीं पुलिस शिकायत दर्ज

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वडोदरा। संस्कारी नगरी के नाम से पहचाने जाने वाले वडोदरा शहर में भाजपा नेता के बेटे और उसके साथियों को लेकर एक बार फिर विवाद खड़ा हो गया है। भाजपा नेता के बेटे समेत 3 लोगों के खिलाफ एक और पुलिस शिकायत दर्ज कराई गई है। बताया जा रहा है कि इन आरोपियों के खिलाफ पहले भी 4 शिकायतें दर्ज हो चुकी हैं। अब पांचवीं शिकायत सामने आने के बाद शहर के राजनीतिक और सामाजिक हलकों में चर्चा तेज हो गई है। मामले में सबसे अधिक चर्चा इस बात को लेकर हो रही है कि पहले की शिकायतों के बावजूद आरोपियों के नाम एक बार फिर पुलिस मामले में सामने आए हैं। लगातार विवादों में घिरने के कारण भाजपा नेता के बेटे और उसके साथियों को लेकर कई सवाल उठ रहे हैं। हालांकि, पिछली शिकायतों और मौजूदा मामले की प्रकृति तथा उनमें हुई कार्रवाई का पूरा विवरण सामने नहीं आया है। इस मामले के बाद शहर में यह सवाल भी उठ रहा है कि क्या आरोपियों को किसी राजनीतिक प्रभाव का संरक्षण मिल रहा है? विपक्षी हलकों में भी इस घटनाक्रम को लेकर सत्ताधारी दल पर सवाल उठाए जा रहे हैं। हालांकि, राजनीतिक संरक्षण या पुलिस पर किसी दबाव के संबंध में फिलहाल कोई ठोस तथ्य सामने नहीं आया है। पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर कानूनी जांच शुरू कर दी है। अब लोगों की नजर इस बात पर है कि जांच में क्या तथ्य सामने आते हैं और पुलिस आगे क्या कार्रवाई करती है। शहर में मांग उठ रही है कि मामले की निष्पक्ष जांच हो और आरोप सही पाए जाने पर बिना किसी राजनीतिक दबाव के नियमानुसार कार्रवाई की जाए।

30 फीट की ऊंचाई पर बिना सुरक्षा उपकरणों के काम कर रहे श्रमिक, डभोई में बड़ा हादसा होने का खतरा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर/डभोई। विकास कार्यों के दौरान श्रमिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना निर्माण एजेंसी और संबंधित विभाग की जिम्मेदारी है, लेकिन डभोई तालुका में राजली से भीलापुर के बीच राज्य राजमार्ग पर बन रहे पुल के निर्माण कार्य में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। आरोप है कि यहां श्रमिकों से जमीन से करीब 30 फीट की ऊंचाई पर बिना आवश्यक सुरक्षा उपकरणों के काम कराया जा रहा है। ऐसी स्थिति में छोटी-सी चूक भी बड़े हादसे का कारण बन सकती है। निर्माण स्थल पर सामने आई स्थिति के अनुसार, श्रमिक लोहे की छड़ों और ढांचे पर ऊंचाई पर काम करते दिखाई दिए। उनके सिर पर सुरक्षा हेलमेट, शरीर पर सुरक्षा जैकेट और कमर पर सुरक्षा पेटी नजर नहीं आई। पैरों में भी उचित सुरक्षा जूते नहीं होने की बात सामने आई है। करीब 30 फीट की ऊंचाई पर काम करते समय संतुलन बिगड़ने या पैर फिसलने से श्रमिक नीचे गिर सकते हैं। इसके बावजूद काम जारी रहने से निर्माण एजेंसी और संबंधित अधिकारियों की निगरानी व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं। इतनी ऊंचाई पर जोखिम भरा निर्माण कार्य होने के बावजूद मौके पर कोई जिम्मेदार अधिकारी या सुरक्षा पर्यवेक्षक दिखाई नहीं देने का आरोप है। निर्माण स्थल पर सुरक्षा नियमों का पालन कराया जा रहा है या नहीं, इसकी नियमित जांच की जिम्मेदारी संबंधित विभाग और ठेकेदार की है। ऐसे में मौके पर निगरानी व्यवस्था की कमी को



गंभीरता से लिया जाना जरूरी है। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर मौके पर मौजूद कर्मचारी विकास यादव से सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि फिलहाल वहां कोई अधिकारी मौजूद नहीं है। उन्होंने यह भी दावा किया कि श्रमिकों को सुरक्षा उपकरण उपलब्ध कराए गए हैं, लेकिन वे स्वयं उपकरण लेकर नहीं आए। कर्मचारी के इस जवाब के बाद सवाल उठ रहा है कि यदि श्रमिक सुरक्षा उपकरणों के बिना पहुंचे थे, तो उन्हें 30 फीट की ऊंचाई पर काम करने की अनुमति किसने दी? क्या ठेकेदार की जिम्मेदारी नहीं है कि सुरक्षा उपकरण पहनने के बाद ही श्रमिकों को जोखिम वाले स्थान पर काम करने दिया जाए? अब संबंधित विभाग की जवाबदेही तय करने की मांग उठ रही है। यदि निर्माण स्थल पर सुरक्षा उपकरणों का उपयोग नहीं हो रहा है, तो इसकी जांच कौन करेगा? क्या राज्य राजमार्ग विभाग के अधिकारी नियमित रूप से स्थल का निरीक्षण कर रहे हैं? किसी श्रमिक के साथ दुर्घटना होने पर जिम्मेदारी किसकी होगी? इन सवालों के बीच निर्माण स्थल पर सुरक्षा व्यवस्था की स्वतंत्र जांच कराने की आवश्यकता महसूस की जा रही है। दूसरे क्षेत्रों से आकर रोजी-रोटी कमाने वाले श्रमिकों की जान की सुरक्षा को लेकर लापरवाही नहीं बरती जानी चाहिए। मांग है कि संबंधित अधिकारी तत्काल निर्माण स्थल का निरीक्षण करें और सभी श्रमिकों को हेलमेट, सुरक्षा पेटी, जैकेट तथा अन्य आवश्यक उपकरण उपलब्ध कराकर उनका उपयोग अनिवार्य करवाएं। साथ ही ठेकेदार और जिम्मेदार पर्यवेक्षकों की जवाबदेही भी तय की जाए। अब देखना होगा कि इस मामले में राज्य राजमार्ग विभाग के अधिकारी क्या कदम उठाते हैं। क्या किसी बड़े हादसे से पहले सुरक्षा व्यवस्था दुरुस्त की जाएगी या श्रमिकों की जान जोखिम में डालकर निर्माण कार्य जारी रहेगा?

छोटाउदेपुर में स्थानीय जनप्रतिनिधियों पर उठे सवाल, हर्ष संघवी के 72 घंटे के दौरे से जगी उम्मीदें

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद/छोटाउदेपुर। गुजरात के उपमुख्यमंत्री हर्ष संघवी 27, 28 और 29 नवंबर को लगातार 72 घंटे तक छोटाउदेपुर विधानसभा क्षेत्र के दौरे पर रहेंगे। उनके इस दौरे को लेकर क्षेत्र में चर्चाएं तेज हो गई हैं। स्थानीय लोगों को उम्मीद है कि इस दौरान वर्षों से लंबित समस्याओं पर ठोस कार्रवाई हो सकती है। हालांकि, यह सवाल भी उठ रहा है कि क्या यह दौरा केवल सरकारी औपचारिकता बनकर रह जाएगा या इससे आम लोगों को वास्तविक राहत मिलेगी। इस दौरे की चर्चा के बीच स्थानीय सांसदों और विधायकों की भूमिका पर भी सवाल उठाए जा रहे हैं। क्षेत्र में लोगों के बीच यह नाराजगी सामने आ रही है कि निर्वाचित जनप्रतिनिधि उनकी समस्याओं को सरकार तक प्रभावी ढंग से नहीं पहुंचा पा रहे हैं। इसी कारण अब उपमुख्यमंत्री को स्वयं क्षेत्र में पहुंचकर लोगों की समस्याएं सुननी पड़ रही हैं। हालांकि, स्थानीय नेतृत्व की निष्क्रियता को लेकर लगाए जा रहे आरोपों पर संबंधित जनप्रतिनिधियों का पक्ष सामने आना भी जरूरी है। छोटाउदेपुर के लोगों के बीच चर्चा है कि क्षेत्र के सांसद और विधायक जनता की समस्याओं को प्राथमिकता देने के बजाय अपने राजनीतिक हितों में व्यस्त हैं। लोगों का कहना है कि यदि स्थानीय स्तर पर समस्याओं का समाधान होता, तो उन्हें अपनी मांगें सरकार तक पहुंचाने के लिए उपमुख्यमंत्री के दौरे का इंतजार नहीं करना पड़ता। नकली कार्यालय घोटाले में प्रभावित लोगों के धन की वापसी: कथित नकली कार्यालय घोटाले में जिन गरीबों और वास्तविक हकदारों की राशि हड़पी गई, उन्हें उनका धन जल्द वापस दिलाने की मांग उठाई जा रही है। लोगों की अपेक्षा है कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाए और प्रभावितों को राहत मिले। नल से जल योजना और पानी के कर का मुद्दा: सरकारी दावों के बावजूद ग्रामीण क्षेत्रों में कई जगह नलों से पानी नहीं पहुंचने की शिकायतें हैं। इसके बावजूद लंबे समय से पानी के कर की वसूली किए जाने पर लोग सवाल उठा रहे हैं। मांग है कि जिन क्षेत्रों में पानी की आपूर्ति नहीं हुई, वहां वसूले गए कर की राशि लौटाई जाए। वन भूमि पर अधिकार का मामला: वन अधिकार अधिनियम 2006 के तहत वर्षों से वन भूमि पर खेती कर जीवनयापन करने वाले गरीब आदिवासी परिवारों को अब तक भूमि के स्वामित्व अधिकार नहीं मिलने की शिकायत है। लोगों की मांग है कि पात्र परिवारों के लंबित दावों का शीघ्र निपटारा कर उन्हें अधिकार दिए जाएं। सरकारी अस्पतालों में चिकित्सकों और चिकित्सा कर्मचारियों की कमी के कारण गरीब मरीजों को उपचार के लिए दूर-दराज के क्षेत्रों में जाना पड़ता है।

प्रेमी के इनकार और कथित उकसावे से आहत किशोरी ने साबरमती नदी में लगाई छलांग, जागरूक नागरिक ने बचाई जान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। साबरमती रिवरफ्रंट पर कुछ दिन पहले एक किशोरी ने नदी में छलांग लगाकर आत्महत्या का प्रयास किया। बताया गया है कि किशोरी अपने साथ आए युवक से विवाह करना चाहती थी, लेकिन युवक ने इससे इनकार कर दिया। आरोप है कि उसने विवाद के दौरान किशोरी को उकसाते हुए नदी में कूदकर मर जाने की बात कही। इससे आहत होकर किशोरी ने नदी में छलांग लगा दी। हालांकि, मौके पर मौजूद एक जागरूक नागरिक ने दुपट्टे की मदद से उसे पानी से बाहर निकालकर उसकी जान बचा ली। जानकारी के अनुसार, माता-पिता को खो चुकी किशोरी का करीब एक महीने पहले एक युवक से संपर्क हुआ था। दोनों के बीच प्रेम संबंध बन गए थे। कुछ दिन पहले किशोरी युवक के साथ साबरमती रिवरफ्रंट घूमने गई थी। वहां उसने युवक के सामने विवाह का प्रस्ताव रखा, लेकिन युवक ने शादी करने से साफ इनकार कर दिया। आरोप है कि इसके बाद दोनों के बीच विवाद हुआ और युवक ने कथित तौर पर उसे नदी में कूद जाने के लिए कह दिया। इसके बाद किशोरी ने आवेश में आकर नदी में छलांग लगा दी। किशोरी को नदी में डूबता देखकर रिवरफ्रंट पर मौजूद एक जागरूक नागरिक ने तत्काल मदद की। उसने सूझबूझ दिखाते हुए दुपट्टे के सहारे किशोरी को पानी से बाहर खींच लिया। समय पर मिली मदद से उसकी जान बच गई। घटना की गंभीरता को देखते हुए महिला हेल्पलाइन 181 की अभयम टीम को सूचना दी गई। अभयम की टीम मौके पर पहुंची और किशोरी को सुरक्षित स्थान पर ले जाकर उसकी काउंसलिंग की। बातचीत के दौरान किशोरी के संघर्षपूर्ण जीवन से जुड़ी कई बातें सामने आईं। बताया गया कि उसके माता-पिता जीवित नहीं हैं। पारिवारिक परिस्थितियां ठीक नहीं होने और मामी के साथ उचित व्यवहार नहीं होने के कारण वह अपने मामा-मामी और नानी से अलग एक सहेली के साथ किराये के मकान में रह रही थी। किशोरी खाना बनाने का काम करके अपना गुजारा करती थी। अपनी कमाई में से वह बीमार नानी की आर्थिक मदद भी करती थी। इसी बीच करीब एक महीने पहले संपर्क में आए युवक के साथ उसका प्रेम संबंध बन गया था। अभयम की टीम ने उसे समझाया कि जीवन बेहद अनमोल है और किसी भी परेशानी या संबंध में निराशा के कारण ऐसा कदम नहीं उठाना चाहिए। परामर्श के बाद किशोरी को परिवार से मिलवाया गया। अभयम की टीम ने उसे नए लोगों पर जल्दबाजी में भरोसा नहीं करने और जीवन से जुड़े महत्वपूर्ण फैसले सोच-समझकर लेने की सलाह दी।

डभोई-स्टैच्यू ऑफ यूनिटी मार्ग पर 48 घंटे में दुरुस्त हुई सुरक्षा व्यवस्था

फरतीकुई चौराहे पर हादसों का खतरा कम करने के लिए लगाए गए सुरक्षा खंभे, चेतावनी संकेतक और अवरोधक; लंबे समय से लंबित काम शुरू होने से वाहन चालकों ने ली राहत की सांस

महानगर मेट्रो ब्यूरो

डभोई। डभोई से स्टैच्यू ऑफ यूनिटी (एकतानगर) की ओर जाने वाले व्यस्त मार्ग पर फरतीकुई चौराहे के पास सुरक्षा व्यवस्था को लेकर उठे सवालों के बाद संबंधित तंत्र हरकत में आया है। चौराहे पर दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ने की शिकायतों को प्रमुखता से उठाए जाने के बाद महज 48 घंटे के भीतर वहां सुरक्षा संबंधी इंतजाम कर दिए गए। प्रशासन और ठेकेदार की ओर से की गई इस कार्रवाई से स्थानीय लोगों और इस मार्ग से गुजरने वाले वाहन चालकों ने राहत की सांस ली है। डभोई से स्टैच्यू ऑफ यूनिटी जाने वाले मुख्य मार्ग पर फरतीकुई और नडापुड़ा की ओर जाने वाले चौराहे पर सड़क का निर्माण तो कर दिया गया था, लेकिन आरोप है कि ठेकेदार और राज्य राजमार्ग प्राधिकरण की लापरवाही के कारण वहां लंबे समय तक आवश्यक सुरक्षा इंतजाम नहीं किए गए। न तो पर्याप्त चेतावनी संकेतक लगाए गए थे और न ही वाहन चालकों को सावधान करने के लिए जरूरी व्यवस्था की गई थी। स्थानीय लोगों के अनुसार, पिछले एक-दो महीने से अधूरी सुरक्षा व्यवस्था के कारण इस स्थान पर दुर्घटनाओं का खतरा बना हुआ था। विशेष रूप से रात के समय अनजान वाहन चालकों को सड़क की स्थिति और मोड़ का अंदाजा नहीं लग पाता था। इसके चलते वाहन चालकों के गड्ढों और विभाजकों से टकराने की घटनाएं होने की शिकायतें सामने आई थीं। स्थानीय स्तर पर मांग उठाए जाने के बावजूद काम पूरा नहीं होने से लोगों में नाराजगी थी।

खबर प्रकाशित होने के बाद शुरू हुई कार्रवाई

इस समस्या को प्रमुखता से उठाए जाने के बाद संबंधित अधिकारियों और ठेकेदार ने तेजी से काम शुरू किया। महज 48 घंटे के भीतर चौराहे पर सुरक्षा के लिए कई बदलाव किए गए। वाहन चालकों को दूर से ही सड़क की स्थिति का अंदाजा हो सके, इसके लिए लाल और हरे रंग की परावर्तक पट्टियों वाले सुरक्षा खंभे लगाए गए। रात में भी स्पष्ट दिखाई देने वाले चमकदार संकेतक



और चेतावनी पट्टिकाएं लगाई गईं। इसके अलावा दुर्घटना की आशंका वाले अधूरे और जोखिम भरे स्थानों पर अवरोधक भी लगाए गए हैं। स्थानीय लोगों और वाहन चालकों ने सुरक्षा व्यवस्था में हुए इस सुधार पर संतोष जताया है। उनका कहना है कि जिस काम के लिए लंबे समय से मांग की जा रही थी, वह दो दिनों में पूरा हो गया। लोगों ने उम्मीद जताई कि प्रशासन आगे भी इस मार्ग की नियमित निगरानी करेगा और सुरक्षा व्यवस्था को बनाए रखेगा, ताकि भविष्य में किसी बड़े हादसे की आशंका न रहे।

printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed by ILEVAN HASMUKHRAI THAKAR Printed at Jay Graphics & Printers, C/15, Vikram Chambers, Ashram Road, Ahmedabd - 380009. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700, 9662420070.